धनबाद
मंगलवार 18.08.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-176 पृष्ठ- 12
श्रावण शुक्ल पक्ष-6
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

जेएसएससी-सीजीएल सहित टीडीपीएल द्वारा आयोजित की गई सभी भर्ती परीक्षाएं रद्द:सीएम

बड़ी जीत के बावजूद सीबीआई जांच की मांग पर अड़े छात्र, बोले- परीक्षा रद्द होने के बाद भी जारी रहेगा आंदोलन

रांची (एजेंसी): झारखंड में २४ दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने आंदोलनकारियों की सबसे बड़ी मांग मानते हुए वर्ष २०२४ में आयोजित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया है। इसके अलावा टीडीपीएल नामक एजेंसी द्वारा राज्य में कराई गईं सभी प्रतियोगिता परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की विशेष बैठक में करीब साढ़े चार घंटे की चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि १४वीं जेपीएससी पीटी और बैकलॉग सिविल सर्विस परीक्षा रद्द करने का निर्णय पूर्व में ही आंदोलित छात्रों के साथ वार्ता के दौरान लिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब वर्ष २०१४ से लेकर वर्तमान समय तक जेपीएससी और जेएसएससी की ओर से आयोजित भर्ती परीक्षाओं की व्यापक जांच कराने का फैसला किया है। सीएम ने कहा कि जेएसएससी-सीजीएल में कथित गड़बड़ियों की एसआईटी और सीआईडी जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच में विभिन्न एजेंसियों के बीच कथित सांठगांठ और घालमेल के संकेत मिले हैं। इसे देखते हुए यह परीक्षा रद्द की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच केवल किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी और पूरे मामले की तह तक जाना जरूरी है। सरकार २०१४ से लेकर अब तक की भर्ती परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया की कराएगी, ताकि गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि परीक्षा सुधार के लिए आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक समिति ▶▶ 8

टॉप-5 वैश्विक बैंकों में भारतीय बैंक का लक्ष्य निर्मला सीतारमण जल्द बनाएंगी हाईलेवल कमेटी

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर भारत के बैंकिंग क्षेत्र के लिए बड़ा वैश्विक लक्ष्य तय किया। लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था में बैंकिंग सेक्टर की अहम भूमिका रही है और अब कम से कम एक भारतीय बैंक को दुनिया के शीर्ष पांच बैंकों में स्थान बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के इस लक्ष्य के दो दिन बाद सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएसबी कॉन्क्लेव २०२६ में बैंकिंग क्षेत्र में बड़े सुधारों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही बैंकिंग क्षेत्र की समीक्षा और सुधार के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित करेगी। सम्मेलन में सामने आने वाले सुझावों को भी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

सुधारों के अगले दौर की तैयारी

वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र अब पहले से कहीं मजबूत स्थिति में है।

बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे बैंकिंग व्यवस्था को अब संकट प्रबंधन के बजाय मजबूती के साथ अगले दौर के सुधारों पर आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

सरकार का जोर बैंकिंग क्षेत्र को 'विकसित भारत २०४७' की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर है। प्रस्तावित हाईलेवल कमेटी बैंकिंग व्यवस्था की भविष्य की दिशा, सुधारों और वैश्विक स्तर पर भारतीय बैंकों की क्षमता बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर विचार करेगी।

दरअसल, केंद्रीय बजट २०२६-२७ में ही सरकार ने 'विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्च-स्तरीय समिति' गठित करने का प्रस्ताव रखा था। इसका उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र को भारत की अगली विकास यात्रा के अनुरूप तैयार करना है।

बैंकिंग क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

सरकार के इस कदम को प्रधानमंत्री के वैश्विक बैंकिंग लक्ष्य से जोड़कर देखा जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारतीय बैंकों की आकार, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, तकनीकी क्षमता, वित्तीय समावेशन और वैश्विक पहुंच बढ़ाने पर जोर रहने की संभावना है। इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय के जरिए बड़े बैंक तैयार करने की दिशा में कदम उठाए गए थे। अब प्रस्तावित कमेटी के जरिए बैंकिंग क्षेत्र की दीर्घकालिक जरूरतों और सुधारों का व्यापक खाका तैयार किए जाने की उम्मीद है।

होटल में आग, 8 की मौत, 9 झुलसे

बीरभूम (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से ८ लोगों की मौत हो गई, जबकि ९ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के स्क विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से २२ लोगों को बाहर निकाला, जबकि ११ लोगों को अस्पताल भेजा गया।

मुंबई के आयकर भवन के बेसमेंट में लगी आग

मुंबई (ईएमएस): मुंबई के चर्चगेट इलाके में स्थित आयकर भवन की सात मंजिला इमारत के बेसमेंट में सोमवार दोपहर आग लग गई। आग की सूचना करीब २:०१ बजे दमकल विभाग को मिली। घटना के बाद इमारत की ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान शुरू किया गया।

मीडिया रिपोर्ट में दमकल टीम के सूत्रों से बताया जा रहा है, आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियों समेत कई फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों के साथ पुलिस, बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट), एंबुलेंस और नगर निगम की टीमें भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं।

उज्जैन महाकाल परिसर में भगदड़ जैसे हालात, 13 घायल

उज्जैन (ईएमएस): उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को नागपंचमी के मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे करीब १३ श्रद्धालु घायल हुए और कई बेहोश हो गए। बताया जा रहा है कि यह घटना करंट फैलने की अफवाह के बाद हुई, जब लोग जान बचाने के लिए एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश घायलों को छुट्टी दे दी गई, जबकि तीन का उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार, महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब ४० हजार श्रद्धालु कतार में थे, जबकि अब तक ५.५ लाख से अधिक दर्शनार्थी नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन कर चुके थे। यह मंदिर वर्ष में केवल एक बार नागपंचमी के दिन ही २४ घंटे के लिए खुलता है।

घायलों ने भीड़ प्रबंधन में गंभीर लापरवाही और समय पर मदद न मिलने का आरोप लगाया है। एक घायल श्रद्धालु ने बताया कि घंटों कतार में रहने के बाद अचानक बैरिकेड हटा दिए गए, जिससे भगदड़ मच गई। टेंट और बैरिकेड गिरने से उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने ३०० रुपये की रसीद पर वीआईपी दर्शनों को प्राथमिकता देने और एंट्री जारी रहने पर सवाल उठाए, जबकि आम श्रद्धालु घंटों तक रुके रहे।

चंबा में बादल फटा, लोहे का पुल बहा

मंदिर जा रहे 40-50 श्रद्धालु रास्ते में फंसे

चंबा (ईएमएस): हिमाचल प्रदेश में चंबा जिले के भरमौर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बलोठ के ८४ चला में बादल फटने के बाद आए भारी सैलाब से लोहे का पुल बह गया। तेज बहाव के कारण श्रद्धालुओं के पैदल आवागमन के लिए बनी सडक़ भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मार्ग और पुल के क्षतिग्रस्त होने से मां भगवती खुंढी वाली के

दर्शनों के लिए जा रहे करीब ४० से ५० श्रद्धालु बीच रास्ते में ही फंस गए। गनीमत रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि इन दिनों इसी रास्ते से होकर सैकड़ों श्रद्धालु मां भगवती खुंढी वाली मंदिर के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। मंगलवार को ज्येष्ठ मंगलवार के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा माता के डल झील में पवित्र स्नान करने की भी परंपरा है। इसके चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने की संभावना रहती है। श्रद्धालु करीब ३५ से ४० किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर मंदिर तक पहुंचते हैं।

पूर्व प्रधान पवन शर्मा ने बताया कि ▶▶ 8

आईएसआई एजेंट का साथी एसटीएफ के हत्थे चढ़ा

फर्जी पासपोर्ट मामले में पकड़ा गया इमरान

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सोमवार को कथित पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव राणा रऊफ के एक साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान इमरान के रूप में हुई है। उसे कोलकाता के टॉपसिया इलाके में स्थित एक फ्लैट से पकड़ा गया। एसटीएफ अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि इमरान ने राणा रऊफ को भारतीय पासपोर्ट हासिल करने की कोशिश में मदद की थी। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। राणा रऊफ को इससे पहले कोलकाता से संचालित कथित जासूसी नेटवर्क के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, राणा रऊफ से जुड़े जासूसी नेटवर्क की जांच के दौरान इमरान की भूमिका सामने आई। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित नेटवर्क में उसकी भूमिका कितनी व्यापक थी और उसने अन्य किन लोगों के साथ संपर्क किया था। एसटीएफ गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान कथित जासूसी नेटवर्क, फर्जी दस्तावेजों और पासपोर्ट हासिल करने की कोशिश से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी मिल सकती है। मामले में आगे की जांच जारी है।

7 महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान, स्मृति की वापसी; अमित मालवीय की छुट्टी

लाल सिंह आर्य समेत मप्र के छह नेताओं को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस): ७ महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा हो गई है। वसुंधरा राजे को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नितिन नबीन की नई टीम में ८ महासचिव बनाए गए हैं। अनिल बलूनी पहले की तरह मीडिया इंचार्ज पद पर बने रहेंगे। इसी तरह बीएल संतोष के पास भी संगठन महासचिव का पद पहले की तरह यथावत रहेगा। वहीं आईटी सेल हेड अमित मालवीय की छुट्टी हो गई है। वे लंबे वक्त से बीजेपी संगठन में आईटी सेल के हेड थे। मालवीय की जगह दीपक महस्के

को सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं नितिन की नई टीम में मध्य प्रदेश के ६ नेताओं को भी जगह मिली है। मध्य प्रदेश के लाल सिंह आर्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गजेंद्र पटेल को राष्ट्रीय महामंत्री, कविता पाटीदार को राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वीडी शर्मा को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। वहीं आशीष अग्रवाल को राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है।

नितिन नबीन की नई टीम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को भी जगह मिली है। उन्हें राजेश अग्रवाल की जगह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजेश मंगल को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया है। तरुण चुग मुख्यालय प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

नितिन की टीम में कौन-कौन

उपाध्यक्ष- वसुंधरा राजे, राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांड्या, रेखा वर्मा, डी पुरंदेश्वरी, भारती पवार, मनप्रीत बादल, वी नरेंद्र भाई दोषी, लाल सिंह आर्या, एम नागराज, तारिक मंसूर ▶▶ 8

एलपीजी ई-केवाईसी की डेडलाइन बढ़कर 23 तक हुई

नई दिल्ली (ईएमएस): गैस सिलेंडर की ई-केवासी कराने की डेडलाइन को एक हफ्ते के लिए १६ अगस्त से बढ़ाकर २३ अगस्त कर दिया गया है। हालांकि, तकनीकी दिक्कतों के कारण करोड़ों उपभोक्ताओं की परेशानी कम नहीं हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर में आ रही दिक्कतों की वजह से यह पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। डेडलाइन बढऩे के बावजूद एलपीजी डीलरशिप पर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। सर्वर डाउन होने से काउंटर्स पर काम रुका हुआ है, जिससे लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं।

कावेरी जल विवाद: सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते के लिए सुनवाई टली

अब 24 को होगी मामले पर सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कावेरी जल विवाद से जुड़ी अहम याचिका पर सुनवाई एक हफ्ते के लिए टाल दी। यह याचिका तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर की गई थी, जिसमें कर्नाटक से उसके हिस्से का कावेरी जल तुरंत जारी करने की मांग की गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने ३ अगस्त को मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। पहले अदालत ने १७ अगस्त को सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन अब यह मामला २४ अगस्त को फिर से उठाया जाएगा।

अपनी याचिका में तमिलनाडु सरकार ने दावा किया है कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्लयू आरसी) द्वारा राज्य के लिए तय पानी की मात्रा और कर्नाटक द्वारा छोड़े गए पानी, दोनों ही काफी कम हैं। २८ जुलाई को सीडब्लयूआरसी ने कर्नाटक को २९ जुलाई से १५ दिनों के लिए प्रतिदिन ३,५०० क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। हालांकि, तमिलनाडु के मुताबिक, २९ जुलाई से २ अगस्त के बीच बिलिगुंडुलु में पानी का प्रवाह केवल १५८ से ५५० क्यूसेक के बीच ही रहा। ३ अगस्त तक ▶▶ 8

जयपुर एयरपोर्ट पर एनसीसी विमान दुर्घटनाग्रस्त, ग्राउंड वाहन से टक्कर

जयपुर (ईएमएस): जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब भारतीय राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का एक माइक्रोलाइट विमान उड़ान भरने की तैयारी में रनवे की ओर टैक्सी करते समय एक ग्राउंड हैंडलिंग वाहन से टकरा गया। गनीमत रही कि विमान में सवार पायलट विंग कमांडर और ट्रेनी एनसीसी कैडेट दोनों पूरी तरह सुरक्षित बच गए, हालांकि विमान को काफी नुकसान हुआ।

यह घटना सुबह करीब ९ बजे की है। एनसीसी का यह प्रशिक्षण विमान अपने हैंगर से निकलकर हवाई पट्टी पर जाने के लिए टैक्सी कर रहा था। यह रूटीन ट्रेनिंग उड़ान का हिस्सा था, जिसमें विंग कमांडर एक कैडेट को प्रशिक्षण दे रहे थे। तभी एयरपोर्ट परिसर में इंडोथाई नामक ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी का एक वाहन भी मूव कर रहा था और अज्ञात कारणों से माइक्रोलाइट विमान को टक्कर मार दी। टकराव के बाद एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल राहत कार्य शुरू कर विमान और वाहन को सुरक्षित हटाया गया तथा संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया। विमान अब तकनीकी जांच के बाद ही फिर उड़ान भर सकेगा।

इस हादसे ने एयरपोर्ट ऑपरेशंस कंट्रोल ▶▶ 8

पॉक्सो एक्ट के आरोपी दारोगा अनुप कुमार को गिरफ्तार करवाएं एसएसपी:रानी देवी

नाबालिग लड़की के शारीरिक शोषण करने वाले के साथ दारोगा अनुप की मिलीभगत

धनबाद (कासं): जोरापोखर थाना के दारोगा अनुप कुमार के विरूद्ध उन्हीं के थाने में मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के निर्देश पर पॉक्सो एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है।

जोरापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने जोरापोखर थाना कांड संख्या ९०/२०२६ दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जोरापोखर के दारोगा अनुप कुमार पर नाबालिग लड़की को शोषण करने और अवैध ढंग से लिलौरी मंदिर कतरास में शादी आरोपी रमेश यादव और अन्य के साथ मिलकर नाबालिग लड़की के साथ शोषण करने का मामला

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के आदेश पर जोरापोखर थाना प्रभारी ने किया दारोगा पर एफआईआर

अब तुल पकड़ लिया है।

इस मामले को पूर्व में जोरापोखर पुलिस से शिकायत पीड़ित नाबालिग लड़की की मां रानी ने किया था लेकिन दारोगा अनुप कुमार आरोपियों से मिलकर पीड़िता के विरूद्ध षडयंत्र कर उसका शोषण करने का आरोप उसकी मां ने लगाते हुए मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी धनबाद के न्यायालय में सी.पी. केस दायर किया था जिस पर सीजेएम ने संज्ञान लेते हुए जोरापोखर थाना को एफआईआर करने का निर्देश दिया था जिस पर जोरापोखर थाना प्रभारी ने पॉक्सो एक्ट तथा कई गंभीर धारा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूरे समाज में दारोगा अनुप कुमार की चर्चा हो रही है। वहीं नाबालिग पीड़िता की मां ने एसएसपी प्रभात कुमार से पॉक्सो एक्ट के नामजद अभियुक्त दारोगा अनुप कुमार को गिरफ्तार कर पीड़िता के साथ न्याय देने की मांग की है। पीड़िता की मां ने कहा है कि दारोगा अनुप कुमार अन्य पुलिसकर्मी और अपराधियों के साथ मिलकर धमका रहा है और केस वापस लेने का दवाब बना रहा है।

संपादकीय | क्या महज औपचारिकता बन गया है सदन?

जिस तरह जनहित से जुड़े मामलों पर विधेयकों को बिना बहस या चर्चा के ही पारित कर दिए जाने की परंपरा चल पड़ी है, उसका सीधा असर जनता के अधिकारों और लोकतंत्र की सेहत पर पड़ेगा।

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनहित से जुड़े मुद्दों पर बहस का सर्वोच्च मंच होता है, तो ऐसे में सरकार और विपक्ष की जिम्मेदारी हो जाती है कि वे इसकी उपयोगिता और महत्त्व को कायम रखें। विडंबना यह है कि जब भी संसद का सत्र शुरू होता है, किसी न किसी मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच असहमति एक टकराव में तब्दील हो जाती है और दोनों सदनों का ज्यादातर समय बेकार चला जाता है।

एक ओर विपक्षी पार्टियां सरकार से किसी मुद्दे पर जवाब की मांग करती हैं, तो दूसरी ओर सरकार आमतौर पर ऐसी मांगों की अनदेखी करने का रुख अख्तियार कर लेती है। नतीजतन, हंगामे और सदन को स्थगित किए जाने के समांतर विपक्ष के बहिर्गमन के बीच संसद की कार्यवाही महज औपचारिकता बन कर रह जाती है। जबकि इसी बीच सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक ऐसे मसलों पर तैयार विधेयकों को भी बिना चर्चा के पारित करा लेती है, जिन पर विपक्षी दलों के विचार और व्यापक बहस की जरूरत होती है। इस सत्र में कई विधेयकों को पारित करने में इतना कम वक्त लगा, मानो उसके लिए महज औपचारिकता निभाई गई हो। सवाल है कि इस तरह की स्थितियों में संसद और लोकतंत्र की क्या अहमियत रह जाती है। मानसून सत्र के तीन सप्ताह जिस तरह सिर्फ हंगामे और विपक्ष के बहिर्गमन के दौरान बार-बार स्थगित होते हुए गुजर गए, उससे एक

बार फिर यह सवाल उठा है कि क्या संसद को अब सिर्फ दिखावे का ठिकाना मान लिया गया है! वरना क्या वजह है कि एक ओर विपक्षी दलों की ओर से पूरे सत्र के दौरान नीट प्रश्नपत्र लीक, राम मंदिर दान राशि में कथित गड़बड़ी और विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार को घेरा गया, संबंधित और जिम्मेदार मंत्रियों से जवाबदेही की मांग की गई, वहीं सरकार ने इन मसलों पर एक विचित्र चुप्पी ओढ़े रखी।

खासतौर पर दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बेरहमी और पैलेट गन चलाने के सवाल पर विपक्ष ने जवाब मांगा, लेकिन गृह मंत्री ने आखिरी दिन इसे लेकर थोड़ी सक्रियता दिखाई, जो प्रकारांतर से बेमानी साबित हुई। अगर यही रुख पहले जाहिर किया गया होता, तो संभव है कि संसद में कुछ मुद्दों और पेश किए गए विधेयकों पर बहस की गुंजाइश निकल पाती। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अलग-अलग मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध कायम रहने की वजह से कार्य उत्पादकता लोकसभा में महज उन्नीस फीसद और राज्यसभा में उनतालीस फीसद रही। अब इस बात पर चिंता जताने में शायद सभी दल शामिल होंगे कि संसद की कार्यवाही नहीं चलने की वजह से करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए। यह समझना मुश्किल है कि संसद की कार्यवाही के दौरान मुद्दों पर मत-विरोध उभरने, सदन स्थगित किए जाने या विपक्ष के बहिर्गमन के तमाम उदाहरण सामने रहते हुए भी सरकार की ओर से कोई ऐसी पहल नहीं दिखती कि वह सत्र की शुरुआत से पहले सभी विपक्षी दलों को विश्वास में ले और जरूरी मुद्दों पर चर्चा सुनिश्चित करे। जिस तरह जनहित से जुड़े मामलों पर विधेयकों को बिना बहस या चर्चा के ही पारित कर दिए जाने की परंपरा चल पड़ी है, उसका सीधा असर जनता के अधिकारों और लोकतंत्र की सेहत पर पड़ेगा।

शिक्षिका ने 10 छात्राओं को बेंत से पीटा

विद्यालयों में किसी भी स्थिति में शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने को शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन माना गया है। फिर भी यह बात वरिष्ठ शिक्षिका भूल गईं। देशभर में स्कूली बच्चों को शारीरिक दंड देने पर कड़ी पाबंदी है। बावजूद इसके आए दिन राज्यों से ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिनसे लगता है कि शिक्षकों को न तो अपने दायित्व का बोध है, न शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 (एक) की फिक्र। विद्यालयों में शिक्षक आज भी विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने से बाज नहीं आ रहे। बीती बीस जुलाई को तमिलनाडु के तेनकासी जिले के एक सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा की छात्राओं के साथ जो बर्ताव किया गया, वह उनके लिए एक बुरे सपने की तरह था। खबरों के मुताबिक आरोपी शिक्षिका ने दस छात्राओं को बेंत से इस कदर पीटा कि उनके हाथों में गंभीर चोटें आईं और वे परीक्षा देने में भी असमर्थ हो गईं। दरअसल, शिक्षिका ग्यारहवीं कक्षा को पढ़ा रही थीं, तभी बगल की दसवीं कक्षा में शोरगुल से वे इतनी नाराज हो गईं कि उन्होंने कक्षा में जाकर छात्राओं को बुरी तरह पीटा। इस दौरान उन्होंने शिक्षण और स्कूल परिसर के सभी नियमों को ताक पर रख दिया। गौरतलब है कि विद्यालयों में किसी भी स्थिति में शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने को शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन माना गया है। फिर भी यह बात वरिष्ठ शिक्षिका कैसे भूल गईं? जब वे खुद इस अधिनियम का पालन नहीं कर रहीं, तो विद्यालय का परिवेश बच्चों के लिए कैसा होगा? पीड़ित छात्राओं में से एक छात्रा की मां की शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज किया। बेंत से जख्मी हुई छात्राओं को चिकित्सा सहायता दी गई, लेकिन सवाल यह है कि छात्राओं के मन-मस्तिष्क पर लगे जख्म कैसे भरेंगे। आमतौर पर देखा गया है कि विद्यार्थियों पर पिटाई का न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्तर पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

आज का कार्टून

तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता

तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब का मक्का रक्षा समझौता साझा सुरक्षा की जगह उनके अलग-अलग तात्कालिक स्वार्थों पर आधारित है। रणनीतिक विरोधाभासों और कमजोर आधार के कारण इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा। बहुस्तरीय गठबंधन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता तो रखते हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दीर्घकालीन होता है, जब उनके पीछे साझा रणनीतिक दृष्टि, पारदर्शिता, प्रतिबद्धता और स्थायी हित हों।

केवल तात्कालिक स्वार्थों पर आधारित गठबंधन अक्सर बदलती परिस्थितियों के साथ कमजोर पड़ जाते हैं। मक्का में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुआ संयुक्त रक्षा समझौता इस संदर्भ में महत्त्वपूर्ण है। इसका मूल सिद्धांत है कि तीनों में से किसी एक देश पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। पहली नजर में यह इस्लामिक दुनिया में सामूहिक सुरक्षा की नई शुरुआत जैसा दिखाई देता है, लेकिन इसकी वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसके केंद्र में पाकिस्तान की सुरक्षा बेचैनी, तुर्की की बढ़ती रणनीतिक महत्त्वाकांक्षा और सऊदी अरब की सुरक्षा चिंताएं नजर आती हैं। इस नए समीकरण में तीन देशों की अलग-अलग जरूरतें दिखाई देती हैं। तुर्की दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। ईरान के खिलाफ सऊदी अरब सुरक्षा चाहता है, जबकि वित्तीय बदहाली से जूझते पाकिस्तान को आर्थिक सहारे की जरूरत है। यही तीनों जरूरतें इन्हें इस समय एक-दूसरे से जोड़ रही हैं।

तुर्की को केवल एक मुसलिम देश के रूप में देखना उसकी विदेश नीति को समझने में बड़ी भूल होगी। वह नाटो का सदस्य है और यूरोप का हिस्सा है, रूस के साथ रणनीतिक संबंध रखता है और ईरान से प्रतिस्पर्धा एवं सहयोग भी करता है। वह अरब दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में है तथा मध्य एशिया में अपने राष्ट्रवाद की सांस्कृतिक शक्ति का इस्तेमाल करता है।

तुर्की के राष्ट्रप्रमुख एर्दोआन रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं, वे किसी एक शक्ति के पीछे चलने को तैयार नहीं हैं। तुर्की, अमेरिका से संबंध रखता है, लेकिन उस पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह रूस से व्यापार करता है, लेकिन उसके प्रभाव के अधीन नहीं होना चाहता। वह अरब देशों से प्रतिस्पर्धा करता है, लेकिन उन्हीं देशों की पूंजी और बाजार भी चाहता है।

यह भी दिलचस्प है की तुर्की और सऊदी अरब की प्रतिद्वंद्विता को दुनिया ने देखा है, वे मध्य-पूर्व में एक-दूसरे के प्रभाव को चुनौती देते रहे हैं। 'मुसलिम ब्रदरहुड' को लेकर दोनों के बीच गहरी खाई रही है। सीरिया और मिस्र की राजनीति में दोनों के रास्ते अलग थे। कतर संकट में भी तुर्की ने दोहा का साथ दिया, जबकि रियाद उसके विरोध में खड़ा था। तुर्की में बेरोजगारी बड़ा मसला है और अब वह सऊदी अरब में रणनीतिक अवसर ढूंढ़ रहा है।

वह सऊदी अरब को हथियार बेचना चाहता है और वहां से व्यापक निवेश की इच्छा रखता है। इसलिए इस उभरते सुरक्षा समीकरण को अभी नाटो जैसी संस्थागत सैन्य व्यवस्था का नाम देना सही नहीं है। नाटो की ताकत केवल उसके सदस्य देशों की सैन्य क्षमता में नहीं, बल्कि साझा संस्थाओं, एकीकृत कमान संरचना, नियमित सैन्य सहयोग, स्पष्ट दायित्वों और दशकों में विकसित सामूहिक सुरक्षा की राजनीतिक प्रतिबद्धता में है।

सऊदी अरब के पास पैसा है, ऊर्जा है, धार्मिक प्रतिष्ठा है और अरब दुनिया में प्रभाव भी है। मगर स्वतंत्र सैन्य सुरक्षा क्षमता उसके लिए बड़ी चुनौती है और वहां का नेतृत्व अब इस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। इराक युद्ध, यमन संघर्ष, ड्रोन हमले और ईरान के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने सऊदी अरब को गहरी चिंता में डाल दिया है। सऊदी अरब अब तेल के साम्राज्य से आगे बढ़कर पूंजी, तकनीक, धर्म और रणनीतिक शक्ति के सहारे एक

निर्णायक क्षेत्रीय शक्ति बनना चाहता है।

उसने अमेरिका से संबंध रखते हुए चीन के साथ आर्थिक तालमेल बढ़ाया है और रूस से भी उसे कोई परहेज नहीं है। उसने तुर्की और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग मजबूत कर ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश की है। तुर्किये का सपना है कि वह फिर से मध्य-पूर्व की निर्णायक शक्ति बने। वहीं पाकिस्तान चाहता है कि उसकी सैन्य शक्ति और परमाणु क्षमता उसे मुसलिम दुनिया और दक्षिण एशिया में अधिक रणनीतिक महत्त्व दिलाए तथा उसकी आर्थिक कमजोरियों को खाड़ी देशों की पूंजी और साझेदारियों से सहारा मिले। मगर इन तीनों देशों के समझौते की वास्तविक मजबूती अभी भविष्य के संकटों में परखी जानी बाकी है। विरोधाभासों और आंतरिक चुनौतियों से घिरा पाकिस्तान अपनी विदेश नीति में बार-बार बाहरी शक्तियों का सहारा तलाशता रहा है। शीतयुद्ध के दौर में वह अमेरिका की रणनीतिक जरूरतों का महत्त्वपूर्ण सैन्य साझेदार बना और बदले में उसे आर्थिक सहायता, हथियार एवं सुरक्षा सहयोग मिला। मगर इस साझेदारी की कीमत भी पाकिस्तान को चुकानी पड़ी। अफगान युद्ध, कट्टरपंथ, आतंकवाद और आंतरिक अस्थिरता ने धीरे-धीरे उसके सामाजिक और सुरक्षा ढांचे को प्रभावित किया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि उसकी विदेश नीति अक्सर आंतरिक कमजोरी की भरपाई बाहरी गठबंधनों के सहारे करने की कोशिश करती दिखाई देती है। अमेरिका के बाद चीन, खाड़ी देशों और अब तुर्किये के साथ उसकी बढ़ती निकटता इसी प्रवृत्ति का हिस्सा है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता भारत है। अफगानिस्तान उसकी पश्चिमी सीमा पर चुनौती है। चीन उसका सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार बाहरी सहायता और निवेश की तलाश में रहती है। धार्मिक विचारधारा से परे तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब का सबसे दिलचस्प पक्ष 'मुसलिम ब्रदरहुड' है। हालांकि, इस मामले में तुर्किये और सऊदी अरब का दृष्टिकोण कभी एक जैसा नहीं रहा।

तुर्की ने 'मुसलिम ब्रदरहुड' से जुड़े राजनीतिक समूहों के साथ सहानुभूति दिखाई, जबकि सऊदी ने उसे अपने लिए राजनीतिक खतरा माना। ऐसे में जाहिर है यह गठबंधन धार्मिक विचारधारा पर नहीं बना है। अगर 'मुसलिम ब्रदरहुड' वास्तव में इस गठबंधन की वैचारिक आधारशिला होता, तो तुर्की और सऊदी अरब एक साथ खड़े नहीं होते।

इसलिए इस गठबंधन का वास्तविक आधार इस्लाम नहीं, बल्कि अपने-अपने स्वार्थ हैं। सऊदी अरब की ईरान से पुरानी प्रतिस्पर्धा है। तुर्की और ईरान मध्य-पूर्व में प्रभाव के लिए एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी भी हैं। पाकिस्तान, ईरान से सीमा साझा करता है और किसी भी संघर्ष के दौरान सबसे कठिन स्थिति में आ सकता है। इसलिए इस नए गठबंधन के पीछे ईरान की छाया को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस गठबंधन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तीनों देशों की रणनीतिक प्राथमिकताएं अलग हैं। सऊदी अरब की मुख्य चिंता ईरान और खाड़ी की सुरक्षा है, जबकि पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत और दक्षिण एशिया है। तुर्किये के हित मध्य-पूर्व से आगे काकेशस, भूमध्यसागर, रूस और नाटो तक फैले हैं। ऐसे में किसी संकट की स्थिति में तीनों देशों की प्राथमिकताएं एक जैसी रहेंगी, यह निश्चित नहीं है।

इस गठबंधन की असली ताकत समझौते पर हस्ताक्षर में नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की क्षमता से तय होगी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका और भारत-सऊदी अरब के बीच ऊर्जा, निवेश, व्यापार तथा रणनीतिक संबंधों की मजबूती से पता चलता है कि इस गठबंधन की सीमाएं स्पष्ट है। संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हित साझा सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ सकते हैं।

सऊदी अरब की मुख्य चिंता ईरान और खाड़ी की सुरक्षा है, जबकि पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत और दक्षिण एशिया है। तुर्किये के हित मध्य-पूर्व से आगे काकेशस, भूमध्यसागर, रूस और नाटो तक फैले हैं। ऐसे में किसी संकट की स्थिति में तीनों देशों की प्राथमिकताएं एक जैसी रहेंगी, यह निश्चित नहीं है। इस गठबंधन की असली ताकत एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की क्षमता से तय होगी।

अमेरिका ने भारत समेत दुनिया के 40 से ज्यादा देशों की एक लिस्ट बनाई है, और उन पर चीन को भारी अमेरिकी टैरिफ से बचने में मदद करने वाले एक गुप्त नेटवर्क में शामिल होने का आरोप लगाया है। पीटीआई की रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका के अधिकारियों ने ऐसे शिपमेंट का पता लगाने और उन पर कार्रवाई करने के लिए ढ्ढ का उपयोग करने की योजना भी बताई है

आजादी के 8 दशक बाद भी बदहाल सरकारी स्कूल

स्वतंत्रता दिवस जब भी पास आता है, मुझे एक चीज बहुत तकलीफ देती है। वह है छोटे बच्चों को तिरंगा बेचते हुए देख कर जो दिल्ली और मुंबई की ट्रैफिक बत्तियों पर खड़े दिखते हैं। इन बच्चों के चेहरों पर थकावट नजर आती है, अक्सर इन बच्चों के बाल बेरंग होते हैं कुपोषण की वजह से। अक्सर नंगे पांव होते हैं और इनके कपड़े दर्शाते हैं। इनके माता-पिता की गरीबी। कई बार बच्चे इतने छोटे होते हैं कि उनके हाथ गाड़ी की खिड़की तक नहीं पहुंचते हैं, कई बार बारिश से भीगे होते हैं वे तिरंगे झंडे, जिन्हें बेचने की कोशिश में रहते हैं।

तवलीन सिंह

मैं हमेशा उनसे ज्यादा पैसों में खरीद लेती हूं तिरंगे, यह जानते हुए कि उनसे कोई या तो बड़ा भाई छीन लेने वाला है पैसे या कोई और। इन बच्चों में हर साल दिखती है मुझे अपने देश की शर्मनाक कहानी। बहुत अच्छा लगा जब इस साल काकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने वीडियो डाला इंस्टाग्राम पर यह कहते हुए कि इन बच्चों को सड़कों पर नहीं, स्कूलों में होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देश भर में शुरू कर रही है अभियान ग्रामीण स्कूलों को सुधारने के लिए। इतना बड़ा अभियान सफल होगा कि नहीं मैं नहीं जानती, लेकिन इतना जानती हूं कि हमारे राजनेताओं में थोड़ी भी शर्म होती, तो इस अभियान को उन्होंने बहुत पहले शुरू किया होता। देशभक्ति के उनके नारे खोखले लगते हैं जब साफ जाहिर है कि भारत माता का हाल इतना बुरा है कि हम अपने बच्चों को ठीक से पढ़ा भी नहीं सकते हैं स्वतंत्रता के करीब आठ दशक बाद। ग्रामीण स्कूल अकेले नहीं हैं जो बिल्कुल बेहाल हैं। महानगरों की झुग्गी बस्तियों के स्कूलों में झांक कर देखिए, तो उनकी कक्षाओं में भी आप पाएंगे टूटी पुरानी दीवारें और मेज कुर्सियां अगर मेज कुर्सियां होती भी हैं। ऊपर से अगर आप दो मिनट इन स्कूलों के

शिक्षकों से बात करने की तकलीफ करते हैं, तो स्पष्ट हो जाएगा बहुत जल्दी कि सुधार लाना है अगर शिक्षा में, तो पहला काम होना चाहिए इन शिक्षकों का प्रशिक्षण। इसके लिए जरूरत है लाखों प्रशिक्षण केंद्रों की जिसकी बात अभी तक एक भी आला नेता नहीं कर रहा है। मोदी भक्त और भाजपा के प्रवक्ता सीना चौड़ा करके याद दिलाते फिरते हैं कि मोदी ही हैं जिन्होंने 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे कार्यक्रम शुरू किए। कभी इस टीवी प्रोग्राम पर ध्यान दीजिए अगर, तो फौरन दिखेगा आपको कि जिन बच्चों का मैंने जिक्र करके इस लेख को शुरू किया है, उनका नामोनिशान नहीं दिखेगा प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में। दिखेंगे आपको ऐसे बच्चे जिनकी वर्दियां साफ-सुथरी होती हैं और जिनके पांव में जूते होते हैं। बिल्कुल ऐसे ही बच्चे आपको दिखेंगे श्रोताओं में जब लाल किले के प्राचीर से प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर भाषण देते हैं। एक पूर्व मोदी भक्त होने के नाते अपनी सफाई में कहना चाहती हूं कि मेरी भक्ति तब शुरू हुई थी, जब लाल किले से मोदी ने अपने पहले भाषण में स्वच्छ भारत योजना का एलान किया था। जब उस प्राचीर से उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलंद किया था और उस प्राचीर से उन्होंने अपने सांसदों और विधायकों को नसीहत दी थी कि अपने चुनाव क्षेत्रों में जब वापस लौटेंगे, तो कम से कम दो गांव चुन कर उनको आदर्श गांव बनाने की कोशिश करें। यानी ऐसे गांव जिन में शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री ने वाराणसी के देहात में जिस गांव को 'माडल' बनाया, उसको मैंने देखा 2019 में आम चुनाव के दौरान। यकीन मानिए हैरान रह गई थी मैं, जब देखा कि इस गांव में अच्छे स्कूलों के अलावा अच्छी सड़कें थीं, बिजली-पानी की पूरी सुविधा थी और दो बैंक भी थे। मगर क्या प्रधानमंत्री ने अभी तक देखा नहीं है कि उनके अलावा शायद ही कोई मंत्री या सांसद होगा उनकी पार्टी में जिसने अपने चुनाव क्षेत्र में थोड़ी भी कोशिश की है कभी इस तरह के सुधार लाने की? क्या प्रधानमंत्री ने कभी गौर किया है कि उनके आसपास के जो नेता हैं उनको सिर्फ अपने परिवार की ही चिंता रहती है? ध्यान दिया होता बहुत पहले, तो आज यह हाल न होता कि देश के बच्चे उन बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं जो उनका हक है। जंतर मंतर के प्रदर्शन के बाद जगह-जगह दिखे हैं जेन-जी के अलावा जेन-अल्फा बच्चे जो अपने स्कूलों के बाहर सड़कों पर निकल कर याद दिलाते हैं कि उनके स्कूल में न शिक्षक हैं न शौचालय, न पीने का साफ पानी और न कोई और बुनियादी सुविधा। काकरोच जनता पार्टी न जन्म लेती, तो देश में किसी भी राज्य में इन बच्चों की आवाज कोई नहीं उठाता। दोष हम मीडिया वालों का भी है इसलिए कि जब से ये प्रदर्शन शुरू हुए हैं शिक्षा की मांगों को लेकर, हमने सिर्फ इसके पीछे राजनीति पर ही ध्यान दिया है। पिछले सप्ताह मुझे एक टीवी चर्चा में बुलाया था एक अंग्रेजी चैनल ने और मुझे दुख हुआ यह देखकर कि एंकर की खोजी पत्रकारिता सिर्फ यहां तक थी कि वह किसी तरह साबित करे कि राहुल गांधी ने रांची वाले प्रदर्शन पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि झारखंड सरकार में कांग्रेस के भी मंत्री हैं। क्या यह सबसे बड़ा मुद्दा है इस वक्त? राजनीति की बातें हमको छोड़ देनी चाहिए राजनीतिकों के लिए। हम मीडियावालों को बातें करनी चाहिए सिर्फ इस पर कि भारत के सरकारी स्कूलों का इतना बुरा हाल क्यों है? असली स्वतंत्रता दिवस तब आएगा, जब शहरों की सड़कों पर नहीं दिखेंगे बेहाल और भूखे बच्चे अपने नन्हे हाथों में तिरंगा लिए हुए। गुरुवार को संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। आखिरी दिनों तक वही तस्वीर बनी रही जो पिछले डेढ़ दशक से हर सत्र की पहचान बन चुकी है यानी हंगामा, स्थगन, और जल्दबाजी में पारित होते विधेयक। सत्र के अंतिम चरण में एफसीआरए संशोधन विधेयक को लेकर सदन में तीखी बहस हुई। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की, और अंततः शोर-शराबे के बीच सदन ने ध्वनि मत से इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की मंजूरी दी।

साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान, जागरूकता पुस्तक का विमोचन

धनबाद (कासं) : साइबर अपराध के बढ़ते खतरे के बीच धनबाद पुलिस ने आम लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता

अभियान की शुरुआत की। पुलिस केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ यह विशेष अभियान १७ से २१ अगस्त तक चलेगा। अभियान के दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न माध्यमों से लोगों को साइबर अपराध के तौरतरीकों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से धनबाद पुलिस द्वारा तैयार की गई विशेष जागरूकता पुस्तक का विमोचन उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस पुस्तक को आम लोगों के साथसाथ स्कूली बच्चों के बीच साइबर सुरक्षा की समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। कॉमिक के तर्ज पर तैयार की गई यह पुस्तक युवाओं, महलाओ खासकर बच्चो को काफी पसंद आ रही है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर डीएफओ विकास पालीवाल, रेल एसपी धनबाद मोमल राजपुरोहित, सिटी एसपी त्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, डालसा के सचिव मयंक तुषार टोपनो, धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, फेडरेशन ऑफ जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका एवं सचिव अजय नारायण लाल समेत जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौजूद थे। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलकॉलेजों के सैकड़ों छात्रछात्राएं और शिक्षक भी शामिल हुए। साइबर सुरक्षा पर आधारित जागरूकता पुस्तक के विमोचन के बाद एलईडी स्क्रीन से लैस दो प्रचार वाहनों को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में घूमकर वीडियो संदेशों के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौकचौराहों पर होर्डिंग और फ्लेक्स लगाए गए हैं। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

साइबर जागरूकता अभियान को व्यापक बनाने के लिए आइनॉक्स मल्टीप्लेक्स के बड़े स्क्रीन पर भी अगले एक महीने तक सभी शो के दौरान साइबर सुरक्षा से जुड़े वीडियो संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने धनबाद पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। उन्होंने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि धनबाद पुलिस द्वारा तैयार की गई साइबर जागरूकता पुस्तक जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को साइबर अपराध और उससे बचाव के बारे में जानकारी दी जा सके। सभी सरकारी विद्यालयों में एक साइबर मित्र नियुक्त करने की दिशा में भी पहल की जाएगी जो अन्य विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में योगदान देंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्कूलकॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर लोगों को साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए जाएंगे। एसएसपी ने कहा कि सभी सरकारी विद्यालयों में एक घंटे का विशेष साइबर जागरूकता सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा टाटा, एमपीएल और विभिन्न बैंकों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अभियान के तहत लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी, डिजिटल अरेस्ट, बैंकिंग फ्रॉड और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों के प्रति सतर्क किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चों ने साइबर अपराध को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने कहा कि वे अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों को साइबर अपराध के तरीकों तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी देकर जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम में कार्मेल स्कूल, डिनोबली स्कूल सीएमआरआई, डीएवी स्कूल कोयला नगर, केंद्रीय विद्यालय, पीके राय कॉलेज, बीएसएस महिला कॉलेज, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज, अभय सुंदरी बालिका उच्च विद्यालय, लॉ कॉलेज, राजकमल स्कूल, गुरु नानक कॉलेज, यूपीजी हाई स्कूल, बालिका आवासीय विद्यालय, धनबाद पब्लिक स्कूल, उत्क्रमित उच्च विद्यालय समेत कई शिक्षण संस्थानों के छात्रछात्राएं और शिक्षक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथियों ने भी साइबर अपराध की रोकथाम के लिए सामूहिक जागरूकता अभियान की आवश्यकता पर अपने विचार रखे और आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की। मंच का संचालन पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन साइबर डीएसपी प्रदीप कुमार साव ने किया।

हाईवा से टकराई तेज रफ्तार बाइक, युवक की मौत

बलियापुर (ससे) : बलियापुर थाना क्षेत्र में बीबीएम कॉलेज के पास तेज रफ्फतार बाइक सड़क किनारे खड़ी हाईवा से जा टकराई जिससे बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। हादसे में निरसा, डुमरिया निवासी बिपुल कुमार महतो के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कैंजे में लेकर पोस्टमार्टरम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। बलियापुर थाना क्षेत्र में हुई इस सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिपुल कुमार महतो अपनी बाइक से बलियापुर से सिंदरी की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसारको बाइक की स्पीड काफी तेज थी। जब वह बीबीएम कॉलेज के समीपवर्ती क्षेत्र में गया, तभी अचानक बाइक असंतुलित हो गई और सड़क किनारे एक भारी वाहन हाइवा से जा टकराराई।

होमगार्ड अभ्यर्थियों का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शुरू

धनबाद (कासं) : होमगार्ड बहाली के अंतर्गत चयनित पूर्वी टुण्डी के अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण-पत्रों का सत्यापन, चिकित्सीय जाँच, पुलिस चरित्र सत्यापन एवं बॉण्ड निष्पादन समाहरणालय में सुबह ११ बजे से शाम ५ बजे तक किया गया।

इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में निर्धारित तिथियों में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को १ सितंबर को मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थी आवेदन में प्रस्तुत सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियाँ, स्वअभिप्रमाणित छायाप्रतियाँ और पीछे नाम व रोल नंबर अंकित ४ पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो के साथ स्वयं उपस्थित होंगे। मंगलवार को टुण्डी और बलियापुर के अभ्यर्थियों का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जाएगा। मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए चार टीम बनाई गई है। साथ में एक मेडिकल टीम भी मौजूद है। उपायुक्त ने कहा कि फर्जी दस्तावेज़ या धोखाधड़ी का प्रयास करने पर झारखण्ड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, २०२३ एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), २०२३ के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन ने बिल्कुल पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर होमगार्ड बहाली की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई है। मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी उसी तरह से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया।

मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के दौरान होमगार्ड के कमांडेंट सूर्यकांत कुमार, मेडिकल टीम में डॉ अमन चिराग, डॉ एसके गुप्ता, सीएचओ विजाला कुमारी, एएनएम अनु कुमारी, अमर कुमार, व जांच टीम में नंद किशोर कुशवाहा, संतोष कुमार सुमन, मोहम्मद शाकिर अंसारी, चंदन कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

जलापूर्ति संकट पर विधायक राज ने माडा सचिव से की वार्ता

धनबाद (कासं) : धनबाद विधानसभा क्षेत्र में लगातार बनी जलापूर्ति समस्या को लेकर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने माडा कार्यालय पहुंचकर सचिव प्रकाश कुमार एवं संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंदुआ, करकेंद समेत विभिन्न इलाकों में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि गर्मी और उमस के बीच पेयजल लोगों की मूलभूत जरूरत है। जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र की जमीनी स्थिति की समीक्षा कर खराब पाइपलाइन, तकनीकी खराबी, मोटर और अन्य व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में जलापूर्ति बाधित है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए तत्काल पेयजल उपलब्ध कराया जाए और समस्या का समाधान युद्धस्तर पर किया जाए।

विधायक ने स्पष्ट किया कि धनबाद की जनता को पेयजल के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा और वे स्वयं भी जलापूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी करेंगे। विधायक की मांग पर सहमति जताते हुए माडा सचिव प्रकाश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में तत्काल काम शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने जलापूर्ति संकट को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर वार्ड पार्षद गोविंदा राउत, मीडिया प्रतिनिधि पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, राजेश गुप्ता, पीएचईडी/नगर निगम के कार्यपालक अभियंता मयंक कुमार भगत, अवर प्रमंडल पदाधिकारी कुसुंडा कृपा शंकर, अवर प्रमंडल पदाधिकारी सचिन कुमार झा, कनीय अभियंता आशुतोष राणा, जाकिर हुसैन समेत अन्य अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वॉलीबॉल कोच का प्रशिक्षण लेकर लौटे राकेश को भाजपा नेताओं ने दी बधाई

धनबाद/सिंदरी (कासं) : एलआईसी सिंदरी शाखा से जुड़े एवं जानेमाने वॉलीबॉल खिलाड़ी राकेश कुमार सिंह के आयरलैंड में आयोजित वॉलीबॉल के कोच का प्रशिक्षण लेकर लौटने पर सिंदरी सहित पूरे धनबाद एवं झारखंड के लिए गौरव का वातावरण है। श्री सिंह विगत २० जुलाई को आयरलैंड के लिए रवाना हुए थे और ३० जुलाई को वहां से विश्व स्तरीय कोच का प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस लौटे।

राकेश कुमार सिंह की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर भाजपा धनबाद जिला ग्रामीण के निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा, पूर्व सिंदरी मंडल अध्यक्ष विजय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता एवं मीडिया प्रभारी अमित सिंह ने उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भाजपा नेताओं ने कहा कि श्री सिंह ने अपनी खेल प्रतिभा और मेहनत के माध्यम से सिंदरी का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है और यह केवल सिंदरी ही नहीं, बल्कि पूरे धनबाद जिला एवं झारखंड प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

शहीद मनींद्र नाथ मंडल की जयंती मनी

धनबाद (कासं) : झारखंड आंदोलनकारी शहीद मनींद्र नाथ मंडल की ७७वीं जयंती मनाई गई। सरायढेला स्टील गेट स्थित शहीद स्मारक एवं समाधि स्थल पर झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के बीसीसीएल जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू सहित अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। शहीद मनींद्र नाथ मंडल के संघर्ष एवं योगदान को बताया गया। वक्ताओं ने झारखंड आंदोलन के संघर्षशील योद्धाओं के त्याग और योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा झारखंड की अस्मिता, अधिकार एवं सामाजिक न्याय के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जोनल अध्यक्ष उमाशंकर चौहान सहित विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भाजपाईयों ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

धनबाद (कासं) : धनबाद में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान को लेकर भाजपा ने

कांग्रेस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। रणधीर वर्मा चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का अपमान करना देश की भावनाओं का अपमान है और यह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश की संस्कृति और राष्ट्रभावना को ठेस पहुंचाई है। दरअसल, कांग्रेस कार्यालय में झंडोत्तोलन के दौरान वंदे मातरम बजाया जा रहा था। भाजपा का आरोप है कि इस दौरान बातचीत होती रही और वरिष्ठ नेताओं के इशारे के बाद गीत को पूरा होने से पहले ही रोक दिया गया।

सावन महोत्सव का आयोजन

धनबाद (कासं) : वनस्थली कॉलोनी, भुईफोड़, सरायढेला स्थित हरे कृष्णा अपार्टमेंट के प्रांगण में महिला समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। महोत्सव के दौरान महिला समिति की ओर से प्रतिभागियों के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। वहीं, सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला समिति की सदस्य कंचन, निशि, ज्योति, लक्ष्मी, ममता, नीलू, पिंकी, रागिनी, सुमन, रिंकी, शिखा, कल्पना एवं प्रीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सावन महोत्सव के सफल आयोजन में विश्वास दा, पाल दा, दास बाबू, पीयूष सरकार, सुमित केसरी, बृज बिहारी यादव, संजय मंडल का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान अपार्टमेंट परिसर में उत्सव और आपसी सौहार्द का माहौल बना रहा।

राजपूत बस्ती में गोफ बनने से दहशत

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह स्थित राजपूत बस्ती से चिंताजनक खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, लाल बहादुर सिंह के घर के पास अचानक गोफ बनने की सूचना मिली है। गोफ बनने के बाद वहां से गैस निकलने की बात सामने आ रही है, जिससे आसपास के लोगों में दहशत और चिंता का माहौल बना हुआ है।इलाके में पहले से ही भूमिगत कोयला खदान में आग और जमीन में पड़ रही दरारों को लेकर लोगों की चिंता बनी हुई थी। ऐसे में नई घटना ने स्थानीय लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे। हालांकि, ऐसी स्थिति में गोफ और गैस निकलने वाली जगह से सुरक्षित दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है। बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों को घटनास्थल के पास जाने से रोकने का पहल स्थानीय लोगों के द्वारा किया गया। अब लोगों की नजर प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम पर है कि मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच और सुरक्षा के लिए क्या तत्काल कदम उठाए जाते है।

बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों व वॉशरी डिवीजन में सतर्कता जागरूकता अभियान का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप १७ अगस्त से १६ नवंबर २०२६ तक चलने वाले तीन माह के सतर्कता जागरूकता त्रैमासिक अभियान-२०२६ का कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों एवं वॉशरी डिवीजन में औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह अभियान आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह२०२६ की पूर्व तैयारी के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसका आयोजन २६ अक्टूबर से १ नवंबर २०२६ तक 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' (च्तवइपजल वित च्तवेचमतपजल) विषय के साथ किया जाएगा।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर पश्चिमी झरिया, ब्लॉक२, पूर्वी झरिया, लोदना, पीबी, कतरास, कुसुंडा, सिजुआ, बस्ताकोला, सीवी क्षेत्र तथा वॉशरी डिवीजन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली तथा शपथ-पत्र/हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संबंधित क्षेत्रीय महाप्रबंधकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रमों में कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन निष्पक्षता, सतर्कता एवं निर्धारित नियमोंप्रक्रियाओं के अनुरूप करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि भ्रष्टाचारमुक्त एवं पारदर्शी कार्य संस्कृति के निर्माण में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सतर्कता केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी न होकर संगठन के प्रत्येक सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी है। दैनिक कार्यों में नियमों का पालन, निर्णयों में निष्पक्षता, जवाबदेही तथा अनियमितताओं के प्रति सजगता ही प्रभावी निवारक सतर्कता की आधारशिला है।

तीन माह के इस अभियान के दौरान केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित प्रमुख क्षेत्रों -लंबित शिकायतों एवं मामलों का निस्तारण, क्षमता निर्माण, डिजिटल पहल, अनुबंध प्रबंधन तथा अन्य निवारक सतर्कता गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण/कार्यशालाएं, एसओपी एवं निवारक सतर्कता विषयों पर संवाद तथा कार्यप्रणाली में प्रणालीगत सुधार के सुझावों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं इकाइयों में अभियान का शुभारंभ सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार के प्रति शून्यसहिष्णुता की सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य संगठन में स्वच्छ, नैतिक एवं पारदर्शी कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ करना है।

उपायुक्त ने बैंकिंग सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर दिया जोर

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों की प्रगति, ऋण वितरण, कृषि ऋण, शिक्षा ऋण, स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण, पीएमईजीपी, पीएमएफएमई एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि छोटे उद्यमियों की सबसे बड़ी समस्या कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) एवं ऋण की उपलब्धता है। बड़े ऋण मामलों में समाधान अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं एवं गरीब व्यवसायियों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बैंक केवल एक भवन के भीतर संचालित होने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक कार्यक्षेत्र बाजार और समाज है। बैंक के लिए बड़े व्यवसायी और छोटा सब्जी विक्रेता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए वित्तीय सेवाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि बैंकों को अपने दायरे को बंद कमरों से बाहर निकालकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना होगा। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), छोटे कारोबारियों एवं जरूरतमंद लोगों को ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाओं से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। तभी वित्तीय समावेशन का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।

बैठक में एलडीएम ने बताया कि जिले के क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो में पिछली बैठक की तुलना में सुधार दर्ज किया गया है। राज्य स्तरीय रैंकिंग में बोकारो शीर्ष पांच जिलों में शामिल है। वर्तमान में जिले का सीडी रेशियो ६०.२८ प्रतिशत है। इस पर उपायुक्त ने सभी बैंकों को और बेहतर करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया।

उपायुक्त ने कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता देने, किसानों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराने तथा फार्म क्रेडिट के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कृषि विभाग,जेएसएलपीएस, एलडीएम एवं संबंधित बैंकों को माह के अंत तक एक विशेष कार्यशाला आयोजित करने को कहा।

उपायुक्त ने शिक्षा ऋण के मामलों में जिले के प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए पात्र विद्यार्थियों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने को कहा। उन्होंने कृषि अवसंरचना (एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर) से संबंधित परियोजनाओं के लिए ऋण वितरण बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि जिले में वित्तीय समावेशन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत अधिकाधिक पात्र लाभुकों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंक एवं जिला प्रशासन को समन्वित रूप से कार्य करना होगा।

उन्होंने बैंक अधिकारियों से लंबित आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं लाभुक हितैषी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार, शिक्षा ऋण, कृषि एवं एमएसएमई क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने से न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। उप विकास आयुक्त ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नियमित अनुश्रवण, बेहतर समन्वय एवं सकारात्मक कार्यशैली आवश्यक है। उन्होंने बैंक अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा जिला प्रशासन के साथ मिलकर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें।

मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) प्रकाश चन्द्र मिश्रा, नाबार्ड डीडीएम सुरीना राजन एवं भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि श्री एस. एस. तिर्की सहित विभिन्न बैंकों के समन्वयक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

बिरनी में खनिज संशोधन विधेयक का विरोध जलाया मोदी का पुतला

गिरिडीह (ससे): खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ गिरिडीह के विभिन्न प्रखंडों में जन जागरूकता अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बिरनी में बैठक के बाद आन्दोलन के लिए सभी २८ पंचायतों के गांव गांव में खनिज संशोधन विधेयक को लेकर केन्द्र सरकार के खिलाफ आन्दोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद प्रखंड मुख्यालय के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया गया। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय कमेटी के सदस्य दिलीप मंडल ने कहा कि केन्द्र सरकार ने खनिज संशोधन विधेयक लाकर संघीय व्यवस्था पर प्रहार किया है और राज्यों को उपनिवेश बनाने का षड्यंत्र रचा है।

उन्होंने कहा कि इस काला कानून से संघीय व्यवस्था में टकराव की स्थिति उत्पन्न होगी और झारखंड की जनता सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी। झारखंड युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कोलेश्वर सोरेन ने कहा कि केन्द्र की भाजपानित सरकार ने काला कानून थोपकर झारखंडियों को एक और संघर्ष के लिए बाध्य किया है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब जब झारखंडियों ने संघर्ष किया है फासीवादी ताकतें परास्त हुई है। जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक से झारखंड सरकार को हजारों करोड़ का नुक़सान होगा।

माहुरी वैश्य महिला समिति ने किया सावन महोत्सव का आयोजन

डुमरी (ससे): माहुरी वैश्य महिला समिति इसरी मंडल के तत्वावधान में रविवार की संध्या इसरी बाजार स्थित मथुरासिनी भवन में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिप सदस्या सुनीता कुमारी एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा माता मथुरासिनी की वंदना एवं विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया।अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष ममता माथुर व संचालन गीता भदानी एवं खुशबू गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर चलकुशा प्रखंड की बीडीओ सह इसरी निवासी अमृता सिंह जिप सदस्या सुनीता कुमारी मुखिया रीना कुमारी उपस्थित रहीं।समिति की महिलाओं ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया।सावन महोत्सव के दौरान महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।सावन के गीत, पारंपरिक रंग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण हो गया।कार्यक्रम में आस्था,भारतीय संस्कृति,परंपरा और महिला एकजुटता की सुंदर झलक देखने को मिली।महोत्सव में सैकड़ों महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जिप सदस्या ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ महिलाओं को एकजुट होकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करती हैं।वहीं बीडीओ ने समाज के बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरी मेहनत एवं लगन के साथ करें। प्रशासनिक एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर समाज की भागीदारी बढ़ाने के लिए बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करनी चाहिए।

उन्होंने बच्चों की शिक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम में समिति की सचिव रश्मि माथुर, उपाध्यक्ष गीता भदानी, रागिनी सेठ, नीलम गुप्ता, सारिका सेठ, सुनीता सेठ, बबीता लोहानी, डोली सेठ सहित समिति की अनेक सदस्य एवं सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

बीएसएल प्रदान कर रहा बैद्यनाथ धाम में कांवरियों को प्राथमिक चिकित्सा सेवा

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा बैद्यनाथ धाम (देवघर) में लगने वाले श्रावणी मेले में कांवरियों की निस्वार्थ सेवा हेतु पिछले ढाई दशकों से निरंतर प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के तहत पिरामल स्वास्थ्य द्वारा संचालित मेडिकल मोबाइल यूनिट 'इस्पात संजीवनी' (चिकित्साकर्मियों एवं स्वयंसेवियों का दल) देवघर स्थित बोकारो इस्पात धर्मशाला में रहकर कांवरियों को प्राथमिक चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ करा रही है।

'इस्पात संजीवनी' की समर्पित टीम में शामिल मेडिकल कंसल्टेंट,परिचारिका, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन तथा बैद्यनाथ सेवा ट्रस्ट के स्वयंसेवक लगातार कांवरियों के प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य देखभाल में मुस्तैदी से जुटे हुए हैं। बोकारो इस्पात धर्मशाला में उक्त टीम द्वारा अब तक सैंकड़ों कांवरियों एवं श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा, आवश्यक औषधियाँ तथा अन्य आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएँ सफलतापूर्वक उपलब्ध कराई गई है जो आगे भी जारी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि विगत ०३ अगस्त २०२६ को बोकारो इस्पात संयंत्र के इस्पात भवन परिसर से इस मेडिकल टीम को हरी झंडी दिखाकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना किया गया था। यह टीम पूरे श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित रहेगी। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सामाजिक प्रतिबद्धता, जन-कल्याण तथा सुदूर क्षेत्रों में निस्वार्थ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की उत्कृष्ट भावना को रेखांकित करता है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्राथमिकता देने की यह संवेदनशील पहल समाज के प्रति संयंत्र के उत्तरदायी निगमित दायित्व और सेवाभाव को और अधिक सुदृढ़ बनाती है।

विभिन्न शिवालयों में शिवभक्तों ने की पूजा आराधना

डुमरी (ससे): सावन के तीसरी सोमवारी को लेकर प्रखंड के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लगा रहा। तीसरी सोमवारी में नाग पंचमी पड़ने के कारण लोगों की अच्छी खासी भीड़ शिवालयों में पूजा अर्चना करने हेतु लगी रही। शिवभक्त नाग देवता को धान का लावा एवं दूध विशेष रूप से चढ़ाया।भक्तों ने भगवान भोले शंकर पर ना सिर्फ जलाभिषेक किया बल्कि सोमवारी का व्रत उपवास भी रखा।सभी ने शिव पार्वती से मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना की।इसरी स्थित गंगा भगत शिवालय,लाल जी भगत शिवालय, राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी शिवालय,हनुमानगढ़ी शिवालय, डुमरी स्थित काली मंदिर शिवालय, ब्लॉक कॉलोनी शिवालय, फॉरेस्ट कार्यालय शिवालय, कोनार शिवालय, जामतारा शिवालय, वनांचल चौक स्थित शिवालय, खैरागढ़हा शिवालय, चैनपुर शिवालय, कुलगो शिवालय, पोरदाग शिवालय, निमियाघाट शिवालय, नगरी शिवालय, चैनपुर शिवालय, धावाटांड़ शिवालय, इसरी प्रोफेसर कॉलोनी स्थित शिवालय सहित दर्जनों शिवालयों में श्रद्धालु शिव भक्तों ने जलाभिषेक तथा दुग्धाभिषेक किया।भगवान शिव को जल एवं बेल पत्र चढ़ाया। इसरी बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसायी सह क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता शिवेश भगत उर्फ नाजू भगत ने अपने दादा द्वारा स्टेशन रोड में स्थापित शिवालय में भक्ति भाव व विधि विधान से पूजा अर्चना कर अपने व अपने परिवार सहित क्षेत्र वासियों की खुशहाली समृद्धि एवं सुखमय जीवन की कामना की।वनांचल चौक स्थित शिवालय में मनोज पांडेय ने आने वाले शिवभक्तों को विधि विधान से पूजा अर्चना कराया।

बीएसएल प्रबंधन एवं अप्रेंटिस विस्थापित संघ के बीच बैठक आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बीएसएल प्रबंधन एवं अप्रेंटिस विस्थापित संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, उप निदेशक जनसंपर्क रवि कुमार, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, अंचल अधिकारी रामसेवक राम, कार्यपालक दंडाधिकारी, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित बीएसएल प्रबंधन की ओर से सीजीएम (टाउनशिप) कुंदन कुमार एवं संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन सभी पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कर समस्याओं के समाधान के लिए सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यपरक तरीके से परीक्षण किया जाएगा।

बैठक के दौरान डीपीएलआर, बीएसएल प्रबंधन एवं संघ द्वारा प्रस्तुत नियोजन संबंधी आंकड़ों में विरोधाभास सामने आया। इस पर उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि कुल ३७,४९९ प्रभावित विस्थापित परिवारों में से कितने परिवारों के सदस्यों को नियोजन दिया गया है, इसका विस्तृत प्रतिवेदन एवं सूची आगामी ०५ सितंबर तक उपलब्ध कराई जाए।

उपायुक्त ने डीपीएलआर को निर्देश दिया कि नियोजन प्राप्त विस्थापित परिवारों की सूची ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं में से कितनों को नियोजन मिला है, इसकी स्पष्ट एवं अद्यतन सूची भी तैयार की जाए। उन्होंने श्रम अधीक्षक को भी विभिन्न बिंदुओं पर अपना प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। वहीं, शेष प्रशिक्षित युवाओं के नियोजन के लिए बीएसएल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करने तथा इस संबंध में मुख्यालय स्तर पर आवश्यक पत्राचार करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से *तथ्यों को पारदर्शी ढंग से प्रस्तुत करने को कहा, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। साथ ही, बीएसएल प्रबंधन से विस्थापितों की समस्याओं एवं भावनाओं को समझते हुए सभी बिंदुओं पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया।

मासिक रचनागोष्ठी में देशभक्ति व सावन पर केंद्रित रचनाओं की रही धूम

बोकारो (ससे): चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी रविवार की शाम सेक्टर ८ में वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' के आवास पर हुई। हिन्दी, संस्कृत व मैथिली के साहित्यकार डॉ रामनारायण सिंह की अध्यक्षता व साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित इस रचनागोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, कवि अरुण पाठक, धनंजय दास, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमनजी, शंभु झा, कवयित्री शैलजा झा, नीलम झा, नूतन कुमारी आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया।

रचनागोष्ठी में कवि-कवयित्रियों ने देशभक्ति, सावन, मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत रचनाएं सुनाईं वहीं कवि व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर कविता के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी। रचनागोष्ठी की शुरुआत अरुण पाठक ने अपनी रचना सरस्वती वंदना 'हे मां सरस्वती बुद्धि विद्यादायिनी...'.की सुमधुर प्रस्तुति से की। इस प्रस्तुति के बाद सुधा मल्लिक व शैलजा झा ने भगवती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। अमन कुमार झा ने बाबा-पोता संवाद, मनोज उपाध्याय 'सुमन' ने 'दिवंगत मां' व 'विरुपित शहर', नीलम झा ने 'जीवन एक संग्राम' व 'प्रिय प्राणनाथ सादर प्रणाम', धनंजय कुमार लाल दास ने मैथिली कविता 'संगति' व 'मानल हमरा किछु कष्ट रहैए', शैलजा झा ने मैथिली कविता 'सोचय पड़त' व 'अकल्पित अंत', विजय शंकर मल्लिक ने मैथिली कविता 'साओन मिथिला के मधुमास..', 'टिकल छै बेटिए पर संसार...' व हिन्दी कविता 'भारत के वीरों तुझे सलाम...', बुद्धिनाथ झा ने 'वन्दे भारत' व 'बाढ़ि आयल अछि', अरुण पाठक ने 'राजनीति की शान थे अटल, संसद की पहचान थे अटल, डॉ राम नारायण सिंह ने 'सावन' व 'मिला ना मन का मीत रे..' सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी। पठित रचनाओं पर समीक्षा टिप्पणी भी दी गयी।वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा ने कहा कि इस तरह की गोष्ठियों में आकर जो साहित्यिक ऊर्जा मिलती है उसकी तुलना ऑनलाइन कार्यक्रमों से नहीं की जा सकती है। साहित्य समाज को सकारात्मकता का संदेश देता है। राजेन्द्र कुमार ने कहा कि साहित्यलोक की गोष्ठी साहित्यकारों के लिए एक कार्यशाला की तरह होती है। यहां आकर बहुत कुछ सुनने व सीखने को मिलता है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ राम नारायण सिंह ने कहा कि बोकारो के साहित्यिक वातावरण को ऊर्जावान बनाए रखने में साहित्यलोक का प्रशंसनीय योगदान रहा है। इसी तरह इस संस्था की भूमिका आगे भी बनी रहे यही कामना है।

निमियाघाट में मेडिकल स्टोर का उद्घाटन

डुमरी (ससे): निमियाघाट में सोमवार को अनमोल मेडिकल का उद्घाटन झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन केन्द्रीय अध्यक्ष सह भारतीय वाणिज्य के प्रदेश संगठन सचिव गंगाधर महतो और मुखिया अर्जुन महतो ने फीता काट कर उद्घाटन किया।मौके पर मेडिकल का मालिक उमेश कुमार और रीता कुमारी ने विधिवत पूजा अर्चना किया।इस दौरान यूनियन के केन्द्रीय महासचिव सह भारतीय वाणिज्य के प्रदेश महासचिव रवीन्द्र कुमार यूनियन केन्द्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित आजसू नेता चन्द्रदेव महतो,नारायण महतो, केदार महतो, उमेश महतो,सुभाष कुमार आदि उपस्थित थे।

लायंस क्लब का स्थापना समारोह संपन्न

गिरिडीह (ससे): लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन का वर्ष २०२६-२७ का स्थापना समारोह रविवार को संगम गार्डन में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन शुभ्रा मजूमदार मुख्य अतिथि, पीएमजेएफ लायन सिद्धार्थ मजूमदार इंस्टॉलेशन ऑफिसर तथा लायन अरुण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर लायन अनिल अग्रवाल ने अध्यक्ष, लायन साहिल कुमार ने सचिव एवं लायन अंकित सरावगी ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया।

अध्यक्ष लायन अनिल अग्रवाल ने कहा कि क्लब शीघ्र ही सेवा के लिए अपना स्थायी सेवा प्रकल्प शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में क्लब की गतिविधियों को और विस्तार दिया जाएगा।सचिव लायन साहिल कुमार ने कहा कि क्लब के सेवा कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर सेवा कार्यों को नई ऊंचाई देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष रूप से गिरिडीह की मेयर प्रमिला मेहरा, उपमेयर सुमित कुमार, जनसेवक राजकुमार राज एवं दिनेश यादव की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

समारोह में लायंस क्लब गिरिडीह जागृति एवं लायंस क्लब गिरिडीह सनशाइन का भी संयुक्त स्थापना समारोह आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में लायंस सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सेफ्टी को प्रोडक्शन से पहले रखना जरूरी : डीजीएमएस

धनबाद (कासं) : माइनिंग में प्रोडक्शन से पहले सेफ्टी को प्राथमिकता देना जरूरी है। इसी संदेश के साथ आईआईटी-आईएसएम धनबाद में माइन इलेक्ट्रिकल ड्राइव्स टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी चैलेंजेज विषय पर पांच दिवसीय एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) की शुरुआत हुई। डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम २१ अगस्त तक चलेगा और इसमें १३ प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में माइनिंग सेक्टर में इलेक्ट्रिकल ड्राइव्स, एनर्जी एफिशिएंसी, सेफ्टी और नई टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जा रहा है।

कार्यक्रम के चीफ गेस्ट डीजीएमएस के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (इलेक्ट्रिकल) प्रो. अजय सिंह थे। आईआईटीआईएसएम के डायरेक्टर प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बोकारो के डायरेक्टर प्रो. उपेंद्र कुमार और टेक्नो इंडिया ग्रुप के तहत झारखंड गवर्नमेंट पीपीपी मॉडल कॉलेजेज के डायरेक्टर डॉ. सुदीप्त चक्रवर्ती गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में मौजूद थे। प्रो. अजय सिंह ने कहा कि एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम्स प्रोफेशनल्स को अपने नियमित काम के दायरे से बाहर नई टेक्नोलॉजी और दूसरे डोमेन को समझने का मौका देते हैं। उन्होंने एक माइन एक्सीडेंट का उदाहरण देते हुए बताया कि गलत साइज के कोर बैलेंस करंट ट्रांसफॉर्मर (सीबीसीटी) के कारण अर्थ फॉल्ट डिटेक्ट नहीं हो पाया और एक व्यक्ति की जान चली गई। उन्होंने कहा कि ऐसी छोटी टेक्निकल गलतियां भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव और ऐसे अन्य केस स्टडीज प्रतिभागियों के साथ साझा करने की बात कही। प्रो. सुकुमार मिश्रा ने आईआईटी-आईएसएम की करीब सौ साल पुरानी माइनिंग लेगेसी और आईआईटी ब्रांड के कॉम्बिनेशन को संस्थान की बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान को अपनी पुरानी पहचान और आईआईटी की मल्टीडिसिप्लिनरी स्ट्रेंथ को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने १७ डिपार्टमेंट्स के बीच इंटरडिसिप्लिनरी कोलैबोरेशन बढ़ाने पर भी जोर दिया। प्रोग्राम कोकोऑर्डिनेटर प्रो. प्रदीप कुमार साधु ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्रियल एक्टिविटी में सेफ्टी सबसे पहले होनी चाहिए। उन्होंने अंडरग्राउंड माइंस में वेंटिलेशन जैसे हाईएनर्जी कंजम्पशन वाले एप्लिकेशंस में एनर्जीएफिशिएंट ड्राइव्स की जरूरत बताई। उन्होंने वायरलेस पावर ट्रांसफर और फ्लोटिंग सोलर पीवी सहित आईआईटी-आईएसएम में चल रहे रिसर्च प्रोजेक्ट्स की भी जानकारी दी। प्रो. उपेंद्र कुमार ने कहा कि एआई,आईओटी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमेशन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी माइनिंग सेक्टर को तेजी से बदल रहे हैं। वहीं डॉ. सुदीप्त चक्रवर्ती ने कहा कि मशीन और इक्विपमेंट को रिपेयर या रिप्लेस किया जा सकता है, प्रोडक्शन लॉस की भरपाई भी संभव है, लेकिन ह्यूमन लाइफ को वापस नहीं लाया जा सकता। कार्यक्रम में डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के हेड प्रो. के.सी. जाना ने विभाग की एकेडमिक और रिसर्च एक्टिविटीज की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग में फिलहाल करीब १५२० स्पॉन्सर्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। प्रो. निताई पाल, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, ने वोट ऑफ थैंक्स दिया।

ह्यूमन राईटस मिशन ने सबलपुर में ली वृद्धों की सुध

धनबाद (कासं) : ह्यूमन राइट मिशन के तत्वाधान में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक तिवारी एवं झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष राजीव मिश्रा के दिशानिर्देश से संस्था के सम्मानित प्रबुद्ध पदाधिकारियों द्वारा सेवार्थ नामक कार्यक्रम अयोजित किया गया।वृद्धाआश्रम सबलपुर व लालमणी वृद्धाश्रम में रह रहें असहाय आसनडाबर धनबाद जिला में अवस्थित है।

सेवाआश्रम के दर्जनों वृद्धों के बीच एक छोटा सा सम्मान सभा का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता राजीव मिश्रा नें किया संचालन रबीन्द्र तिवारी ने किया। आश्रम के संचालक समाजसेवी नौशाद को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के सम्मानित पदाधिकारियों द्वारा वृद्धजनों को ससम्मान अंग वस्त्र से सम्मानित कर अल्पाहार कराया गय। बुजुर्गों के चेहरे कि मुस्कुराहट देख कर असीम आत्मसंतुष्टि झलकी। कुछ शरीर से लाचार बुजुर्ग थे उन्हें उनके कमरे में ही जाकर सम्मानित किया गया। मौके पर मनोहर मिश्रा, धूरजटि प्रसाद दुबे, संस्था के मृणाल कांत चौबे, डॉ जी. एन ओझा,आर पी महतो के अलावा राजेश चौधरी, बाबु जान सोरेन मौजूद थे।

पंकज सिन्हा अध्यक्ष, अमन सचिव व चंद्रकांत बने कोषाध्यक्ष

कतरास (ससे) : श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, जीएनएम हाई स्कूल मैदान की आवश्यक बैठक वरीय संरक्षक मोहन प्रसाद लाला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा २०२६ को भव्य और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से पंकज सिन्हा को अध्यक्ष, अमन जायसवाल को सचिव तथा चंद्रकांत कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अशोक शर्मा, विनोद रजक, मनोज राय, दिलीप तर्वे, कुलदीप सिंह, रघुनाथ सिंह, मोनू सिंह और शैलेंद्र सिन्हा को जिम्मेदारी दी गई। वहीं उपाध्यक्ष पद पर रामजी हजारी, गोपाल बोस, राखो हारी पटवा, अयोध्या सिंह, प्रदीप लाला, ईश्वर लाल शर्मा, राजा गुप्ता, रवि हजारी, अमित रजक और प्रकाश रजक सहित अन्य सदस्यों का चयन किया गया।

सहकोषाध्यक्ष के रूप में गणेश मोदक, अप्पू साहू, राहुल राज, सुनील यादव, टिंकू खंडेलवाल, शिवम दसौंधी, मुकेश सिंह, गोलू अग्रवाल, भोलू जायसवाल और राहुल सिंह सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। पूजा को भव्य एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कार्यकारिणी समिति में सैकड़ों सदस्यों को जोड़ा गया है। वहीं पूजा के दौरान व्यवस्था एवं निगरानी के लिए संरक्षक मोहन प्रसाद लाला के निर्देश पर विशेष निगरानी समिति का भी गठन किया गया। इसमें शंकर जायसवाल, मुकेश भट्ट, शैलेंद्र चौरसिया, विनोद रजक, सोनू शर्मा, प्रीतम रवानी, अशोक शर्मा, मनोज राय, अमित सिन्हा और मो. तारिफ अनवर को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में पूजा समिति के संरक्षक मोहन प्रसाद लाला, सुरेंद्र सिंह, प्रो. प्रताप नारायण पांडेय, ललन किशोर प्रसाद, विनय सिन्हा, शंकर हजारी, धीरेन सिंह सहित समिति के कई सदस्य उपस्थित थे।

जेएलकेएम नेता ने डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

धनबाद (कासं) : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो के द्वारा धनबाद जिले के उप विकास आयुक्त सन्नी राज से मिलकर अपने जिला परिषद क्षेत्र संख्या१४ के गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत मरिचो, तिलैया ,बिराजपुर, बड़ा पिछड़ी आदि पंचायतों के विभिन्न

समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन पत्र सह ज्ञापन सौंपा गया। रंजीत कुमार महतो ने अपने मरिचो पंचायत के बेहराडीह गांव में सामुदायिक भवन निर्माण, तिलैया मरिचो बिराजपुर आदि तीनों पंचायतों को जोड़ने वाले निचितपुर घोसकोडीह गांव के एकमात्र सड़क जो काफ़ी जर्जर हो चुका है उस सड़क की त्वरित मरम्मती करवाने का आग्रह किया और बड़ा पिछड़ी पंचायत अंतर्गत बड़ा पिछड़ी गांव के सिंह टोला काली मंदिर के सामने वाले ख़राब पड़े सौलर जलमीनार की मरम्मती करवाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सामाधान करने के सकारात्मक वार्ता हुआ। धनबाद उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बिना विलंब करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी गोविंदपुर और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को तीनों समस्याओं को अविलंब समाधान करने का निर्देश दिया।

श्रमिकों की मांगों को ले भामसं का प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : रणधीर वर्मा चौक पर भारतीय मजदूर संघ यानी बीएमएस की ओर से श्रमिकों की लंबे समय से लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर जोरदार धरनाप्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में आंगनबाड़ी सेविकाओं समेत बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से श्रमिक हित में कई मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर देशभर के जिला मुख्यालयों में श्रमिकों की मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। इसी कड़ी में धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर भी बीएमएस कार्यकर्ताओं और श्रमिकों ने धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाकर ३० हजार प्रतिमाह करना शामिल है। इसके साथ ही ईपीएस९५ के तहत न्यूनतम पेंशन ७. ५ हजार प्रतिमाह करने और महंगाई भत्ता देने की मांग की गई। ईपीएफ वेतन सीमा को १५ हजार से बढ़ाकर ३० हजार और ईएसआई की वेतन सीमा को २१ हजार से बढ़ाकर ४२ हजार करने की मांग भी उठाई गई। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करने की मांग की। आंगनबाड़ी और अन्य योजना कर्मियों को श्रमिक का दर्जा देने के साथ उनके मानदेय में बढ़ोतरी की मांग भी की गई। श्रम संहिताओं में मौजूद श्रमिक विरोधी प्रावधानों को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखने की बात कही गई।

बीएमएस नेताओं ने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान होने तक मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों की मौजूदगी रही।

नागदेवी धाम में भक्ति व संगीत की गूंज, भजन कलाकारों ने बांधा समां

जोड़ापोखर (ससे) : श्री नागदेवी देव स्थान, भागा मोड़

में आयोजित ३४वें वार्षिक श्री नाग पंचमी महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। दिनभर चले पूजापाठ के बाद शाम को भजन कलाकारों ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा नागदेवी धाम भक्ति के रंग में रंग गया। भजन संध्या में मनोज सैनी, पूजा ओझा, सुमन दुबे एवं अजय शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमते और जयकारे लगाते नजर आए। पूरा मंदिर परिसर मां नागदेवी के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठा।

महोत्सव के दूसरे दिन मंगला आरती, श्री नारायण स्वामी अभिषेक, कन्या पूजन, कालसर्प दोष निवारण पूजन, भजन संध्या, छप्पन भोग एवं प्रसाद वितरण सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम छह बजे से भजनों की अमृतवर्षा हुई, जिसके बाद रात्रि सात बजे छप्पन भोग लगाया गया तथा रात्रि नौ बजे श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

महोत्सव के दौरान कालसर्प दोष निवारण पूजन का भी विशेष आयोजन किया गया। विद्वान पंडित अजय शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूजन संपन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां नागदेवी एवं नागदेवता से सुख-शांति, समृद्धि और परिवार के कल्याण की कामना की।

आयोजकों ने कहा कि नागदेवी देव स्थान की आध्यात्मिक शक्ति और पवित्र वातावरण में संपन्न इस विशेष पूजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था और उत्साह देखने को मिला। महोत्सव को सफल बनाने में राजकुमार अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अनिल खेमका, श्यामसुंदर मोदी, मुरारी अग्रवाल, भारत विशाल सिंह, अमर विशाल सिंह, रवि मिश्रा, नील रतन जाजोड़िया, अमित अग्रवाल, खीरू जोशी, रामरेन्द्र मिश्रा एवं रोहित जाजोदिया सहित आयोजन समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीसीएसओ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

धनबाद (कासं) : सेलसीसीएसओ में ८०वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति एवं उत्साह के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि योगेन्द्र कुमार पासवान, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पूर्व कंपनी के सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में योगेन्द्र कुमार पासवान ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बदलते औद्योगिक एवं व्यावसायिक परिवेश में सीसीएसओ को अपनी कार्यप्रणाली में आवश्यक बदलाव लाते हुए स्मार्ट वर्क एवं तकनीक आधारित कार्य संस्कृति को अपनाना होगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी तथा समयबद्ध कार्यप्रणाली अपनाने का आह्वान किया। समारोह में पूर्व मुख्य महाप्रबंधक राजीव तिवारी, उप महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार एवं सुजीत कुमार साहू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्मिकों में शंकर टोप्पो, चंद्रकांत रंजन, राजेश रजक, पंकज एवं अन्य अधिकारीकर्मचारी उपस्थित थे। सीसीएसओ के पूर्व कार्मिकों में दिपेश याज्ञिक, बी. के. वर्मा सहित अन्य पूर्व कर्मचारी भी समारोह में उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने बीबीएमकेयू की समस्याओं को ले राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

धनबाद (कासं) : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय एवं इसके अधीन संचालित महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग को लेकर एनएसयूआई झारखंड के प्रदेश सचिव राजीव कुमार पाण्डेय ने राज्यपालसहकुलाधिपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने, लंबित पुस्तक खरीद प्रक्रिया पूरी करने, फर्नीचर व शैक्षणिक उपकरण उपलब्ध कराने, पेयजल, बिजली एवं स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने तथा जर्जर भवनों की मरम्मत कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए एमबीए, एमसीए सहित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के विस्तार,राजा शिव प्रसाद महाविद्यालय झरिया की शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत करने, अंगीभूत महाविद्यालयों में विषयवार सीट बढ़ाने,विधि महाविद्यालय धनबाद में बी.कॉम एल.एल.बी व एल.एल.एम की पढाई शुरू करवाना एंव प्राध्यापक के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने की मांग की। ज्ञापन में विश्वविद्यालय के वित्तीय एवं प्रशासनिक ऑडिट, नीट-जेआरएफ उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए पीएच. डी. शोध सीटों में वृद्धि तथा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के समीप विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए फुट ओवरब्रिज अथवा सुरक्षित पैदल पारपथ बनाने की मांग भी रखी गई।

राजीव कुमार पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार सीधे तौर पर हजारों विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के भविष्य से जुड़ा है। इसलिए सभी मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। मौक़े पर युवा कांग्रेस के तबरेज़ खान, छात्र नेता नितेश शर्मा, राहुल पासवान, सोनाली सिंह उपस्थित रहे।

पाइपलाइन बिछाने को लेकर दो पक्षों के मारपीट में 8 घायल

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के बरारी मोड़ स्थित जियलगोरा ग्राम स्थान के समीप देर शाम बीसीसीएल की पानी पाइपलाइन बिछाने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों से आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस ने इलाज के लिए चासनाला अस्पताल भेजा, जहां तीन लोगों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद दोनों पक्षों में तनाव इतना बढ़ गया कि उनके समर्थक थाना परिसर में ही दोबारा आमनेसामने हो गए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने बल प्रयोग कर दोनों पक्षों को समझाबुझाकर शांत कराया। जानकारी के अनुसार, जियलगोरा सात नंबर ग्राम स्थान मुहल्ले में लोगों की सुविधा के लिए बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से पिट वाटर की सार्वजनिक नल योजना के लिए चार इंच की पाइपलाइन बिछाई जा रही है। मोहम्मद मन्नान समेत चारपांच लोग पिछले तीन दिनों से पाइपलाइन बिछाने का काम कर रहे थे। पाइपलाइन को वकील अख्तर के घर के समीप से ले जाने का उन्होंने विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पिछले तीन दिनों से तनाव बना हुआ था।

सोमवार की शाम पाइपलाइन बिछाने के दौरान विवाद अचानक बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग लाठीडंडे व रॉड लेकर एकदूसरे से भिड़ गए। मारपीट में वकील अख्तर, उनके पुत्र इमरान अख्तर, शायद राजा समेत दूसरे पक्ष के मोहम्मद शब्बीर अंसारी, उनके पुत्र एहतिशाम अंसारी, अमन अंसारी तथा मोहम्मद मन्नान की पत्नी सहित कुल आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों में वकील अख्तर, मोहम्मद शब्बीर अंसारी और एहतिशाम अंसारी की हालत गंभीर बताई गई है।

अवैध खनन, कोयला चोरी व परिवहन के विरुद्ध अभियान जारी

धनबाद (कासं) : भारत सरकार की 'ज़ीरो कोल लीकेज टॉलरेंस पॉलिसी' के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कोयला चोरी, अवैध खनन, अवैध कोयला संग्रहण एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से बीसीसीएल द्वारा सीआईएसएफ एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वय से कंपनी के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन, छापेमारी, तलाशी, ड्रोन निगरानी एवं विशेष वाहन जांच अभियान जारी रहे। इन अभियानों के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों, अवैध उत्खनन स्थलों, एस्केप रूट एवं कोयला परिवहन मार्गों की निगरानी करते हुए आवश्यकतानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान कुल १८ स्थानों पर छापेमारी एवं सघन तलाशी की गई। गोविंदपुर में बीसीसीएल से लॉजिस्टिक सपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत ओरिएंटल माइंस के २ तथा माइंस के समीप १ एस्केप रूट को बंद कराया गया। कतरास के वेस्ट मोदीडीह क्षेत्र में लगभग ३ अवैध मुहाने चिन्हित किए गए, जिनकी भराई के लिए कार्रवाई जारी है। सिजुआ में बांसजोड़ा साइडिंग के पीछे गोपा ग्राउंड में लगभग ५० बोरियों में पोड़ा कोयला जब्त किया गया।

पीबी क्षेत्र में खैरा माइंस के समीप एक एस्केप रूट चिन्हित किया गया है, जिसे बंद कराने की कार्रवाई जारी है। लोदना में बरारी बस्ती के समीप एक बंद रैट होल तथा उसके पास कोयले से भरी बोरियां पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई जारी है। इसके अतिरिक्त, सुधामडीह बस्ती से ☞ डपदमे की ओर जाने वाले एस्केप रूट एवं आसपास के क्षेत्र में सर्च/रेड अभियान चलाया गया, जिसमें कोई अवैध कोयला संग्रह नहीं पाया गया।

कोयला परिवहन की निगरानी एवं अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए प्रमुख चेक पोस्ट, परिवहन मार्ग एवं वेटब्रिज क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल १६१ कोयलालदे वाहनों की जांच की गई, जिनमें से १३६ वाहनों का एमपरिवहन ऐप के माध्यम से सत्यापन किया गया। सभी जांचे गए वाहनों के दस्तावेज एवं परिवहन विवरण संतोषजनक पाए गए तथा किसी भी वाहन में संदिग्ध गतिविधि अथवा दस्तावेजी विसंगति नहीं मिली।

दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

कतरास (ससे) : लालघोड़ा, एक नंबर छाताबाद में पहाड़ तोड़ बाबा दशरथ मांझी की १९वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दशरथ मांझी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प एवं समाज के प्रति योगदान को याद किया।

इस मौके पर वार्ड नंबर ५ की पार्षद निरुपमा देवी, ट्रेड यूनियन के वरीय नेता मनोज रवानी, पंकज दिनकर, अध्यक्ष सोनी पासवान, पोषण सखी फूल कुमारी देवी, पूर्व पार्षद राजेंद्र प्रसाद, ट्रेड यूनियन नेता इंद्रदेव भुईयां, पूर्व मुखिया अर्जुन भुईया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि दशरथ मांझी ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति से पहाड़ काटकर रास्ता बनाया। उनका जीवन समाज के लिए संघर्ष, मेहनत और संकल्प की प्रेरणा देता है।

विकसित भारत जीराम जी योजना को लेकर कार्यशाला का आयोजन

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड सभागार में सोमवार को विकसित भारत जीराम जी योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पूनम देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रशांत कुमार हेंब्रम एवं उपप्रमुख हरिलाल महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यशाला में प्रखंड की सभी पंचायतों के मुखिया, मनरेगा के सहायक अभियंता (एई) अजीत कुमार सिंह, बीपीओ राकेश कुमार, ग्राम रोजगार सेवक, कनीय अभियंता समेत अन्य कई कर्मी शामिल हुए। इस दौरान पंचायत स्तर पर ग्रामीण रोजगार, आजीविका संवर्धन और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। कार्यशाला में सशक्त ग्राम, समृद्ध भारत, आजीविका से स्वावलंबन, समावेशी विकास, सशक्त समाज तथा ग्राम विकास से राष्ट्र विकास, सशक्त पंचायत, सशक्त भारत जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने पंचायतों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने तथा विकास योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही। कार्यशाला के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। यहां मुखिया संघ के बोकारो जिलाध्यक्ष जयलाल महतो उर्फ जैली, प्रखंड अध्यक्ष विश्वनाथ महतो, कनीय अभियंता रोहित कुमार, स्वर्णा कुमार, संजीव कुमार, दीपक शर्मा, विश्वनाथ महतो आदि उपस्थित थे।

130 नए बच्चों को प्रायोजन योजना से जोड़ने का हुआ अनुमोदन

बोकारो (ससे): सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, प्रायोजन एवं पालक देखरेख अनुमोदन समिति अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) योजना के तहत लाभुक बच्चों को दी जा रही सहायता राशि, लंबित भुगतान, नए आवेदनों एवं विशेष मामलों की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि जनवरी २०२६ तक ११६ बच्चों को प्रायोजन योजना का लाभ प्रदान किया गया है। वहीं २८४ बच्चों को फरवरी २०२६ तक तथा इनमें से २३ बच्चों को मार्च २०२६ तक का प्रायोजन लाभ उपलब्ध कराया गया है। आवंटन की अनुपलब्धता के कारण शेष भुगतान लंबित है। वहीं, ४७० बच्चों को पूर्व से योजना का लाभ दिया जा रहा है।

बैठक में १३० नए आवेदनों की दस्तावेजीय जांच एवं सामाजिक अन्वेषण (सोशल इन्वेस्टिगेशन) की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई। हालांकि समीक्षा के क्रम में कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी एवं पात्रता संबंधी शर्तों के अनुरूप अभिलेख उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित आवेदनों पर निर्णय स्थगित रखा गया। समिति ने आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने के उपरांत नियमानुसार आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में हम आपको सुनते हैं... (लोक संवाद) के माध्यम से प्राप्त ०६ आवेदनों तथा एचआईवी प्रभावित बच्चों से संबंधित ०३ आवेदनों पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा के दौरान झारखंड बाल प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) दिशानिर्देश-२०१८ एवं मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका-२०२२ के प्रावधानों पर चर्चा की गई। समिति को बताया गया कि झारखंड बाल प्रायोजन दिशानिर्देश-२०१८ के अनुसार लाभुक परिवार की कुल वार्षिक आय ७५ हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका-२०२२ के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के लिए वार्षिक आय सीमा ७२ हजार रुपये तथा शहरी क्षेत्र के लिए ९६ हजार रुपये निर्धारित है। इस संबंध में उपायुक्त सह अध्यक्ष ने राज्य सरकार से प्राप्त होने वाले मार्गदर्शन के अनुरूप आगे की कार्रवाई की बात कही।

बैठक में चंदनकियारी के दूबे काटा मोड़ के समीप हुई सड़क दुर्घटना में मृत दंपति के पुत्र विद्युत मांझी एवं विमल मांझी को प्रायोजन योजना से लाभान्वित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बालीडीह के जियाडा क्षेत्र में हुई दुर्घटना में मृतक के बच्चों शिवानी कुमारी एवं सौरव कुमार को भी योजना के तहत लाभ प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी पात्र बच्चों को समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार सिंह, बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती अनिता झा, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष, सदस्यगण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवजात बच्चियों एवं माताओं को किया गया सम्मानित

बोकारो (ससे): चास शहरी बाल विकास परियोजना कार्यालय के तत्वावधान में सोमवार को सदर अस्पताल, चास में बधाई हो! बेटी हुई है कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता एवं सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के जन्म का स्वागत करना, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि *बेटियों के हाथों की सुंदरता बढ़ाने के लिए केवल चूड़ियां नहीं, बल्कि कलम देना आवश्यक है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बालिका शिक्षा तथा महिलाओं के अधिकारों के संबंध में भी जागरूक किया गया।

इस अवसर पर सदर अस्पताल में जन्मी छह नवजात बच्चियों एवं उनकी माताओं को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) किट एवं बेबी किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। लाभान्वित परिवारों में सफिया परवीन, पिंसी कुमारी, नंदनी कुमारी, सानवी कुमारी सहित अन्य नवजात बच्चियों के परिवार शामिल रहे।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, सदर अस्पताल अधीक्षक श्री एन.पी. सिंह, महिला पर्यवेक्षिका श्रीमती मधु सिंह, श्रीमती दमयंती प्रियंबदा सहित बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

ई20 पेट्रोल पर सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार की चेतावनी

नई दिल्ली(ईएमएस): पेट्रोल में २० फीसदी एथेनॉल मिलाने की नीति यानी ई२० को लेकर अब सरकार के भीतर से ही चिंता की आवाज सामने आई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने पुराने बाइक और स्कूटर के लिए पेट्रोल पंपों पर ई१० पेट्रोल की बिक्री दोबारा शुरू करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि देश में करीब ८ करोड़ पुराने टू-व्हीलर ऐसे हैं, जिनके इंजन ई२० ईंधन के लिए डिजाइन नहीं किए गए हैं। नागेश्वरन ने कहा कि भारत ने पेट्रोल में २० फीसदी एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लिया। इससे कच्चे तेल के आयात पर होने वाला खर्च और विदेशी मुद्रा की जरूरत कम हुई है।

हालांकि, अब एथेनॉल की बढ़ती मांग के कारण कृषि, खाद्य कीमतों और पानी की उपलब्धता को लेकर नए सवाल खड़े हो रहे हैं। देश में बड़ी संख्या में पुराने बाइक-स्कूटर कार्बोरेटर तकनीक वाले हैं। ये वाहन बीएस-६ उत्सर्जन मानकों के आने से पहले तैयार किए गए थे। ऐसे इंजन ई२० में मौजूद ज्यादा एथेनॉल के अनुरूप ईंधन-हवा के मिश्रण को हमेशा सही तरीके से एडजस्ट नहीं कर पाते। एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है। पुराने इंजन में इसके कारण तापमान बढ़ने और इंजन के प्रदर्शन पर असर पड़ने की आशंका रहती है।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली,(ईएमएस): शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग १३ अगस्त, २०२६ को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और ४ दिसंबर, २०२४ को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

कार्यालय, अंचल अधिकारी, बेरमो (बोकारो)

सर्वसाधारण को सूचना

विविध वाद संख्या–01/2026–27

विषयः–मौजा ढोरी, थाना संख्या–068 के

खाता संख्या	प्लॉट संख्या	रकबा
11	2505	11 डी0

जमीन के ऑनलाईन जमाबंदी हेतु आवेदन पत्र के संबंध में।

बजरिए नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका–श्री जय प्रकाश सिंह, पिता–स्व0 भुनेश्वर सिंह, साकिन–ढोरी, जिला–बोकारो अपने पिता भुनेश्वर सिंह के नाम पर उक्त भूखण्ड के ऑनलाईन जमाबंदी इन्ट्री करने हेतु केवाला संख्या–5330, दिनांक–04.07.1975 आवेदन पत्र के साथ साथ संलग्न कर दाखिल किया है।

यदि आप अपने पक्ष में कोई अन्य दस्तावेज अथवा आपत्ति समर्पित करना चाहते है तो सम्बंधित राजस्व उपनिरीक्षक के समक्ष दिनांक–25.08.2026 के अन्दर उपलब्ध करायेंगें। अन्यथा यह समझा जायेगा की आपको इस सन्दर्भ में कुछ नहीं कहना है। तदनुरूप आदेश पारित किया जाएगा।

यह सूचना आज दिनांक–11.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुहर से निर्गत की गई।

अंचल अधिकारी,
बेरमो बोकारो

PR 387645 Land Reforms(26-27).D

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा।

(सैरात बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना सं0– UDD/NPJ/02/2026-27)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत जामताड़ा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष– 2026–27 शेष अवधि (01 सितम्बर 2026 से 31 मार्च 2027 तक) के लिए निम्नांकित की बन्दोबस्ती खुले डाक द्वारा नगर पंचायत जामताड़ा के सभागार कक्ष में **दिनांक– 24/08/2026** को की जाएगी।

1. बंदोबस्ती कर्ता का नाम :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, जामताड़ा।
2. आवेदन प्राप्ति एवं जमा की तिथि :– दिनांक– 15.08.2026 से दिनांक– 24.08.2026 को 12 बजे अपराह्न तक 5000/– रूपया प्रति आवेदन शुल्क जमा देकर प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं। आवेदन 24.08.2026 को 12:00 बजे अपराह्न तक स्वीकार किए जाएँगे।
3. बंदोबस्ती का स्थान :– सभागार कक्ष, नगर पंचायत, जामताड़ा।
4. बंदोबस्ती की तिथि व समय :– 24.08.2026, 01:00 बजे अपराह्न।

क्रमांक	बन्दोवस्ती	बन्दोवस्ती राशि	जमानत की राशि	तिथि व समय
01	गुदड़ी हटिया, स्टेशन रोड (मीट/मछली/सब्जी एवं अन्य अस्थायी दुकानदारों से)	5,53,000	55,300	24.08.2026 को 01:00 बजे अपराह्न।
02	रास हटिया, राजबाड़ी (सप्ताहिक लगने वाले अस्थायी हाट दुकानदारों से वसूली डाक बंदोबस्ती)			

नोटः– इस निविदा सूचना से संबंधित नियम शर्तें एवं अन्य विस्तृत जानकारी नगर पंचायत, जामताड़ा कार्यालय के सूचना पटट् अथवा विभागीय वेबसाईट www.udhd.jharkhand.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, जामताड़ा

PR 387674 (Urban Development and Housing) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, धनबाद
Phone No.-0326-2313368,
email- eercddhanbad-jhr@nic.in

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विभिन्न समाचार पत्रो में प्रकाशित ई – निविदा प्रसंग संख्याः– RCD/ DHNABD/1410/2026-27(1st Call) Dated 07.08.2026 जिसका PR.No. – 386928 Road (26-27) D कार्य का नाम – गैर योजना मद अन्तर्गत "गोविन्दपुर–महुदा पथ (चैनेज–6.00 कि0मी0 से 18.00 कि0मी0 तक) का साधारण मरम्मति कार्य, वर्ष 2026–27" को अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, धनबाद

PR 387678 (Road)26-27*D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 863 धनबाद/दिनांक– 14.08.2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 820 दिनांक 07.08.2026 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 26/2026-27/RDSD/EE/Dhanbad जिसका PR No. 387064 (REO) 26-27 (D) में प्रकाशित निविदा की तिथि में निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 14.08.2026	दिनांक 24.08.2026
2.	ई0 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 14.08.2026 से दिनांक 20.08.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक।	दिनांक 24.08.2026 से दिनांक 31.08.2026को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3.	ई0 निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 22.08.2026 अपराह्न 02:00 बजे।	दिनांक 02.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।

अतः अन्य शर्तों यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR.NO.387718 REO(26-27):D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
Department of Forest, Environment & Climate Change, Jharkhand
Office of The Divisional Forest Officer
Bokaro Forest Division
Block-A, Van Bhawan, Purulia Road, Chas, Bokaro-827013
E-mail: dfo-bokaro@gov.in, bokarodfo@gmail.com
Phone/Fax No: +91-6542-265142

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
RFP No.: 04/2026-27

The Divisional Forest Officer, Bokaro Forest Division, Government of Jharkhand, invites sealed proposals from eligible and experienced manufacturers/fabricators/authorized agencies for the following work:

"Fabrication and Customization of an Elephant Rescue and Translocation Truck and an Animal Veterinary Van for Monitoring, Protection and Treatment of Wildlife for Bokaro Forest Division in the State of Jharkhand."

The detailed Request for Proposal (RFP) document containing eligibility criteria, scope of work, technical specifications, terms & conditions, and bid submission procedure may be downloaded from the Department's official website https://forest.jharkhand.gov.in/.

Particulars	Schedule
RFP No.	04/2026-27
Bid Document Downloading	From https://forest.jharkhand.gov.in/
Date of Issue of RFP Document	17.08.2026 (10:00 AM)
Start Date for Receiving Bid Offers	18.08.2026 (10:00 AM)
Pre-Bid Discussion	29.08.2026 (10:00 AM)
Last Date & Time for Submission of Bids	31.08.2026 (04:00 PM)
Opening of Technical Bids	01.09.2026 (03:00 PM)
Opening of Financial Bids	01.09.2026 (05:00 PM)

The Divisional Forest Officer reserves the right to accept or reject any or all bids, wholly or partially, without assigning any reason thereof. Corrigenda/addenda, if any, shall be published only on the Department's official website.

Sd/- Divisional Forest Officer
Bokaro Forest Division.

PR.NO.387649 Forest, Environment and Climate Changes(26-27):D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं0 : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 862 धनबाद/दिनांक– 14.08.2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 821 दिनांक 07.08.2026 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 25/2026-27/RDSD/EE/Dhanbad जिसका PR No. 387059 REO(26-27)#D में प्रकाशित निविदा की तिथि में निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 14.08.2026	दिनांक 24.08.2026
2.	ई0 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 14.08.2026 से दिनांक 20.08.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक।	दिनांक 24.08.2026 से दिनांक 31.08.2026को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3.	ई0 निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 22.08.2026 अपराह्न 02:00 बजे।	दिनांक 02.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।

अतः अन्य शर्तो यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,धनबाद

PR 387720 REO(26-27).D

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

पत्रांक :– 1497/SNMMCH दिनांक :– 17.08.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से Installation of LMO Tank on Turnkey Basis हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 02.09.2026 को संध्या 5.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

PR 387684 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा।
DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/ FAX- 06433-223342, Email -ssajmt1@gmail.com

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झा0शि0प0परि0, राँची के पत्रांक 3032 दिनांक 04.08.2026 के आदेश के आलोक में जिला स्तरीय मेरा विद्यालय निपुण एवं मैं भी निपुण कार्यक्रम के तहत मूल्यांकनकर्त्ता का दो दिवसीय प्रशिक्षण में भोजनादि, मूल्यांकन सामग्री (एक बैग, दो पेन, दो नोट बुक, टूल किट (कक्षा 01 से 05 के हिन्दी, गणित एवं अंग्रजी के टुल की मुद्रित प्रति की एक सेट आर्ट बोर्ड पेपर पर) का मुद्रण दिया जाना है। उक्त प्रशिक्षण दिनांक 19 से 20 अगस्त 2026 तक दो बैच में दिया जाना है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी (नियम व शर्तें) झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय से कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक एजेंसी/फर्म अपना प्रस्ताव/कोटेशन झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग ब्लॉक–सी, तृतीय तल्ला, समाहरणालय, जामताड़ा में दिनांक 19.08.2026 तक हाथों–हाथ अथवा निबंधित डाक द्वारा समर्पित कर सकते हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, जामताड़ा।

PR 387682 (District) 26-27 (D)

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय बोकारो

लापता बच्चा
श्याम कु0 सिंह

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रवण कुमार सिंह के द्वारा दिनांक–05.08.2026 को पिण्ड्राजोरा थाना में आकर एक आवेदन के माध्यम से सूचित किया कि इनके नाती (बेटी का पुत्र) लापता बच्चा श्याम कुमार सिंह उम्र–16 वर्ष, पे0–स्व0 कंचन कुमार सिंह, ग्राम+धुरैता ,थाना–हीरोडीह, जिला–गिरीडीह, का निवासी है। जो इनके यहॉ जन्म से रहकर पढ़ाई कर रहा है, दिनांक–04.08.2026 को सुबह घर से VKM Inter Collage, Chas जा रहा हॅू यह कहकर निकला जो अभी तक घर वापस नहीं आया। इस संबंध में पिण्ड्राजोरा थाना सन्हा सं0– 15/ 26, दिनांक–05/08/2026 दर्ज किया गया है। उक्त लापता बच्चा का हुलिया –शारीरिक बनावट–सामान्य, चेहरा–लम्बा, उम्र–16 वर्ष, रंग–गोरा, पहनावा –ब्लू रंग का स्पोर्ट पैंट, हरा रंग का फुल बाह का टी शर्ट, हवाई चप्पल पहने हुए हैं।

गुमशूदा बच्चा श्याम कुमार सिंह के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृप्या निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करने का कष्ट किया जाए।

1.पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0–9431706418
2.थाना प्रभारी, पिण्ड्राजोरा थाना का मो0 नम्बर–7667545070

पुलिस अधीक्षक, बोकारो।

PR.NO.387706 Police(26-27):D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाईण्ड बिल्डिंग, प्रथम तल्ला, एल०सी० रोड, धनबाद

ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 09/**RWD/DHANBAD/26-27** दिनांक :- **17.08.2026**

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
1	DMFT 43/26-27	झरिया	वार्ड सं0 42 में जेलगोड़ा, फुसबॅगला भागा 5 नम्बर भालीनार (मैगजीन और पूर्णाडीह), हेलो किड्स स्कूल के निकट पी0सी0सी0 सड़क निर्माण	102.951	एक करोड़ दो लाख पंचानवे हजार एक सौ	09 माह	प्रथम
2	DMFT 44/26-27	धनबाद	वार्ड सं0 22 सिद्धू कान्हू नगर में मेन रोड से किरण सुशमा के घर तक, गली नम्बर 4 तालाब के पास ऋशि नगर में सड़क एवं नाली तथा भेलाटॉड़ भी0आई0पी0 कॉलोनी में भयाम अपार्टमेन्ट से गली नम्बर 3, 5 तक, यूनिवर्सिटी के पास गली नम्बर 01, 04, 05 में एवं लिंक गली में सड़क निर्माण	117.161	एक करोड़ सतरह लाख सौलह हजार एक सौ	09 माह	प्रथम
3	DMFT 45/26-27	धनबाद	वार्ड संख्या 17 में मून लाइट मैरेज हॉल से भूली बस्ती होते हुए अक्ष मस्जिद तक अमन सोसाइटी गेट संख्या 01 में बिटुमिनस सड़क का जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य	119.483	एक करोड़ उनीस लाख अड़तालिस हजार तीन सौ	09 माह	प्रथम
4	DMFT 46/26-27	झरिया	वार्ड संख्या 48 बरारी 1 नम्बर में काली मंदिर से शिशु विद्यालय से छठ तालाब से भूलन कार्यालय तक और छाता धौड़ा दुर्गा मंदिर तक कालीकृत पथ निर्माण	135.117	एक करोड़ पैतीस लाख ग्यारह हजार सात सौ	09 माह	प्रथम
5	DMFT 47/26-27	धनबाद	वार्ड संख्या 23 भयाम बिहार कॉलोनी में हिमांशु मिश्रा का घर से विनायक अपार्टमेंन्ट होते हुए बनस्थली कॉलोनी तक एवं रघुवर नगर कुँज बिहार कॉलोनी में सड़क एवं नाली निर्माण	138.664	एक करोड़ अड़तीस लाख छियासठ हजार चार सौ	09 माह	प्रथम
6	DMFT 48/26-27	धनबाद	वार्ड संख्या 22 सुसनी लेबा में पी0सी0सी0 रोड से रघु साव के घर तक, अलीनगर मोड़ से बरवाड़ा में रोड तक गली नंबर 2, 3, 4 में सत्यम् नगर कॉलोनी एवं आयुश विहार कॉलोनी में सड़क सूसनीलेवा मिडिल स्कूल से आदिवासी बस्ती होते हुए मुख्य नाला तक नाली निर्माण	149.129	एक करोड़ उनचास लाख बारह हजार नौ सौ	09 माह	प्रथम
7	DMFT 49/26-27	टुण्डी	पोखरिया से विभोरी चेक डेम तक पथ निर्माण	99.885	निनानवे लाख अठासी हजार पाँच सौ	06 माह	प्रथम
8	DMFT 50/26-27	टुण्डी	पोखरिया पी0डब्ल्यु0डी0 रोड से भुकरा मुर्मू के घर तक पथ निर्माण	52.543	बावन लाख चौवन हजार तीन सौ	06 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– **24.08.2026**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– **16.09.2026** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– **18.09.2026** अपराह्न 3.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद, पिन– 826001
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0326–3554757

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.387732 Rural Work Department(26-27):D

कार्यालय, कृषि उत्पादन बाजार समिति, बोकारो

प्रेस विज्ञप्ति

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री आशिष कुमार गुप्ता, मे0 चंन्दन स्टोर, कृषि बाजार प्रांगण, चास का दुकान संख्या –91 एवं दुकान संख्या –118 का बारमदा को घेर कर दुकान का निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया है। अतिक्रमण हटाने हेतु आप से पत्राचार किया गया, परन्तु आपके द्वारा पत्र नहीं लिया गया है।

अतः आपको इस विज्ञप्ति द्वारा निदेश दिया जाता है कि उक्त अतिक्रमण को एक सप्ताह के अन्दर हटाना सुनिश्चित करें, अन्यथा आपके विरूद्ध नियम संगत कार्रवाई की जाएगी।

पणन सचिव
कृषि उत्पादन बाजार समिति,बोकारो

PR 387658 Agriculture(26-27).D

लखीसराय के अशोकधाम में भगदड़ 7 की मौत, कई जख्मी

लखीसराय,(ईएमएस): बिहार के लखीसराय में सावन की तीसरी सोमवारी पर अशोक धाम मंदिर में बड़ा हादसा हो गया। भारी भीड़ के बीच भगदड़ मचने से सात कांवरियों की मौत हो गई, जबकि कई श्रद्धालु घायल हुए हैं। मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने सात मौतों की पुष्टि की है। घायलों का इलाज सदर अस्पताल और मंदिर परिसर में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में कराया जा रहा है। कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजे जाने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब छह बजे के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से मंदिर के बाहर बांस-बल्ले से बनाई गई बैरिकेडिंग टूट गई। इसी दौरान बैरिकेडिंग के पास लगा बिजली का पोल भी गिर गया। पोल गिरने के बाद करंट फैलने की अफवाह तेजी से फैल गई। इससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। भगदड़ में कई लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गए और कुचलकर घायल हो गए।

मृतकों की पहचान मनमाला देवी (४४), रिंकू देवी (५०), हेमलता देवी (५५), ललिता देवी (४५), सोनी देवी (५०) और संगीता देवी (४०) के रूप में हुई है। सभी मृतक लखीसराय, बड़हिया, मुंगेर और हलसी क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। कुछ घायलों की पहचान खुशबू कुमारी, शबनम कुमारी और स्वीटी कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी दौरान एक साथ दो ट्रेनें पहुंचने से भीड़ और बढ़ गई। अशोक धाम मंदिर से अशोक धाम हॉल्ट तक करीब दो किलोमीटर क्षेत्र में बैरिकेडिंग की गई थी।

प्रशासन ने सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की थी, लेकिन भीड़ के दबाव में व्यवस्था चरमरा गई। अशोक धाम मंदिर में १२ अगस्त २०१९ को भी भगदड़ की घटना हो चुकी है। इसके बावजूद मंदिर के बाहर कमजोर बांस-बल्ले की बैरिकेडिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने व्यवस्था में कमी और प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाया है। फिलहाल मंदिर परिसर में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। श्रद्धालु कतार में जलाभिषेक कर रहे हैं। सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने घटना की जांच कराने की बात कही है। फिलहाल राहत और बचाव के साथ मंदिर में व्यवस्था सुचारु रखना प्राथमिकता बताई गई है।

प्रशासनिक विफलता से गई श्रद्धालुओं की जान : राजेश राम

पटना (एजेंसी): लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से श्रद्धालुओं की मौत पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए इस घटना को प्रशासनिक विफलता का परिणाम बताया। साथ ही दोषी प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग राज्य सरकार से की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह दुर्घटना प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि सोमवारी के अवसर पर अशोकधाम मंदिर के महत्व और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन को पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बावजूद इतनी बड़ी चूक हो गई। उन्होंने बताया कि अब तक इस हादसे में ७ महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि २३ से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें ३ घायलों की हालत गंभीर है। उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। तीसरी सोमवारी के अवसर पर करीब ५० हजार श्रद्धालु ऐतिहासिक शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे। राजेश राम ने राज्य सरकार से दोषी प्रशासनिक अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने सरकार द्वारा घोषित मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की। साथ ही घायलों का सरकारी खर्च पर समुचित इलाज कराने और उन्हें भी उचित मुआवजा देने की मांग की।

गंगा-कमला नदी में डूबने से 7 बच्चों की मौत

पटना,(ईएमएस) : सावन के तीसरे सोमवार को बिहार में दो बड़ी दुखद घटनाएं सामने आईं, जहां गंगा और कमला नदियों में डूबने से कुल ७ बच्चों की मौत हो गई। इसमें ४ लड़कियां और ३ लड़के शामिल हैं।

पटना जिले के रानीसराय गांव में, सावन की सोमवारी पर गंगा स्नान के लिए गईं ७ बच्चियां गहरे पानी में चली गईं। इस हादसे में तीन बच्चियों के शव बरामद हुए हैं, जबकि एक बच्ची अभी भी लापता है। लोगों ने बांस फेंककर फुर्ती दिखाकर तीन अन्य बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ये सभी बच्चियां एक ही परिवार की थीं और इनकी उम्र १४ से १७ साल के बीच थी। मृतकों में दो सगी बहनें आरती और नंदनी शामिल थीं, हालांकि नंदनी का शव मिल गया है और आरती लापता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता बच्ची की तलाश जारी है। प्रशासन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को ४ लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है।

वहीं, कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र में कमला नदी में डूबने से तीन लड़कों की जान चली गई। मृतक बच्चों की पहचान सत्यम कुमार (१३), दिव्यांशु कुमार (९) और अमन कुमार (११) के रूप में हुई है। ये तीनों बच्चे नदी में डुबकी लगाने गए थे, जहां गहरे पानी में चले जाने से यह हादसा हुआ। इस घटना में कुल ७ बच्चे डूबे थे, जिनमें से ४ को सुरक्षित बचा लिया गया। दोनों ही घटनाओं से संबंधित परिवारों में मातम पसरा है।

बिहार के 44 माइनिंग ब्लॉकों का होगा सर्वे : सीएम सम्राट

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज होटल मौर्या में कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण एवं सामरिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी एवं एन०एम०ई०डी०टी० के कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिहार के ४४ माइनिंग ब्लॉक का सरकार द्वारा सर्वे कराया जाएगा और रिकॉर्ड ९ महीने के भीतर खनन ब्लॉक को शुरू करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि १५ अक्टूबर से बिहार में खनन कार्य शुरू करने की दिशा में पहल होगी।
साथ ही राज्य में खनिज केंद्र स्थापित करने के साथ नवंबर तक ५ लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि खनिजों से प्राप्त होने वाली रॉयल्टी का उपयोग बिहार की जनता के हित और राज्य के विकास के लिए किया जाएगा तथा खनिज संपदा का किसी भी स्तर पर दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार के आठवें चरण के खनिज ब्लॉकों की नीलामी के कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में खनिज ब्लॉकों का अध्ययन कराया गया है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है और उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत तथा पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करना है। वर्ष २००५ के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में कई विकास कार्य किए गए हैं तथा आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में पत्थर सहित अन्य खनिज तत्वों की आवश्यकता पड़ती है, इसलिए बिहार के संसाधनों का उपयोग जनता के हित में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई खनिज ब्लॉकों का टेंडर किया गया है और कई की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि पदाधिकारी इस दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं और ९ महीने में इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ४४ कोल ब्लॉकों में से २८ कोल ब्लॉकों में सर्वे का कार्य आगे बढ़ चुका है तथा ३० सितम्बर से पहले ३० से अधिक कोल ब्लॉक आवंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि १५ अक्टूबर से बिहार में खनन कार्य शुरू करने की दिशा में पहल होगी।

प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा में ली शपथ

पटना,(ईएमएस) : जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार विधानसभा में बांकीपुर विधायक के रूप में शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की मौजूदगी में शपथ लेने के बाद किशोर ने इसे अपने लिए गर्व और जिम्मेदारी का पल बताया।

शपथ लेने के बाद विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जिस सदन में श्रीकृष्ण सिंह, कर्पूरी ठाकुर, अनुग्रह नारायण सिंह, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, केदार पांडे, राम विलास पासवान और सुशील कुमार मोदी जैसे नेताओं ने सेवा की है, उसका सदस्य बनना उनके लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि समाज और बिहार की बेहतरी के लिए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष समर्पित करने वाले सैकड़ों विधायकों की तरह काम करना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है। किशोर ने कहा कि विधानसभा सदस्य के तौर पर उनकी प्राथमिकता राज्य और समाज के हित में काम करना होगी। यहां बताते चलें कि प्रशांत किशोर ने ३ अगस्त को बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जीत दर्ज कर अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत की थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को १९,३२४ वोटों के अंतर से हराया। किशोर को ६४,१५१ वोट मिले, जबकि नीरज कुमार को ४४,८२७ मत प्राप्त हुए। बांकीपुर सीट लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी, जिसके कारण उपचुनाव कराया गया। नितिन नवीन और उनके दिवंगत पिता नवीन चंद्र सिन्हा १९९५ से इस सीट का प्रतिनिधित्व करते रहे थे।

जन सुराज पार्टी अब राज्य में अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर सितंबर में बिहार का राज्यव्यापी दौरा कर सकते हैं। इस दौरान वह विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं और आम लोगों से संवाद करेंगे।

अखिलेश का लोधी दांवः बीजेपी के कोर वोट बैंक पर सपा की नजर

लखनऊ,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश की राजनीति में २०२७ विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक प्रमुख और पारंपरिक वोट बैंक, लोधी समाज को साधने का बड़ा अभियान शुरू किया है। राज्य की कुल आबादी का भले ही ४-५ प्रतिशत होने के बावजूद, लोधी समुदाय रुहेलखंड, ब्रज और बुंदेलखंड सहित करीब २३ जिलों और ६५ विधानसभा सीटों पर चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की ताकत रखता है।

ऐतिहासिक रूप से, ओबीसी समुदाय दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और वरिष्ठ नेता उमा भारती के प्रभाव के कारण बीजेपी का एक मजबूत आधार रहा है। मंडल आयोग के दौर से ही लोधी समाज ने बीजेपी को अपना पारंपरिक समर्थन दिया है। हालांकि, कल्याण सिंह के निधन और उमा भारती की सक्रिय राजनीति में कम होती भूमिका के बाद, सपा इस वोट बैंक में सेंधमारी का मौका देख रही है।

इसी कड़ी में अखिलेश यादव

ने हाल ही में देश की स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्यौछावर करने वाली वीरांगना अवंती बाई लोधी की १९६वीं जयंती पर लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया।

इस मौके पर उन्होंने राजधानी के गोमती रिवरफ्रंट पर अवंती बाई की सोने की तलवार के साथ भव्य प्रतिमा स्थापित करने और १६ अगस्त को उनकी जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने का वादा किया। अखिलेश ने अपने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव के लिए एक-एक वोट जोड़ने और अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति के तहत सभी वर्गों को एक गुलदस्ते के रूप में साथ लाने का आह्वान किया।

सपा का मानना है कि २०२४ के लोकसभा चुनावों में एटा में कल्याण सिंह के बेटे की हार और फर्रुखाबाद में बेहद कड़े मुकाबले जैसे नतीजों ने लोधी समाज में बिखराव के संकेत दिए हैं। इसी से उत्साहित होकर सपा ने हमीरपुर-महोबा जैसे लोधी बहुल क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सपा केवल सांस्कृतिक घोषणाएं नहीं कर रही, बल्कि २०२७ के चुनाव के लिए संभावित लोधी उम्मीदवारों की प्रोफाइल भी तैयार कर रही है। दूसरी ओर, बीजेपी भी अपने इस कोर वोट बैंक में संभावित सेंधमारी को लेकर पूरी तरह से सतर्क हो गई है।

आतंक के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शहजाद भट्टी नेटवर्क पर शिकंजा

नई दिल्ली(ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान स्थित बुस्बु समर्थित बताए जा रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई की। गृह मंत्रालय के मुताबिक, १४ राज्यों में चलाए गए समन्वित ऑपरेशन के दौरान २५३ लोगों को हिरासत में लिया गया और ८० से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गईं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा बलों ने नेटवर्क के कथित हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति का उदाहरण बताया। गृह मंत्रालय के अनुसार कार्रवाई में आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्टल, जिंदा कारतूस और सीसीटीवी कैमरे बरामद किए गए। एजेंसियों को आशंका है कि सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल पुलिस, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और अन्य संवेदनशील स्थानों की रेकी के लिए किया जा रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, नेटवर्क पर ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों के साथ-साथ टारगेटेड किलिंग की साजिश से जुड़े होने के आरोप हैं। स्थानीय लोगों को कथित तौर पर रेकी और निगरानी के लिए पैसे दिए जाने की बात भी सामने आई है।

१२ अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम इंटेलिजेंस साझा करते हुए अभियान चलाया गया। कार्रवाई का दायरा उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर सहित १४ राज्यों तक रहा। हिरासत में लिए गए लोगों में उत्तर प्रदेश से ६२, हरियाणा से ५२, दिल्ली से ५१ और पंजाब से ४४ लोग शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान से १५, महाराष्ट्र से ८, उत्तराखंड से ५, जबकि कर्नाटक, गुजरात और बिहार से तीन-तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरल से दो-दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी दी गई है।

BEFORE THE COURT OF EXECUTIVE MAGISTRATE, (Sub-Divisional Dhanbad)

AFFIDAVIT

I, SUNITA KUMARI SHARMA W/o Surendar Kumar Sharma, aged about-45 years, by faith-Hindu, by occupation-Housewife, R/o Poddar Para, Behind of Usha Talkies, Jharia, P.O. + P.S.-Jharia, Dist.-Dhanbad, State-Jharkhand, Pin-828111, Aadhaar No.-7155 4057 1260, do hereby solemnly affirm and declare on oath as follows:-
1. That, in my Aadhaar card vide No.-7155 4057 1260 & PAN No.-MUIPS8447P, in which my true and correct name has been mentioned as SUNITA KUMARI SHARMA.
2. That, my minor Son namely YUVRAJ KAUSHIK.
3. That, my minor Son CISCE, New Delhi, passing certificate in the year 2025, bearing Unique ID No. 8547817 in which my name has been wrongly mentioned in school record as SONA SHARMA in place of SUNITA KUMARI SHARMA.
4. That, both the names SUNITA KUMARI SHARMA and SONA SHARMA are one and same lady i.e. myself.
5. That, the above given statements are fully correct and genuine to the best of my Knowledge and belief.
6. That, I am swearing this affidavit to produce it before the school authority concerned for information and for needful Purpose.
Sl. No 46557 Date. 12/8/26

सिक्किम मतदाता सूची पर सुप्रीम कोर्ट का फैसलाः 2002 ही रहेगा आधार वर्ष

नई दिल्ली,(ईएमएस) : सुप्रीम कोर्ट ने सिक्किम में मतदाता सूची (एसआईआर) के लिए २००२ को आधार वर्ष बनाए रखने के चुनाव आयोग के फैसले में हस्तक्षेप करने से इंकार किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने १९९३ को आधार वर्ष बनाने की मांग वाली याचिका को सोमवार को खारिज किया।

याचिकाकर्ता संगठन ने तर्क दिया था कि २००२ में तैयार मतदाता सूची का डेटा सिक्किम के वास्तविक जनसांख्यिकीय आंकड़ों से मेल नहीं खाता, जिससे वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच में आधार वर्ष नहीं बदला जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग ने पूरे देश में २००२ को ही आधार वर्ष माना है, क्योंकि तभी अंतिम व्यापक पुनरीक्षण हुआ था। न्यायालय ने कहा कि २००२ की वोटर लिस्ट में दर्ज मतदाताओं ने बाद के चुनावों में मतदान भी किया है। कोर्ट ने किसी एक संगठन की याचिका पर चुनाव आयोग के निर्णय में दखल देना उचित नहीं समझा, लेकिन याचिकाकर्ता को सिक्किम के लिए उचित छूट या रियायत मांगने हेतु चुनाव आयोग से संपर्क करने की अनुमति दी है।

निशांत कुमार ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

देवघर (एजेंसी): बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार रविवार को देवघर पहुंचे, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। मंदिर में संकल्प के बाद उन्होंने अर्घ्य अर्पित करते हुए बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक किया और राज्य तथा देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और उन्होंने श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। पूजा-अर्चना के बाद निशांत कुमार मंदिर परिसर से बाहर निकले और पास की गली में स्थित चूड़ी-लहठी की दुकान पर पहुंचे।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

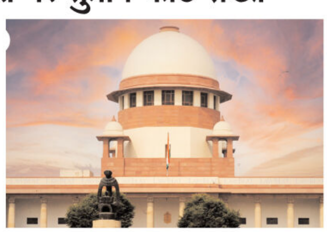

नई दिल्ली(ईएमएस): त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई टिकटों के दाम अचानक बढ़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अगर एयरलाइंस तय नियमों का पालन नहीं कर रही हैं तो उनकी उड़ानें रोक दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि यात्रियों के हित में व्यवस्था तो बनाई गई है, लेकिन उसके पालन और नियमन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने बताया कि हवाई किराए और शुल्क से जुड़े नए नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। उन्होंने कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में नियमों का मसौदा भी सौंपा। केंद्र ने कहा कि नियमों को अंतिम रूप देने में तीन हफ्ते का समय लगेगा और इसके बाद इसे कोर्ट के विचार के लिए पेश किया जाएगा।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नागरिक उड्डयन मंत्री ने संसद में कहा है कि सरकार हवाई किराए पर कोई सीमा तय नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता का आरोप है कि एयरलाइंस जिस तरह से यात्रियों से शुल्क वसूल रही हैं, उसके लिए बनाए गए आधिकारिक नियमों का प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो रहा है। इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता एस। लक्ष्मी नारायणन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में निजी एयरलाइंस पर मनमाने तरीके से किराया तय करने और अलग-अलग अतिरिक्त शुल्क वसूलने का आरोप लगाया गया है। याचिका में हवाई किराए को पारदर्शी बनाने और यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए मजबूत नियामक व्यवस्था बनाने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी

नई दिल्ली(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगा दी है। सीबीआई और ईडी को भी निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। सीबीआई अभी सिर्फ एक शिकायत की जांच कर रही है। बेंच ने पूछा कि अगर मामला इतना गंभीर है, तो सीबीआई-ईडी को जांच के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है।

राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया था। राहुल ने मामले की सुनवाई किसी दूसरे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग भी की है। मामले की अगली सुनवाई २० अगस्त को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने २० जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया था। कोर्ट ने एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी को जांच की अब तक की स्थिति बताते हुए नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई का पहले दाखिल किया गया हलफनामा उसके पुराने आदेश के मुताबिक नहीं था। कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले सीबीआई के नई दिल्ली के एंटी करप्शन हेडक्वार्टर के संबंधित जोन के जॉइंट डायरेक्टर को व्यक्तिगत रूप से नया हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता विघ्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया था। उन्होंने सीबीआई और ईडी से इसकी जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद कोर्ट ने आरोपों के वेरिफिकेशन के आदेश दिए थे। इस मामले में सीबीआई विघ्नेश शिशिर से पूछताछ भी कर चुकी है।

कोर्ट में ६ मई को पहली बार सुनवाई हुई थी। कोर्ट से एजेंसियों ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था।

जैश, तालिबान और आरएसएस में कोई फर्क नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली(ईएमएस): वंदे मातरम विवाद पर केरल यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल के बयान पर केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि उन्होंने आरएसएस पर सही निशाना साधा है क्योंकि वे न तो वंदे मातरम गाते हैं, न ही राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद, तालिबान और आरएसएस में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये तीनों भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं। ये बयान वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद आए हैं, जिसमें उन पर 'वंदे मातरम' गाए जाने के दौरान बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। साथ ही, केरल के वीसी मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस की एक सभा में राष्ट्रीय गीत का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए हाल ही में टिप्पणी की थी।

महिलाओं की भागीदारी से विकास अधिक मानवीय बनता है : राज्यपाल

रांची (एजेंसी): राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि महिलाएं आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियां देश के लिए गौरव का विषय हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से विकास में संवेदना जुड़ती है और विकास अधिक मानवीय बनता है।

राज्यपाल सोमवार को ऑड्रे हाउस, रांची में डॉ. शोभा विजेन्द्र की पुस्तक 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' पर आयोजित परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक एक शताब्दी की यात्रा के संदर्भ में महिलाओं की सहभागिता और समाज निर्माण में उनकी भूमिका को समझने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया जा रहा है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन की प्रक्रिया आगे बढ़नी है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से वे देश की नीतियों और विकास की दिशा तय करने में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। विकसित भारत-२०४७ के निर्माण में नारी शक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाएं अपने दायित्वों का कुशलता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन कर रही हैं। महिला सहभागिता की शुरुआत परिवार से होती है और इसका प्रभाव समाज तथा राष्ट्र तक पहुंचता है। शिक्षित महिला आने वाली पीढ़ी की दिशा तय करती है, जबकि आत्मनिर्भर महिला परिवार और समाज में आत्मविश्वास एवं परिवर्तन की नई चेतना पैदा करती है।

उन्होंने पुस्तक की लेखिका डॉ. शोभा विजेन्द्र को बधाई देते हुए महिला एवं बाल कल्याण, सामाजिक सेवा, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में उनके कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने विश्वास जताया कि यह पुस्तक शोधार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नई पीढ़ी के लिए उपयोगी साबित होगी तथा महिला सहभागिता के विभिन्न आयामों पर सार्थक चिंतन को प्रेरित करेगी।

जेएसएससी कार्यालय में सीआईडी की छापेमारी, सचिव समेत अधिकारियों से पूछताछ; नियुक्ति घोटाले की जांच तेज

रांची (एजेंसी): झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) कार्यालय में सोमवार को सीआईडी ने छापेमारी की। यह कार्रवाई नियुक्ति घोटाले की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर की गई है। जानकारी के अनुसार, सीआईडी की टीम आयोग के सचिव सुधीर गुप्ता समेत अन्य सदस्यों और अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। सुधीर गुप्ता के आवास पर भी छापेमारी किए जाने की सूचना है।

दरअसल, जेपीएससी नियुक्ति घोटाले में गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के दौरान जेएसएससी में भी नियुक्तियों के दौरान पैसों के लेनदेन और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी से जुड़ी जानकारी सामने आई थी। आरोपितों ने कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं और नियुक्ति प्रक्रियाओं में अनियमितता की बात स्वीकार की थी।

जांच के दौरान जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्तियों में कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, अभय तिवारी पर अधिकारियों और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से कथित सांठगांठ कर पैसे लेकर सीटें उपलब्ध कराने का आरोप है। इस मामले में अभय तिवारी समेत अब तक २० लोगों की गिरफ्तारी की बात सामने आई है। जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते को भी सीआईडी गिरफ्तार कर चुकी है।

वहीं, जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ झारखंड में छात्रों का आंदोलन जारी है। भाजपा ने भी छात्रों के आंदोलन को समर्थन दिया है। छात्रों ने २० अगस्त को मुख्यमंत्री आवास घेराव की चेतावनी दी है। इससे पहले छात्र विधानसभा का घेराव भी कर चुके हैं। कई छात्र पिछले २४ दिनों से अनशन पर हैं। छात्र अब सीआईडी की कार्रवाई पर भी सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की जांच भी सीआईडी ने की थी और अपनी रिपोर्ट में पेपर लीक से इनकार किया था। हालांकि, अब जांच में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में भी कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोप सामने आने से जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

झारखंड पुलिस के 12 दारोगा बने इंस्पेक्टर 37 पुलिसकर्मियों को मिला प्रमोशन

रांची (एजेंसी): नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ अभियानों में बहादुरी और उत्कृष्ट कार्य करने वाले झारखंड पुलिस के ३७ पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति दी गई है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के तहत इनमें १२ दारोगाओं को इंस्पेक्टर बनाया गया है। इसके अलावा एएसआई, हवलदार और आरक्षी स्तर के कर्मियों को भी पदोन्नति का लाभ मिला है। डीजीपी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद पुलिस महानिरीक्षक (मानवाधिकार) की ओर से प्रोन्नति आदेश जारी किया गया। इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति पाने वाले दारोगाओं में सुशील टुड्डू, प्रभात रंजन राय, फागू होरो, रामेश्वर भगत, सत्येंद्र कुमार सिंह, अर्जुन कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, कुंदन कुमार, रौशन कुमार सिंह, विक्रांत कुमार, सदानंद सिंह और विश्वजीत कुमार सिंह शामिल हैं।

इन पुलिसकर्मियों ने नक्सलियों और संगठित अपराधियों के खिलाफ विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी बहादुरी और बेहतर कार्य को देखते हुए उन्हें प्रोन्नति प्रदान की गई है। प्रोन्नति आदेश के अनुसार संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रोन्नत पद पर वरीयता का लाभ बहादुरी से जुड़ी घटना की तारीख से मिलेगा। हालांकि, बढ़े हुए वेतनमान का आर्थिक लाभ प्रोन्नत पद पर योगदान देने की तिथि से ही मिलेगा।

वहीं, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, हजारीबाग और रांची में तैनात कई हवलदारों और आरक्षियों को भी क्रमशः एएसआई और हवलदार के पद पर प्रोन्नति दी गई है। कुछ पुलिसकर्मियों को बैकडेट से प्रोन्नति और वरीयता का लाभ भी प्रदान किया गया है।

देवघर में श्रद्धालुओं की 10 किलोमीटर लंबी कतार

सुबह 4 बजे से जारी जलार्पण, नाग पंचमी और मनसा पूजा से बढ़ी भीड़

देवघर (एजेंसी): झारखंड स्थित देवघर में श्रावणी मेले की तीसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार रात से ही देश के अलग-अलग हिस्सों से कांवरियों और श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सोमवार सुबह तक बाबा मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु करीब १० किलोमीटर तक कतार में खड़े होकर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलार्पण की प्रतीक्षा करते नजर आए। पूरे क्षेत्र में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे।

श्रावणी मेले की तीसरी सोमवारी इस बार धार्मिक दृष्टि से भी विशेष मानी जा रही है। सोमवार को नाग पंचमी और मनसा पूजा का संयोग होने के कारण बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी हुई। रविवार देर रात से ही कांवरियों की भीड़ लगातार बढ़ती रही। सुबह होते-होते मंदिर परिसर से लेकर निर्धारित कतार मार्गों तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार दिखाई देने लगी।

बाबा बैद्यनाथ धाम में सोमवार सुबह करीब ४ बजे से जलार्पण का सिलसिला लगातार जारी रहा। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर मंदिर की ओर बढ़ते रहे। बड़ी संख्या में कांवरिया सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर पहुंचे और बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित किया। कांवरियों के साथ स्थानीय श्रद्धालुओं और दूसरे राज्यों से पहुंचे भक्तों की मौजूदगी से बाबाधाम में भीड़ काफी बढ़ गई।

तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कतार कई किलोमीटर तक पहुंच गई। बाबा मंदिर में जलार्पण के लिए श्रद्धालु करीब १० किलोमीटर लंबी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते रहे। कतार में शामिल भक्त लगातार बोल बम और हर-हर महादेव का उद्घोष करते रहे।

भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की ओर से निर्धारित मार्गों और प्रवेश व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को आगे बढ़ाया गया। मंदिर क्षेत्र के आसपास सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर विशेष निगरानी रखी गई। श्रावणी मेले के दौरान बड़ी संख्या में कांवरियों के पहुंचने को देखते हुए प्रशासन और पुलिस बल की तैनाती भी की गई है।

नाग पंचमी और मनसा पूजा से बढ़ी देवघर में भीड़

तीसरी सोमवारी के साथ नाग पंचमी और मनसा पूजा का संयोग होने से बाबा बैद्यनाथ धाम में धार्मिक गतिविधियां और तेज रहीं। सावन के सोमवार को भगवान शिव की पूजा और जलार्पण का विशेष महत्व माना जाता है। वहीं नाग पंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने नाग देवता की पूजा-अर्चना भी की। इन धार्मिक अवसरों के एक साथ पड़ने से देवघर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण करने के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं में बड़ी संख्या कांवरियों की रही। दूर-दराज से आने वाले कांवरिए सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचते हैं। सावन के दौरान कांवरिया पथ पर भी लगातार श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है।

सोमवार सुबह ४ बजे से बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के जलार्पण का क्रम जारी रहा। सुबह होने के साथ ही कतार में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई।

मंदिर परिसर के आसपास भक्तों की आवाजाही के कारण पूरा क्षेत्र धार्मिक वातावरण में डूबा रहा।

नॉन-एससीएस सेवा के अधिकारियों को आईएएस में प्रोन्नति की कवायद तेज, पांच नामों का पैनल बनेगा

रांची (एजेंसी): झारखंड में गैर-राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य सरकार को विभिन्न विभागों से अधिकारियों के नामों की अनुशंसा मिलनी शुरू हो गई है। भारत सरकार ने झारखंड के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति का एक पद निर्धारित किया है। इस एक पद के लिए राज्य सरकार पांच अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार करेगी।

कार्मिक विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस बार विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रस्तावों में महिला अधिकारियों की संख्या अधिक है। खासकर महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से बड़ी संख्या में प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा अन्य विभागों से भी अधिकारियों के नाम भेजे गए हैं। सीडीओ, सीडीपीओ समेत विभिन्न पदों पर कार्यरत महिला अधिकारियों के नामों की अनुशंसा इस बार अधिक संख्या में हुई है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली छंटनी समिति करेगी नामों पर विचार

राज्य सरकार को प्राप्त सभी प्रस्तावों की जल्द समीक्षा की जाएगी। इसके बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित छंटनी समिति अधिकारियों के नामों और उनकी पात्रता पर विचार करेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर पांच अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार किया जाएगा।

छंटनी समिति की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार की ओर से अनुशंसा भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय को भेजी जाएगी। वहां से प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जाएगा। इसके बाद आयोग की बोर्ड बैठक में झारखंड के लिए उपलब्ध एक भारतीय प्रशासनिक सेवा के पद पर प्रोन्नति के लिए अधिकारियों के नामों पर विचार किया जाएगा।

यह पद पूर्व झारखंड लोक सेवा आयोग के सचिव अजय कुमार सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद खाली हुआ है। इसी रिक्ति के आधार पर भारत सरकार ने झारखंड को गैर-सिविल सेवा के एक अधिकारी को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति देने के लिए एक पद उपलब्ध कराया है।

गैर-सिविल सेवा के अधिकारी वे होते हैं, जो झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नहीं होते, बल्कि राज्य की विभिन्न अन्य सेवाओं में कार्यरत रहते हैं। इनमें अभियंत्रण सेवा, महिला एवं बाल विकास सेवा, योजना एवं विकास सेवा, स्वास्थ्य सेवा समेत अन्य सेवाओं के अधिकारी शामिल हैं।

राज्य सरकार अब विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा के बाद पांच अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार करेगी। इसके बाद यह अनुशंसा केंद्र सरकार को भेजी जाएगी और आगे की प्रक्रिया संघ लोक सेवा आयोग के स्तर पर पूरी होगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

जेएसएससी-सीजीएल सहित---

गठित करने का निर्णय लिया गया है। समिति परीक्षा प्रणाली में जरूरी सुधारों का अध्ययन करेगी और आवश्यक सुझाव देगी। इसके अलावा सरकार ने राज्य के लोगों से भी परीक्षा सुधार को लेकर सुझाव मांगे हैं। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल पर सुझाव देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि नई परीक्षा व्यवस्था ऐसी हो, जिसमें किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रहे। परीक्षा संचालन से लेकर प्रश्नपत्र की सुरक्षा, एजेंसियों की भूमिका, मूल्यांकन और परिणाम तक पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए मजबूत कानून बनाया है और उसे लागू करने की क्षमता भी रखती है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के हित, उनके भविष्य और उनके विश्वास को किसी भी परिस्थिति में डगमगाने नहीं देना चाहती। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंदोलन के दौरान मंत्रियों के साथ छात्रों की पहले हुई बैठकों में परीक्षा सुधार से जुड़े कई मुद्दों पर सहमति बनी थी। सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए उन सहमत बिंदुओं को लागू करेगी।

सीएम ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन को लेकर सरकार की ओर से पहले से ही एसओपी यानी मानक संचालन प्रक्रिया बनी हुई है। यदि उसका पूरी तरह पालन किया जाता तो इस तरह की गड़बड़ियां नहीं होतीं। अब इस प्रक्रिया को और मजबूत किया जाएगा और इसमें नए प्रावधान जोड़े जाएंगे।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले को आंदोलनकारी छात्रों की बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सरकार ने फिलहाल कोई फैसला नहीं किया है।

१४वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, ११वीं से १३वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा, जेएसएससी बैकलॉग परीक्षा २०२३ एवं २०२५, बाल विकास परियोजना अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, वन क्षेत्र अधिकारी, सहायक वन संरक्षक, झारखंड पात्रता परीक्षा, अपर मुख्य जिला न्यायाधीश /सिविल जज परीक्षा, सहायक लोक अभियोजक-नियमित एवं बैकलॉग परीक्षा। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने आखिरकार जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने का ऐलान कर दिया। फैसला सुनते ही धरने पर बैठे छात्र भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मांग पूरी होने की खबर मिलते ही छात्र पहले तो विक्ट्री का निशान दिखाते हुए जश्न मनाने लगे। फिर उसी खुशी के बीच वे भावुक भी हो गए। कई छात्रों की आंखें भर आईं और कुछ फूट-फूट कर रोने लगे।

चंबा में बादल फटा---

बादल फटने की घटना की सूचना उन्हें मोबाइल फोन के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही वह स्थानीय लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उस समय करीब ४० से ५० श्रद्धालु रास्ते में फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए लकड़ी की अस्थायी पुलिया तैयार की और श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से आर-पार करवाया। पवन शर्मा ने बताया कि बादल फटने के बाद आए सैलाब में लोहे का पुल पूरी तरह बह गया है, जबकि पैदल रास्ते को भी काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए क्षतिग्रस्त पुल और रास्ते को जल्द बहाल किया जाए। वहीं बीच रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

7 महीने बाद नितिन--

और मधुचंद्र कर। **महासचिव-** सुनील बंसल, विनोद तावड़े, बिप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया। **संगठन महासचिव-** बीएल संतोष। **सह संगठन महासचिव-** सौदान सिंह, शिवप्रकाश **राष्ट्रीय सचिव-** कविता पाटीदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश पटेल, संदीप पाठक, फेंगनोन कोनयाक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगांका देब वर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश। **मोर्चा अध्यक्षों की लिस्ट-** हेमांग जोशी (युवा मोर्चा), रूप चौधरी (महिला मोर्चा), अमरपाल मौर्य (ओबीसी मोर्चा), शिवेश राम (एससी मोर्चा), बंसीलाल गुर्जर (किसान मोर्चा), मन्नालाल रावत (एसटी मोर्चा), कुंवर बासित अली (अल्पसंख्यक मोर्चा)।

कावेरी जल विवाद---

कर्नाटक के काबिनी, हरंगी और हेमावती बांधों में कुल ७७.५३७ थाउजेंड मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी) पानी जमा था, जिससे तमिलनाडु सरकार का तर्क है कि कर्नाटक को उसका तय हिस्सा जारी करने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

जयपुर एयरपोर्ट पर---

सेंटर (एओसीसी) और ग्राउंड व्हीकल मैनेजमेंट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। एयरपोर्ट के संवेदनशील एप्रन क्षेत्र में विमानों और ग्राउंड वाहनों की आवाजाही के दौरान सुरक्षा मानकों और समन्वय की अहम भूमिका होती है। प्रारंभिक जांच में ग्राउंड व्हीकल मैनेजमेंट में चूक की आशंका है, हालांकि वास्तविक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा कि आवश्यक कम्युनिकेशन और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या नहीं। एनसीसी कैडेट्स की फ्लाइंग ट्रेनिंग के लिए उपयोग होने वाले विमान की सुरक्षा को देखते हुए इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया जा रहा है।

जाति प्रमाणपत्र में पति का नाम होने पर अभ्यर्थी का जेपीएससी में नहीं हुआ था चयन, हाई कोर्ट से राहत, नियुक्ति की अनुशंसा का निर्देश

ठरपलहळ : झारखंड हाई कोर्ट ने जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने के कारण अनुसूचित जाति (एससी) कोटे में चयन से वंचित चंचला कुमारी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने जेपीएससी को आठ सप्ताह के भीतर उनकी नियुक्ति के लिए अनुशंसा करने का निर्देश दिया है। इसके बाद राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति पत्र जारी करना होगा। न्यायमूर्ति दीपक रौशन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारी की गलती का खामियाजा किसी अभ्यर्थी को नहीं भुगतना पड़ सकता। प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में हुई ऐसी त्रुटि, जो अभ्यर्थी की वजह से नहीं हुई है, उसके संवैधानिक आरक्षण अधिकार को खत्म करने का आधार नहीं बन सकती।

मामला ७वीं से १०वीं झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा-२०२१ से जुड़ा है। चंचला कुमारी ने जेपीएससी की विज्ञापन संख्या ०१/२०२१ के तहत परीक्षा दी थी। उन्होंने प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा में सफलता हासिल करने के बाद दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार में भी हिस्सा लिया था। दस्तावेज सत्यापन के दौरान उन्होंने २७ मार्च २०१९ को जारी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया, जिसमें पति का नाम दर्ज था। जेपीएससी के निर्देश पर उन्होंने ९ मई २०२२ को पिता के नाम से जारी दूसरा जाति प्रमाणपत्र भी जमा किया। इसके बावजूद ३१ मई २०२२ को जारी परिणाम में उनका चयन नहीं किया गया।

जेपीएससी ने आवेदन अस्वीकार करने का आधार यह बताया कि चंचला ने प्रारंभिक परीक्षा में एससी वर्ग का लाभ लिया था, जबकि अपलोड किए गए जाति प्रमाणपत्र में पति का नाम दर्ज था। हालांकि, चंचला ने ५९० अंक प्राप्त किए थे, जबकि एससी वर्ग का कटऑफ ५८३ अंक था। उनके अंक अंतिम चयनित एससी अभ्यर्थी से भी अधिक थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि चंचला ने जाति प्रमाणपत्र के लिए ४ जनवरी २०१९ को आवेदन किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने २५ फरवरी २०१९ को अधिकारियों को पिता के नाम के आधार पर जाति प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया था। हालांकि, यह निर्देश चंचला के आवेदन के बाद जारी हुआ था। इसके बावजूद कोडरमा के तत्कालीन एसडीओ ने २७ मार्च २०१९ को पति के नाम के आधार पर प्रमाणपत्र जारी किया।

अदालत ने कहा कि यदि सरकारी अधिकारियों से प्रक्रिया के पालन में कोई गलती हुई है तो इसके लिए अभ्यर्थी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने यह भी पाया कि २५ फरवरी २०१९ का सरकारी पत्र राजपत्र में प्रकाशित नहीं हुआ था और उसे कानून, नियम, विनियम, अधिसूचना या सरकारी संकल्प का वैधानिक दर्जा भी प्राप्त नहीं था। दोनों जाति प्रमाणपत्रों की तुलना में अदालत ने पाया कि २७ मार्च २०१९ और ९ मई २०२२ के प्रमाणपत्रों में चंचला का स्थायी पता और जाति समान थी। यह मामला विवाह के बाद पति की जाति के आधार पर आरक्षण का लाभ लेने का नहीं था। बाद के प्रमाणपत्र में केवल पति की जगह पिता का नाम दर्ज किया गया था।

जेपीएससी की ओर से दलील दी गई कि आवेदन के समय पिता के नाम वाला प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं था और बाद में नया प्रमाणपत्र देना विज्ञापन की शर्तों में बदलाव के समान होगा। हाई कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि जेपीएससी यह साबित नहीं कर सका कि २७ मार्च २०१९ का जाति प्रमाणपत्र गलत प्रारूप में था या सक्षम अधिकारी ने उसे जारी नहीं किया था। प्रमाणपत्र सक्षम प्राधिकारी एसडीओ ने जारी किया था और यह विज्ञापन में निर्धारित प्रारूप से भी मेल खाता था। अदालत ने यह भी ध्यान दिलाया कि विज्ञापन के प्रोफॉर्मा-खत में पिता के साथ पति का नाम दर्ज करने का प्रावधान मौजूद था।

हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जाति प्रमाणपत्र किसी व्यक्ति की पहले से मौजूद जातिगत स्थिति का प्रमाण है। प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में हुई ऐसी गलती, जिसमें अभ्यर्थी की कोई भूमिका नहीं थी, उसके आरक्षण के संवैधानिक अधिकार को समाप्त करने का आधार नहीं बन सकती। अदालत के आदेश के बाद अब जेपीएससी को आठ सप्ताह के भीतर चंचला कुमारी की नियुक्ति की अनुशंसा करनी होगी। इसके बाद राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर उन्हें नियुक्ति पत्र जारी करना होगा।

जब घर पर न लगे मन, तो इन 3 हॉबीज से संवारें अपना खाली वक्त

घर पर खाली समय में बोरियत को दूर करने के लिए तीन माइंडफुल हॉबीज अपनाई जा सकती हैं। जानते हैं ये तीनों एक्टिविटी कैसे आपको फायदो पहुंचा सकती हैं?

जब अपनी बिजी लाइफ में से हमें थोड़ा सा खाली वक्त मिलता है, तो घर पर बैठे-बैठे मन अजीब सी बोरियत या उदासी से घिर जाता है। ऐसे समय को ज्यादातर महिलाएं फोन स्क्रॉल करने में बिताती है। जबकि, खुद को किसी क्रिएटिविटी और शांत काम में लगाना, मानसिक सेहत के लिए वरदान साबित होता है। बता दें, कुछ ऐसी माइंडफुल हॉबीज हैं, जो न सिर्फ आपका बेहतरीन टाइमपास कराएंगी, बल्कि आपके अंदर एक नई पॉजिटिव एनर्जी और खुशी भी लेकर आएंगी। ऐसे में इनके बारे में पता होना जरूरी है। आज हम आपको बताएंगे कि आप खाली समय में किन चीजों को अपनी हॉबीज बना सकती हैं।

गार्डनिंग

घर के खाली कोने या बालकनी में पेड़-पौधे लगाना न केवल आपके मन को शांत कर सकता है बल्कि ये एक सबसे खूबसूरत तरीका है, खुद को खुश रखना। जब आप मिट्टी को छूते हैं, बीजों को बोते हैं और उन्हें रोज बढ़ते हुए देखते हैं, तो इससे स्ट्रेस तेजी से कम होता है। गार्डनिंग हमें नेचर से जोड़ती है। सुबह-सुबह अपने हाथ से उगाए गए फूलों या हरी-भरी पत्तियों को देखना आपके पूरे दिन को ताजगी से भर देता है।

जर्नलिंग

जर्नलिंग का सीधा मतलब है अपनी फीलिंग, सोच और एक्सपीरियंस को एक डायरी में लिखना है। कई बार घर पर अकेले रहने से दिमाग में विचारों का तूफान चलने लगता है। ऐसे में जब आप पेन उठाकर अपने दिल की बात कागज पर लिखते हैं, तो मन का बोझ पूरी तरह हल्का हो जाता है। आप इसमें अपने दिनभर के अच्छे काम, अपनी फ्यूचर प्लानिंग या उन चीजों की लिस्ट बना सकते हैं, जिनके लिए मन से खुश हैं। इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

एडल्ट कलरिंग

कलरिंग या रंग भरना सिर्फ बच्चों का खेल नहीं है, बल्कि आजकल बड़ों के लिए एडल्ट कलरिंग बुक्स बेहद फेमस हो रही हैं। खूबसूरत डिजाइनों (जैसे मंडाला आर्ट) में अपनी पसंद के रंग भरना एक थेरेपी की तरह काम करता है। जब आप रंग भरते हैं, तो आपका दिमाग पूरी तरह एकाग्र हो जाता है और फालतू बातें नहीं सोचता है। यह आपकी क्रिएटिविटी को जगाने का एक अच्छा तरीका है।

सावन आते ही लौट आती हैं ये परंपराएं

वो मान्यताएं जिन्हें आज भी लोग शौक से निभाते हैं

आज किसी से पूछो की सावन में क्या-क्या होता है, तो यकीनन उत्तर कावड़ यात्रा और शिव भक्ति होगा, लेकिन आपको बता दें कि यह पर्व प्रकृति से जुड़ने, रिश्तों में मिठास घोलने और खुशियां मनाने का भी है।

सावन के महीने को भक्ति, हरियाली, सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पहले गांवों में इस समय जगह-जगह पर झूले लगाए और लोकगीत गाए जाते थे। हालांकि, बदलते समय के साथ पुरानी ये परंपराएं अब गुम सी होती जा रही हैं। आज हम इस लेख में आपको उन पुरानी परंपराओं और मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस महीने की जान हैं।

सावन के झूले और कजरी के गीत

पुराने समय में गांव और कस्बें में लड़कियां और महिलाएं एक साथ एकत्र होकर झूला झूलती थीं और कजरी गाया करती थीं। सावन आते ही बाग-बगीचों और घरों के आंगनों में पेड़ों की मजबूत डालियों पर झूले डाल दिए जाते हैं। हालांकि, पहले के मुकाबले अब ये परंपराएं कुछ ही जगहों पर देखने को मिलती हैं। मगर जो बात बड़े पेड़ों पर लगे लकड़ी के पटरे वाले झूले और पींग मारने में हुआ करता था वह गायब सा हो गया है।

हाथों में हरी चूड़ियां और मेहंदी

सावन में चारों तरफ हरा-भरा दिखाई देता है। इस हरे रंग को समृद्धि, सौभाग्य और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि सावन के महीने में सुहागिन महिलाएं और लड़कियां हाथों में हरी चूड़ियां पहनती हैं और मेहंदी लगाती हैं।

घेवर बनाने की परंपरा

सावन के महीने का जायका घेवर के बिना अधूरा माना जाता है। उत्तर भारत में सावन के दौरान ही घेवर बनाया और खाया जाता है। इस महीने में सावन की तीज पर नवविवाहित बेटियों के ससुराल में मायके से घेवर, कपड़े, चूड़ियां और श्रृंगार का सामान भेजने की सदियों पुरानी परंपरा है। यह रिवाज रिश्तों को मजबूत करने और बेटी के प्रति प्यार जाहिर करने का एक सुंदर तरीका है।

सावन में घर पर कैसे डालें झूला

आप सावन में अपने घर पर भी झूला डाल सकती हैं। हम आपको आसान तरीका बता रहे हैं-

- **सही जगह चुनें:** मजबूत पेड़ की डाल, मजबूत छत का हुक या लोहे की ग्रिल।
- **मजबूत रस्सी चुनें:** नायलॉन, सूती या जूट की मोटी रस्सी लें।
- **लकड़ी की पटरी या तख्ता:** बैठने के लिए मजबूत लकड़ी का बोर्ड लें।
- **पटरी में छेद करें:** बोर्ड के दोनों ओर रस्सी बांधने के लिए दो-दो छेद बनाएं।
- **रस्सी को मजबूती से बांधें:** अब तख्ते और हुक पर सेफ्टी नॉट (मजबूत गांठ) लगाएं।
- **सजावट करें:** गेंदे के फूलों, आम के पत्तों या सुंदर कपड़ों से झूले को सजाएं।
- **सेफ्टी चेक करें:** झूले पर बैठने से पहले थोड़ा वजन डालकर मजबूती जरूर चेक करें।

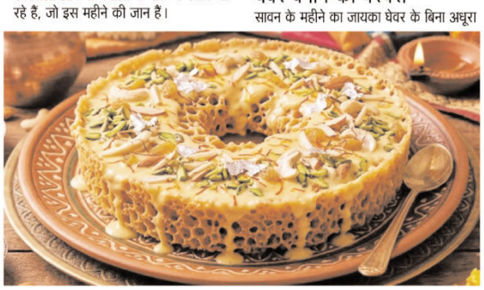

हरे कपड़े और सुहाग के त्योहार

सावन में पड़ने वाली हरियाली तीज और नाग पंचमी जैसे त्योहारों पर महिलाएं विशेष रूप से हरे रंग की साड़ियां या पारंपरिक परिधान पहनती हैं। इस दिन महिलाएं माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करके अपने परिवार की सुख-समृद्धि और पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं।

कांवड़ यात्रा होती है बेहद खास

सावन की सबसे बड़ी और भव्य परंपराओं में से एक है कांवड़ यात्रा। शिवभक्त नंगे पैर गंगाजी या पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों या स्थानीय शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। यह परंपरा अनुशासन, त्याग, भक्ति और अटूट विश्वास का उदाहरण है।

सात्विक जीवन और सावन के सोम

सावन के महीने में खान-पान को लेकर भी विशेष नियम निभाए जाते हैं। लोग पूरे महीने प्याज, लहसुन, मांस-मदिरा से दूर रहकर सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। सावन के सोमवार के व्रत रखने की परंपरा बहुत पुरानी है। इसके पीछे धार्मिक मान्यता तो है ही, साथ ही स्वास्थ्य संबंधी कारण भी है वर्षा ऋतु में पाचन क्रिया धीमी हो जाती है, इसलिए सात्विक और हल्का भोजन करने की सलाह दी जाती है।

सावन में आखिर क्यों हर घर में डाला जाता है झूला

सावन का महीना आते ही चारों ओर हरियाली छा जाती है। पेड़ों पर नए पत्ते आ जाते हैं। मौसम सुहावना हो जाता है। इस दौरान मंदिर से लेकर घरों तक में शिवभक्ति का माहौल रहता है। वहीं, एक और चीज है, जो सावन की पहचान मानी जाती है और वह झूला है। आपने देखा होगा कि सावन में लोगों के घरों में झुले डाल दिए जाते हैं। महिलाएं और लड़कियां सज-धजकर झूला झूलती हैं, सावन के गीत गाती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर सावन में झूला लगाने की परंपरा कैसे शुरू हुई? इसके पीछे सिर्फ मौसम ही नहीं बल्कि धार्मिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं।

सावन को हरियाली, खुशियों और उत्सव का महीना माना जाता है। इस समय मौसम ठंडा और सुहावना होता है। इसलिए पुराने समय से लोग पेड़ों पर झूले डालकर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताते थे। खासकर महिलाएं और लड़कियां सावन में झूला झूलते हुए लोकगीत गाती थीं। धीरे-धीरे यही परंपरा सावन के सबसे खास रीति-रिवाजों में शामिल हो गई।

माता पार्वती से जुड़ी है सावन में झूला झूलने की परंपरा

धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव ने सावन के महीने में माता पार्वती के लिए झूला लगाया था और उन्हें प्रेम से झूला झुलाया था। इसी वजह से झूला पति-पत्नी के बीच प्यार, सम्मान और अच्छे रिश्ते का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जो दंपति सावन में साथ मिलकर झूला झूलते हैं, उनके रिश्ते में अपनापन और प्रेम बना रहता है।

हालांकि, यह धार्मिक मान्यता है और अलग-अलग जगहों पर इसे अलग तरीके से माना जाता है। एक और कहावत सुनने को मिलती है कि सावन में माता पार्वती अपने मायके आईं थीं। वहां, उन्होंने अपने सखियों के साथ झूला लगाया और झूला भी। इस दौरान उन्होंने लोक गीत गाए और खुशियां मनाई। तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

भगवान कृष्ण और राधा रानी से भी जुड़ी है मान्यता

सावन में झूला झूलने की परंपरा का संबंध भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी से भी जोड़ा जाता है। ऐसी मान्यता है कि सावन के सुहाने मौसम में भगवान कृष्ण ने राधा रानी को झूला झुलाया था। इसके बाद से कई जगहों पर मंदिरों में राधा-कृष्ण के लिए भी सुंदर झूले सजाए जाते हैं। सावन के दौरान कई मंदिरों में झूलन उत्सव भी मनाया जाता है।

सावन में मंदिरों में सजाए जाते हैं झूले

सावन में कई मंदिरों में भगवान और देवी-देवताओं के लिए भी झूले सजाए जाते हैं। फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से इन झूलों को सुंदर बनाया जाता है। यह परंपरा कई राज्यों में आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जाती है।

सावन में झूला झूलने का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन में झूला झूलना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे परिवार में प्यार और एकता बनी रहती है। पति-पत्नी के रिश्ते में मधुरता आती है और माता पार्वती का आशीर्वाद मिलता है। वहीं, झूला झूलने से मन भी खुश रहता है और सावन के सुंदर मौसम का आनंद लेने का मौका मिलता है।

कहीं रोज-रोज का एक जैसा रूटीन आपके प्यार को फीका तो नहीं कर रहा?

लंबे रिश्तों में आने वाली बोरियत को दूर करने और प्यार को फिर से जगाने के लिए इस लेख में तरीके बताए गए हैं। रोजमर्रा के रूटीन में छोटे बदलाव और आपसी बातचीत से रिश्ते में नई जान डाली जा सकती है।

शुरुआती दिनों में देर रात तक बातें करना और एक-दूसरे को सरप्राइज देना, समय के साथ ये पीछे छूट जाता है। जब दो लोग शादी के पवित्र रिश्ते में बंधते हैं, तो अक्सर जिंदगी एक तय रूटीन पर चलने लगती है। सुबह उठना, ऑफिस जाना, घर लौटकर टीवी देखना और सो जाना। यह रोज का एक जैसा रूटीन अनजाने में ही पार्टनर्स के बीच एक दूरी पैदा कर देता है। इसे ही रिश्ते में बोरियत बढ़ती है। अगर समय रहते इस रूटीन को बदला न जाए, तो प्यार का रंग धीरे-धीरे फीका पड़ने लगता है। जीवन में कुछ बदलाव जरूरी है। ऐसे में इनके बारे में पता होना जरूरी है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि रिश्ते में क्यों आ जाती है बोरियत और इसे कैसे दूर करें?

रिश्ते में कैसे आती है बोरियत?

शुरुआत में जब कोई रिश्ता नया होता है, तो हर दिन एक नया मोड़ लेकर आता है, लेकिन जैसे-जैसे समय निकलता है, पार्टनर्स एक-दूसरे के साथ बहुत ज्यादा कंफर्टेबल हो जाते हैं। साथ ही रिश्ते में टेकन फॉर ग्रांटेड का भाव आने लगता है। घर की जिम्मेदारियां, पेरेंटिंग, ऑफिस स्ट्रेस और रोज के कामकाज जीवन पर इस कदर हावी हो जाते हैं कि दोनों पार्टनर्स के पास एक-दूसरे के लिए कुछ नया करने की एनर्जी ही नहीं बचती।

ऐसे में जब रिश्ते से सरप्राइज और एडवेंचर खत्म हो जाता है, तो वही पुराना रूटीन रिश्ते पर भारी पड़ने लगता है।

इस स्थिति से कैसे निपटें

- अगर आप भी इस बोरियत का सामना कर रहे हैं, तो पूरा रूटीन बदलने की जरूरत नहीं है। बस निम्न बदलाव करें-
- हफ्ते में कम से कम एक दिन ऐसा तय करें जब आप दोनों किसी नए कैफे में जाएं या घर पर ही साथ मिलकर खाना बनाएं।
- एडवेंचर के लिए हमेशा किसी बड़े वेकेशन या महंगे गिफ्ट की जरूरत नहीं होती। पार्टनर के जागने से पहले उनके लिए चाय बनाना, ऑफिस के बीच में एक छोटा सा 'आई मिस यू' का मैसेज भेजना या बिना किसी मौके के उनका पसंदीदा फूल लाकर देना खास महसूस करवाते हैं।

एक्सपर्ट की राय

कई बार पार्टनर्स मन ही मन उम्मीद करते हैं कि सामने वाला उनके लिए कुछ खास करे। अपनी इच्छाओं को खत्म करने के बजाय पार्टनर से खुलकर बात करें कि आप रिश्ते में क्या नयापन चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश से शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर मंडराया दोहारा खतरा

बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पर स्लो ओवर फेंकने पर 44,000 डॉलर का लग सकता है जुर्माना

डार्विन (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के बाद अब पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पर आईसीसी के स्लो ओवर-रेट नियमों के उल्लंघन का खतरा मंडरा रहा है। तीसरे दिन के खेल के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 90 ओवरों के मुकाबले महज 86 ओवर ही फेंक सकी थी। हालांकि यह मैच चौथे दिन ही खत्म हो गया, लेकिन नियम के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पर ओवर-रेट पेनल्टी और भारी जुर्माने की तलवार लटक रही है।

मैच फीस पर कटौती :आईसीसी के नियमों के तहत, निर्धारित समय से कम ओवर फेंकने पर प्रति ओवर 5 प्रतिशत मैच फीस काटने का प्रावधान है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की औसतन प्रति टेस्ट फीस लगभग 20,000 डॉलर मानी जाती है। ऐसे में 4 ओवर कम फेंकने के चलते पूरी प्लेइंग इलेवन पर संयुक्त रूप से 44,000 डॉलर (लगभग 4,000 प्रति खिलाड़ी) का जुर्माना लगाया जा सकता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर साइमन कैटिच ने भी इस धीमी ओवर-गति पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद निराशाजनक करार दिया है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नुकसान का डर :ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा झटका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में लग सकता है। फिलहाल 84 अंकों और 77.78न पॉइंट्स परसेंटेज के साथ टॉप पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया को अगर 4 अंकों की पेनल्टी मिलती है, तो उनके अंक घटकर 80 रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई फैंस के लिए यह स्थिति बेहद दर्दनाक हो सकती है, क्योंकि डब्ल्यूटीसी 2019-2021 साइकल में भी 2020 के भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्लो ओवर-रेट के कारण कटे 4 अंकों की वजह से ही टीम इंडिया से पीछे रहकर फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

डार्विन की भीषण गर्मी बन सकती है बचाव का जरिया
हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह दोषी ठहराए जाने से पहले मैच रेफरी का अंतिम फैसला आना बाकी है। माना जा रहा है कि डार्विन में पड़ी गर्मी और उमस को एक राहत देने वाले कारक के रूप में देखा जा सकता है। वैसे ओवर-रेट के मामले में सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नही, बल्कि बांग्लादेश की टीम भी धीमी रही थी जिसने साढ़े छह घंटे के खेल में केवल 77 ओवर फेंके थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि आईसीसी मैच रेफरी डार्विन के मौसम को ढाल मानते हैं या कमिंस की सेना पर सख्त रुख अपनाते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप :भारतीय जोड़ी अर्जुन-हरिहरन ने राउंड ऑफ-32 में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने घरेलू सरजमीं पर हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपना खाता खोला। पुरुष डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की भारतीय जोड़ी ने पहले दौर का मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स चोट के कारण मुकाबला पूरा नहीं कर सके।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा :इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जुन और हरिहरन ने शुरुआत से ही शानदार नियंत्रण बनाए रखा। आयरिश जोड़ी ने कुछ मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों को चुनौती जरूर दी, लेकिन अहम रैलियों में भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। अर्जुन और हरिहरन ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त, फिर आयरिश जोड़ी ने छोड़ा मैच :पहला गेम जीतने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय जारी रखी। अर्जुन और हरिहरन ने दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, इसके बाद आयरिश जोड़ी चोट की वजह से आगे नहीं खेल सकी और मुकाबला रोकना पड़ा। इस तरह भारतीय जोड़ी को वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत मिल गई और वह पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई।

पहला गेम रहा रोमांचक :पहले गेम में स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स ने भारतीय जोड़ी को आसानी से आगे नहीं बढ़ने दिया। दोनों टीमें कई रैलियों में बराबरी पर रहीं, लेकिन निर्णायक मौकों पर अर्जुन और हरिहरन ने बेहतर खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों ने मौके का फायदा उठाते हुए गेम को 21-16 से अपने नाम किया।

पीवी सिंधु विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ एक मेडल दूर

विश्व चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने 6वां मेडल जीतने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में 17 साल बाद बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के पास है। टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई है। सिंधु के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 मेडल हैं और वह रिकॉर्ड छठा मेडल जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी। 23 अगस्त को सभी 5 कैटेगरी के फाइनल होंगे। इसमें पुरुष सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला सिंगल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं।

पीवी सिंधु के पास इतिहास बचने का मौका :महिला सिंगल्स में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु भी उतरेंगी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु पहले राउंड में आज आयरलैंड की सोफिया नोबल का सामना करेंगी। 2019 की चैंपियन सिंधु के पास इस टूर्नामेंट में 5 मेडल हैं। 2019 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा 2017 और 2018 में सिल्वर जबकि 2013 और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सिंधु के पास विश्व चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है।

चीन की स्टार खिलाड़ी झांग निंग ने 2001 से 2007 के बीच विश्व चैंपियनशिप में 5 मेडल जीते थे। उनके नाम भी एक गोल्ड के अलावा दो सिल्वर और दो ही ब्रॉन्ज मेडला था। पीवी सिंधु के पास घरेलू दर्शकों के सामने निंग को पछाड़ने का मौका होगा।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन :
भारत ने 1983 में अपना पहला मेडल जीता था, जब प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। 2011 से भारत ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के हर एडिशन में कम से कम एक मेडल जीता है। लगातार 11 एडिशन में कुल 14 मेडल जीते हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का ऐसा रिकॉर्ड है जिसकी बराबरी सिर्फ चीन ने की है। हालांकि पीवी सिंधु के अलावा किसी भी भारतीय खिलाड़ी के पास गोल्ड मेडल नहीं है।

60 एक्स्ट्रा रन मिले और श्रीलंका खिलाड़ियों की 146 रन की पार्टनरशिप भी हो गई!

केएल राहुल छोड़ा एक बेहद आसान कैच, टीम इंडिया को भारी पड़ गया

गॉल (एजेंसी)। भारत को 178 रन की बढ़त, श्रीलंका 284 पर ऑलआउट हो गई। सुथार ने 4, तो जडेजा ने 3 विकेट लिए। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। श्रीलंका के स्टार मिडल ऑर्डर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की 80 रन की शानदार पारी ने गॉल टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ा दीं। लेकिन इस मजबूत पारी की नींव केएल राहुल के एक बेहद आसान कैच टपकाने से पड़ी थी। केएल राहुल ने इस मैच में डिकवेला का कैच एक ऐसे समय पर छोड़ दिया जब वे हाफ सेंचुरी तक भी नहीं पहुंचे थे। जिसके चलते टीम इंडिया को एक बड़ा नुकसान चुकाना पड़ा। मैच के उस मोड़ पर भारत का पलड़ा पूरी तरह भारी था क्योंकि श्रीलंका की आधी टीम महज 90 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। भारत के पास निचले क्रम को जल्द समेटकर शिकंजा कसने की पूरी गुंजाइश थी। 20 रन पर खेल रहे डिकवेला का यह आसान कैच हाथ से छूटते ही पूरी भारतीय टीम और गेंदबाज निराश हो गए।

146 रन की हुई पार्टनरशिप :इस मिले जीवनदान का डिकवेला ने पूरा फायदा उठाया और सोनल दिनुषा के साथ मिलकर 146 रनों की बड़ी साझेदारी रच डाली।

इसे कहते हैं संस्कार!

अरिहा पंगंबम को वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भी घमंड नहीं, घर आते ही माता-पिता से यूं लिया आशीर्वाद

मणिपुर (एजेंसी)। होनहार जिम्नास्ट अरिहा पंगंबम ने एशियन जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अरिहा ने फाइनल डे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप स्थान हासिल किया और देश का नाम रोशन किया।

चौथे-पांचवें स्थान से तय किया गोल्ड तक का सफर :अरिहा के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। इससे पहले भी एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर वह चौथे और पांचवें स्थान पर रह चुकी थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पिछली नाकामियों से सीख लेकर उन्होंने ठान लिया था कि वह अगली चैंपियनशिप से देश के लिए मेडल लेकर ही लौटेंगी और आखिरकार उनकी सालों की कड़ी मेहनत रंग लाई।

जीत के बाद सादगी ने जीता दिल, माता-पिता के पैर छूकर लिया आशीर्वाद :गोल्ड मेडल जीतकर जब अरिहा पंगंबम अपने घर पहुंचीं, तो उन्होंने एक ऐसा काम किया जिसने हर भारतीय का दिल जीत लिया। देश का नाम रोशन कर लौटीं अरिहा ने सबसे पहले झुककर अपने माता-पिता के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनके इस खूबसूरत पल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रविंद्र जडेजा के 350 विकेट पूरे, एक-दो नहीं बनाए तीन बड़े रिकॉर्ड

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे हो गए हैं। इसी के साथ ही यह भारतीय ऑलराउंडर लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाला तीसरा खिलाड़ी बन गया है। इसी के साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले और 350 विकेट तथा 4000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट करके 350 विकेट पूरे किए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में रंगना हेराथ पहले स्थान पर हैं जिन्होंने 433 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर 362 विकेट के साथ डैनियल विटोरी है। इसके बाद अब 350 टेस्ट विकेट्स के साथ जडेजा हैं। चौथे स्थान पर डेरेक अंडरवुड और पांचवें पर तैजुल इस्लाम हैं जिन्होंने लेफ्ट-आर्म स्पिनर के तौर पर क्रमशः 297 और 271 विकेट झटके हैं।

जडेजा ने खास मुकाम हासिल किया :अपने स्पेल के दौरान जडेजा ने एक और उपलब्धि अपने नाम की। वे टेस्ट में 4000 रन और 350 विकेट का डबल पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट

433 - रंगना हेराथ
362 - डैनियल विटोरी
350* - रवींद्र जडेजा
297 - डेरेक अंडरवुड
271 - तैजुल इस्लाम

कम से कम 125 टेस्ट विकेट लेने वाले सभी लेफ़्ट-आर्म स्पिनरों में, सिर्फ़ केशव महाराज का स्ट्राइक-रेट (56.4) जडेजा के 58.1 से बेहतर है।

टेस्ट क्रिकेट में 350 और उससे अधिक विकेट लेने वाले भारतीय

अनिल कुंबले - 619
रविचंद्रन अश्विन - 537
कपिल देव - 434
हरभजन सिंह - 417

इस फ़ॉर्मेट में केवल दो अन्य भारतीयों ने 300 से ज्यादा विकेट लिए हैं जिसमें इशांत शर्मा और जहीर खान (दोनों के 311 विकेट) शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग मैदान

यशस्वी जायसवाल ने सचिन और मांजरेकर के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मैदान पर उतरते ही एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गाले टेस्ट उनके टेस्ट करियर का 30वां मुकाबला है और दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने शुरुआती सभी 30 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले हैं। इसी के साथ जायसवाल ने भारत के उन चुनिंदा बल्लेबाजों के क्लब में जगह बना ली, जिसमें सचिन तेंदुलकर और संजय मांजरेकर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग-अलग वेन्यू :यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत से लेकर 30वें मुकाबले तक किसी भी वेन्यू पर दोबारा टेस्ट नहीं खेला है। उनके सभी 30 टेस्ट अलग-अलग स्टेडियम में हुए हैं। इस उपलब्धि के साथ जायसवाल भारत के तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के शुरुआती मुकाबले इतने अलग-अलग मैदानों पर खेले। उनसे पहले संजय मांजरेकर ने लगातार 33 टेस्ट और सचिन तेंदुलकर ने लगातार 32 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे।

गाले में 32 रन बनाकर हुए रन आउट :गाले टेस्ट में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने केएल राहुल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए अच्छी साझेदारी बन रही थी, लेकिन 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से जायसवाल रन आउट हो गए। एक रन लेने के प्रयास में फील्डर केशाना नुवंथा से टकराने के बाद जायसवाल फिसल गए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए और जायसवाल को अपना विकेट गंवाना पड़ा। वह 32 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह जायसवाल के करियर का तीसरा रन आउट था।

राहुल और पडिक्कल ने संभाली पारी :जायसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए शानदार 162 रनों की साझेदारी की। राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बनाए, जबकि पडिक्कल ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली।

एफआईएच वर्ल्ड कप

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंक हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एमस्टेलवीन (एजेंसी)। चीन के साथ कड़े मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद अपनी पहली जीत की उम्मीद में भारतीय महिला टीम कल एफआईएच वर्ल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने दूसरे पूल डी मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। भारत ने चीन के खिलाफ अच्छी शुरुआत की, जिसमें नवनीत और दीपिका ने गोल करके अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। चीन ने दो बार वापसी करते हुए बराबरी की, लेकिन भारत की अनुशासित रक्षापंक्ति और लड़ने के जज्बे ने उन्हें टूर्नामेंट की प्रमुख टीमों में से एक के खिलाफ एक अहम अंक दिलाने में मदद की।

इस नतीजे से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच से पहले भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा, साथ ही यह भी पता चलेगा कि अपनी सकारात्मक लय को तीन अंक में बदलना कितना जरूरी है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के बाद वापसी करने के लिए उत्सुक होगा। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद अंक के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक बहुत अहम हो जाता है। भारत इस मुकाबले में यह जानते हुए उतरेगा कि जीत से उनके क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है।

भारतीय टीम के मुख्य को मारिजने ने कहा, हम कैलकुलेशन या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। हमने (चीन के खिलाफ) मौके बनाए। यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है। बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे चीन के खिलाफ दिखाई गई तीव्रता और संयम को बनाए रखें और साथ ही अटैकिंग थर्ड में और अधिक सटीक खेलें। टूर्नामेंट की शुरुआत में नवनीत और दीपिका की फॉर्म आत्मविश्वास का बड़ा स्रोत होगी, जबकि दबाव झेलने की टीम की क्षमता का फिर से परीक्षण किया जाएगा। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका अपनी शुरुआती हार के बाद मजबूत वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार होगा। भारत को एक ऐसी टीम से कड़े मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए जिसके पास दांव पर लगाने के लिए बहुत कुछ है। भारतीय टीम चीन के खिलाफ दिखाए गए भरोसे और जीतने की जबरदस्त इच्छाशक्ति से आत्मविश्वास हासिल करेगी। अब, इस विश्व कप में अपनी पहली जीत पर नजर रखते हुए, भारत उसी आधार को आगे बढ़ाना चाहेगा, तीन अहम अंक हासिल करना चाहेगा और कड़े मुकाबले वाले पूल डी में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

13 लाख फॉलोअर वाली टिकटॉक स्टार की सरेआम हत्या

● मोटरसाइकिल से आए शूटर्स ने मारी गोली

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की लोकप्रिय टिकटॉक स्टार शमसू बीबी (उर्फ आयशा गिलामाना) की टैक्सिला में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उनके पिता के अनुसार, उनकी टिकटॉक पर 13 लाख से अधिक फॉलोअर्स थे।

पुलिस शिकायत के अनुसार, घटना 14 अगस्त 2026 को हुई। 28 वर्षीय शमसू बीबी के पिता फजल साहिबजादा ने बताया कि कशिश उर्फ काशी नाम के व्यक्ति ने उनकी बेटी को फोन कर घर के बाहर आने को कहा। इसके बाद बीबी अपनी 15 वर्षीय बहन असीमा और भाई नैमतुल्लाह के साथ कार में निकलीं।

नैमतुल्लाह के अनुसार, एक पेट्रोल पंप के पास दो अज्ञात युवकों (उम्र 30-35 वर्ष) ने मोटरसाइकिल से उनकी कार पर फायरिंग की। गोलियां बीबी के गले में लगीं, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। फायरिंग के कारण कार नियंत्रण से बाहर हो गई और दूसरी गाड़ी से टकरा गई, जिसमें असीमा गंभीर रूप से घायल हो गईं।

फजल साहिबजादा ने कहा कि उनकी बेटी करीब तीन-चार साल से टिकटॉक वीडियो बनाती थीं। परिवार ने हत्या के बाद उनका अकाउंट निष्क्रिय कर दिया है। भाई रहमतुल्लाह के अनुसार, अकाउंट पर 30-35 मिलियन लाइक्स और एक मिलियन से अधिक फॉलोअर्स थे।

परिवार का आरोप है कि बीबी के कौसर और जावेद उर्फ शाहीन के साथ वित्तीय लेनदेन थे। वे उनसे पैसे वापस मांग रही थीं, जिसके कारण उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली थीं। उन्होंने इस संबंध में इस्लामाबाद में शिकायत भी दर्ज कराई थी। पिता का कहना है कि हत्या या तो इन्हीं लोगों ने या उनके कहने पर अज्ञात हमलावरों ने की, ताकि उनका पैसा हड़पा जा सके। इसमें काशी की भी भूमिका बताई गई है।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही ठप, अमेरिका-ईरान की बातचीत अटकी

तेहरान। सोमवार को शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें लगभग स्थिर रहीं। होर्मुज के रास्ते जहाजों की आवाजाही में आई भारी गिरावट ने आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, वहीं अमेरिका और ईरान के बीच तनाव खत्म करने के प्रयासों में कोई प्रगति देखने को नहीं मिली है। सुबह 7-20 बजे तक ब्रेंट क्रूड 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 88.89 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.21 प्रतिशत चढ़कर 82.57 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया। कीमतों में यह ठहराव पिछले हफ्ते दोनों बेंचमार्क में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के बाद आया है। पिछले सप्ताह होर्मुज जलडमरूमध्य में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी द्वारा संचालित टैंकरों पर हमलों और सऊदी अरामको की रिफाइनरी पर अलग से हुए हमले के बाद कीमतों में तेज उछाल देखा गया था।

होर्मुज में आवाजाही लगभग ठप - सप्ताहांत के दौरान तेल परिवहन के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक गतिविधियों की आवाजाही लगभग थम गई।

शिप-ट्रैकिंग डेटा प्रदाता केप्लर के अनुसार, शनिवार को केवल पांच कमोडिटी जहाजों ने इस जलडमरूमध्य को पार किया, जबकि रविवार को एक भी ऐसा जहाज दर्ज नहीं किया गया। इसके विपरीत, पिछले सप्ताहांत इसी दौरान 31 जहाजों की आवाजाही दर्ज की गई थी।

शनिवार को प्रवेश करने वाले जहाजों में एक खाली वेरी लार्ज क्रूड कैरियर शामिल था, जिसका ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम बंद था। इसके अलावा ईरानी मार्ग का उपयोग करते हुए एक भारतीय ध्वज वाला वेरी लार्ज गैस कैरियर और ईरानी ईंधन तेल ले जा रहा एक छोटा टैंकर जलडमरूमध्य से बाहर निकलता दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि फरवरी में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने से पहले प्रतिदिन 130 से अधिक जहाज इस मार्ग से गुजरते थे, जिसकी तुलना में वर्तमान संख्या बेहद कम है। यह जलमार्ग वैश्विक कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस के कुल शिपमेंट का पांचवां हिस्सा वहन करता रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक गतिरोध जारी -मध्य पूर्व में संघर्ष समाधान को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच मतभेद लगातार बरकरार हैं। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने अभी यह तय नहीं किया है कि वॉशिंगटन के साथ वार्ता फिर से शुरू की जाए या नहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जलडमरूमध्य में सामान्य आवाजाही बहाल होने से पहले अमेरिका को ईरान की शर्तें माननी होंगी। दूसरी ओर, अमेरिका ने कहा है कि वह अनिश्चित काल तक ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रख सकता है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नागरिकों से कहा कि जब तक यह कूटनीतिक और सैन्य संघर्ष जारी रहेगा, उन्हें पेट्रोल की कुछ ऊंची कीमतों को स्वीकार करना ही होगा।

बाब अल-मंदेब मार्ग पर यातायात का हाल -यमन के हूतियों द्वारा 20 जुलाई को सऊदी अरब की नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा के बाद बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में भी यातायात काफी सुस्त रहा।

केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सप्ताहांत में 49 कमोडिटी जहाजों का आवागमन दर्ज किया गया, जबकि पिछले सप्ताह यह संख्या 55 थी। इस पूरी अवधि के दौरान किसी भी सऊदी तेल शिपमेंट की आवाजाही को ट्रैक नहीं किया गया।

ब्रिटेन में कुत्ते के काटने से व्यक्ति की मौत, मालिक गिरफ्तार; हत्या का संदेह

वेस्ट यॉर्कशायर। ब्रिटेन के वेस्ट यॉर्कशायर में एक फुटपाथ पर झगड़े के दौरान कुत्ते के काटने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने कुत्ते के मालिक को हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया है। बीबीसी रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 1-30 बजे (बीएसटी) वेकफील्ड के काल्डर ग्रोव में ब्लैकर लेन के पास एक बंद रेलवे लाइन पर झगड़े की सूचना पर पुलिस पहुंची। पीड़ित को

गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम 7 बजे के बाद उनकी मौत हो गई। एक व्यक्ति को हत्या के संदेह और सार्वजनिक स्थान पर खतरनाक रूप से नियंत्रण से बाहर कुत्ते का मालिक होने (जिससे चोट पहुंची) के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह पुलिस हिरासत में है। पुलिस ने घटना में शामिल माने गए एक जर्मन शेफर्ड कुत्ते को जब्त कर लिया है। डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर माइकल कॉक्स ने कहा कि दो लोगों ने घायल व्यक्ति की मदद की, जिनमें सोफी नाम की एक महिला भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि एक व्यक्ति की मौत हो गई है और हमें यह समझना बहुत जरूरी है कि क्या हुआ। उन्होंने मदद करने वाले दोनों लोगों और घटना के गवाहों से पुलिस से संपर्क करने की अपील की। पुलिस जांच जारी है।

इटली के म्यूजियम से पुनर्जागरण काल की चार कलाकृतियां चोरी, कीमत जानकार रह जाएंगे हैरान

रोम, एजेंसी। इटली के सिसली स्थित मेसिना के एक क्षेत्रीय म्यूजियम से पुनर्जागरण काल के मशहूर चित्रकार एंटोनेलो दा मेसिना की चार कलाकृतियां चोरी हो गई। चोरी शनिवार शाम उस समय हुई, जब शहर में पारंपरिक धार्मिक समारोह के लिए

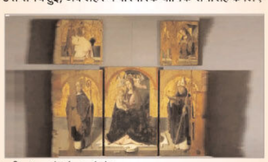

बड़ी संख्या में लोग जुटे थे।

कला विशेषज्ञों ने चोरी हुई कलाकृतियों की कीमत आठ से नौ करोड़ डालर आंकी है। चोरों ने मुमे म्यूजियम से एंटोनेलो दा मेसिना की 1473 में बनाई गई सैन ग्रेगोरियो पालीप्टिच के बचे पांच पैनलों में से तीन चुरा लिए। इसके अलावा वर्जिन मैरी और मृत ईसा मसीह को दर्शाने वाली एक दोतरफा धार्मिक पेंटिंग भी चोरी कर ली गई।

बताया जाता है कि ये एंटोनेलो की उनके पैतृक शहर में बची सबसे महत्वपूर्ण कृतियों में शामिल थीं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि चोरों ने म्यूजियम के अलार्म और सुरक्षा व्यवस्था को चकमा दिया।

मेसिना में हर साल 15 अगस्त को वारा का जुलूस निकाला जाता है, जिसमें करीब एक लाख लोग शामिल होते हैं। इसी दौरान शहर में बड़ी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्तता का फायदा उठाकर चोरी को अंजाम दिए जाने की आशंका है।

गाजा में हर रात 30-40 लोगों को मारना चाहिए, नेतन्याहू के करीबी सांसद का विवादित बयान

यरुशलम, एजेंसी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन में एक कट्टरपंथी इजरायली सांसद ने खुलेआम गाजा में हर रात 30 से 40 लोगों को मारने की बात की। उनकी ये टिप्पणी रविवार को सामने आई और फलस्तीनी मीडिया ने इसे तुरंत शेयर करना शुरू कर दिया। राष्ट्रीय सुरक्ष मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने यह बयान गाजा में पहले बंधक रह चुके रोम ब्रास्लाव्स्की से ब्रास्लाव्स्की के पॉडकास्ट पर बात करते हुए दिया। दोनों 7 अक्टूबर, 2023 के हमास हमले से इजरायल के उबरने पर बात कर रहे थे। बेन-ग्विर ने गाजा में हाल ही में इजरायल के हमले कम करने की आलोचना की थी।

हर रात 30 से 40 लोगों को मारना चाहिए -उन्होंने कहा, यह कोई सीक्रेट नहीं है, मैं प्राइम मिनिस्टर से सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि गाजा में टारगेटेड हत्याएं होनी चाहिए, हर रात 30 से 40 लोगों को मारना चाहिए। सिर्फ वे ही नहीं जो तुरंत खतरा पैदा करते हैं वहां ऐसे लोग भी हैं जो जीने के लायक नहीं हैं। उन्हें जीना नहीं चाहिए। वे इंसान भी नहीं हैं।

इससे पहले भी बेन-ग्विर और दूसरे इजरायली अधिकारियों के ऐसे ही बयानों की जमकर आलोचना हुई थी। कई बयानों को यूएन की वर्ल्ड कोर्ट में नरसंहार के इरादे के सबूत के तौर पर पेश किया गया है। इजरायल इस बात से इनकार करता है कि उसने गाजा में नरसंहार किया है।

इजरायली मीडिया में इस बयान की बहुत कम जिक्र -इजरायल के घरेलू मीडिया ने इस बयान का बहुत कम जिक्र किया है, जिसमें यह बताया गया है कि कैसे बेन-ग्विर जैसी विचारधाराएं 27 अक्टूबर को होने वाले इजरायली चुनावों से पहले उभर रही हैं। बेन-ग्विर जैसे लोग 2023 में हमास के उस क्रूर हमले के बाद से इजरायलियों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो गए हैं, जब लगभग 1,200 लोगों को मार डाला गया और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया।

बेन-ग्विर के पास देश की मिलिट्री पर कंट्रोल नहीं है और वह गाजा पर हमले का ऑर्डर नहीं दे सकते लेकिन, इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी ग्रुप में दशकों तक काम करने के बाद वह अब देश के सबसे असरदार लोगों में से एक हैं। इजरायल के सिक्योरिटी सिस्टम के खास हिस्सों पर उनका काफी कंट्रोल है, वे देश की जेलों को चलाते हैं। साथ ही नेशनल पुलिस फोर्स भी।

उन्होंने पहले भी फलस्तीनी कैदियों के लिए खाने का राशन कम करने की बात कही है। गाजा के हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, हाल तक इजरायल लगभग हर दिन गाजा पर हमला कर रहा था। अक्टूबर में हुए ट्रूस डील के लागू होने के बाद से इन हमलों में 1,250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

सऊदी-तुर्किए-पाकिस्तान रक्षा समझौते पर ट्रंप ने दी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते को अपनी सुरक्षा करने की दिशा में एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण कदम बताया है। ट्रंप की यह टिप्पणी इन तीनों देशों द्वारा मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिनों बाद आई है। इस समझौते के तहत, तीनों में से किसी भी देश के खिलाफ किसी भी सशस्त्र हमले को उन सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा।

ट्रंप ने समझौते को लेकर क्या कहा?

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर बहुत खुशी हुई कि सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान ने हाल ही में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिखाता है कि मध्य पूर्व कैसे एकजुट हो रहा है और देश आखिरकार कैसे अधिक सार्थक तरीके से अपनी सुरक्षा कर सकेंगे। ट्रंप ने लिखा, तीनों देशों के महान नेतृत्व को बधाई। यह एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण पहला कदम है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने समझौते पर क्या प्रतिक्रिया दी थी

इस समझौते पर 7 अगस्त को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। भारत ने कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और स्थिरता पर मक्का समझौते के असर का आकलन कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 11 अगस्त को कहा, जहां तक इस समझौते की बात है, हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के नजरिए से इसके असर की जांच कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

इस समझौते को क्यों कहा जा रहा इस्लामिक नाटो?

अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य संगठन का अनुच्छेद 5 कहता है कि एक सदस्य के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता को सभी पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान, सऊदी और तुर्किए के बीच हुए समझौते की मूल बात भी यही है। यही वजह है कि गठबंधन को मुस्लिम नाटो या इस्लामिक नाटो का नाम दिया जा रहा है।

जिम्बाब्वे फेरी हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या 84 पहुंची, लापता लोगों की तलाश जारी

क्वालालंपुर, एजेंसी। अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे की करिबा झील में पिछले सप्ताह एक ओवरलोड फेरी पलटने से मरने वालों की संख्या 84 हो गई है। अधिकारी रविवार को और शवों की तलाश कर रहे हैं। फेरी मंगलवार को तेज लहरों के कारण पलटी थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि 72 से बढ़कर 84 शव बरामद हुए हैं। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने 77 लोगों को बचाया है। फेरी में 90 लोगों की क्षमता के मुकाबले 153 से अधिक यात्री सवार थे। पुलिस ने कहा कि लापता पीड़ितों की तलाश जारी है। मृतकों में 18 बच्चे शामिल हैं, जिनमें सबसे छोटा 1 साल का था। यह पुरानी फेरी करिबा शहर से ग्रामीण समुदायों की ओर जा रही थी, जहां सड़कें खराब हैं। करिबा झील दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन, एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुईं कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं।

डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे। कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है।

जीन का सही संयोजन जरूरी -बोस्टन यूनिवर्सिटी के रिसर्च एक्सपर्ट डॉ. टॉम पर्ल्स के मुताबिक, 110 साल से ज्यादा जीने वाले लोग दुर्लभ होते हैं। शरीर में लगभग 200 ऐसे जीन होते हैं जो उम्र पर असर डालते हैं, और इनका सही संयोजन ही इंसान को सुपरसेंटेनेरियन के पार पहुंचाता है।

मानसिक सक्रियता जगाती है रुचि -दिनचर्या के बारे में कैथरीन ने कहा कि वह सुबह आराम से समय बिताती हैं और धूप में बैठकर अखबार पढ़ती हैं। इसके बाद स्टाफ की मदद से अपने पौधों की देखभाल करती हैं और फिर कमरे में जाकर टीवी देखते हुए रात का खाना खाती हैं। उनका कहना है, अखबार न केवल दुनिया की खबरों से जोड़े रखता है, बल्कि उनके दिमाग को भी सक्रिय रखता है।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूके में पहले सिख फाइटर पायलट बने अर्शदीप, कैसे हासिल की बड़ी कामयाबी?

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) में फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) पूरा करने वाले पहले सिख बन गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरएएफ ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी सिख ने फाइटर स्क्वाड्रन से पायलट की विंग्स हासिल की हैं।

अर्शदीप सिंह डांग (28) ने शुक्रवार 14 अगस्त को उत्तर वेल्स के आरएएफ वैली में फाइटर जेट पायलट ट्रेनिंग पूरी करने के समारोह में हिस्सा लिया। आरएएफ ने बताया कि अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की सैन्य पायलट ट्रेनिंग के तहत चौथे उड़ान प्रशिक्षण स्कूल में टेक्सन विमान उड़ाने की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पहले सिख हैं। हालांकि, उनसे पहले भी सिख लोग शुरुआती पायलट ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं।

डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह साल के थे, तब वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए। उनके पिता जगदीप सिंह डांग लुधियाना के रहने वाले हैं, जबकि उनकी मां गगनदीप कौर अमृतसर की रहने वाली हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है।

मां का सपना था बेटा पायलट बने --इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए डांग ने बताया कि उनके दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि उनका बेटा पायलट बने। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें। लेकिन जब मेरे पिता सिर्फ छह साल के थे, तब मेरे दादा की मौत हो गई। इसलिए मेरे पिता के पास अपना सपना पूरा करने के लिए जरूरी मौके और साधन नहीं थे। मेरे माता-पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया और मुझे विश्वास होने लगा कि मैं पायलट बन सकता हूं और ऐसा हो गया।

वीजा में एआई की मार- भारत की 28 सदस्यीय टीम से 10 बाहर, वरिष्ठ अधिकारी भी नहीं बचे

वाशिंगटन एजेंसी। वैश्विक भुगतान कंपनी वीजा ने अपने वैश्विक कार्यबल में करीब सात प्रतिशत यानी लगभग 2,600 नौकरियों में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कामकाज को एजेंटिक एआई के आसपास नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। एजेंटिक एआई ऐसी तकनीक है जो इंसान के हर कदम के निर्देश का इंतजार किए बिना कई काम खुद करने में सक्षम होती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में वीजा के पास करीब 34100 कर्मचारी थे। इस हिसाब से करीब हर 14 कर्मचारियों में से एक की नौकरी प्रभावित हुई है।

भारत में छंटनी का असर कितना बड़ा रहा?

भारत में वीजा के बंगलूरू, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद स्थित तकनीकी और कॉरपोरेट केंद्रों में 3,500 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी ने भारत में छंटनी की सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि, एक 28 सदस्यीय भारतीय टीम में से 10 लोगों की नौकरी जाने की जानकारी सामने आई है। प्रभावित कर्मचारियों में वरिष्ठ निदेशक, इंजीनियरिंग प्रबंधक और इंजीनियर भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि छंटनी का असर केवल शुरुआती या कनिष्ठ स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा है।

एआई पर इतना जोर क्यों दे रही है वीजा?

वीजा अपने कामकाज को एजेंटिक एआई के हिसाब से बदल रही है। इसका मतलब है कि कंपनी ऐसे सिस्टम और प्रक्रियाएं विकसित करना चाहती है जिनमें एआई कई काम खुद कर सके।

कंपनी का मानना है कि इससे भविष्य में काम करने का तरीका बदल सकता है और संसाधनों को ज्यादा विकास वाले क्षेत्रों में लगाया जा सकता है।

लेकिन भारत में वरिष्ठ पदों पर हुई छंटनी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि एआई का असर केवल सामान्य या दोहराए जाने वाले कामों तक सीमित रहेगा या अनुभवी कर्मचारियों की भूमिकाएं भी बदलेंगी।

बायोकैच सौदे के बीच छंटनी क्यों चर्चा में है?

वीजा ने ऐसे समय में छंटनी की है जब वह इस्राइली एआई कंपनी बायोकैच को 2.4 अरब डॉलर में खरीदने जा रही है। एक तरफ कंपनी एआई क्षमता बढ़ाने के लिए बड़ा अधिग्रहण कर रही है, वहीं दूसरी तरफ अपने कर्मचारियों की संख्या घटा रही है। यही वजह है कि वीजा का फैसला एआई और रोजगार के बीच बदलते रिश्ते को लेकर चर्चा में है। भारत जैसे बड़े तकनीकी कार्यबल वाले देश में वरिष्ठ स्तर पर हुई छंटनी इस सवाल को और गंभीर बनाती है कि आने वाले समय में कंपनियों में इंसानों और एआई के बीच काम का बंटवारा किस तरह होगा।

सावन के महीने में

किसी भी ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है

सावन का महीना शुरू होते ही हवा में एक अलग ही बदलाव महसूस होने लगता है और मंदिरों, सड़कों और लोगों के दिलों में 'हर-हर महादेव' का जयघोष गूंजने लगता है. प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, यह समय अपनी भक्ति को गहरा करने, आध्यात्मिक साधना को बढ़ाने और अपने भीतर विराजमान शिव से जुड़ने का है. अगर आप सावन के दौरान भगवान शिव की पूजा का पूरा आध्यात्मिक लाभ उठाना चाहते हैं, तो आपको बारह ज्योतिर्लिंगों में से पांच खास जगहों के दर्शन जरूर करने चाहिए. जानकारों का कहना है कि इस पवित्र महीने में भगवान शिव का परम आशीर्वाद पाने के लिए सोमनाथ, महाकालेश्वर, काशी विश्वनाथ और केदारनाथ ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ पशुपतिनाथ मंदिर (जिसे अक्सर इसी संदर्भ में पवित्र माना जाता है) के दर्शन करना सबसे शुभ माना जाता है.

काशी विश्वनाथ मंदिर

उत्तर प्रदेश राज्य के वाराणसी में स्थित यह मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इसे दुनिया भर के हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है. माना जाता है कि यह प्राचीन काल से ही भगवान शिव का निवास स्थान रहा है. पंडित पवन त्रिपाठी का कहना है कि काशी का अस्तित्व इतना पुराना है कि उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, काशी की रचना स्वयं भगवान शिव ने की थी. धर्मग्रंथों के अनुसार, एक बार जब भगवान शिव कैलाश पर्वत पर ध्यान कर रहे थे, तो माता पार्वती ने उनसे पूछा कि उनका वैवाहिक घर कहां है. उन्होंने उत्तर दिया कि वे एक तपस्वी और योगी हैं, जिनका निवास स्थान बर्फ से ढका कैलाश पर्वत, जंगल और श्मशान घाट हैं, उनका कोई निश्चित घर या महल नहीं है.

लेकिन, क्योंकि माता पार्वती राजा हिमाचल की बेटी थीं, इसलिए एक राजकुमारी के तौर पर उनकी इच्छा थी कि वे एक अच्छे-खासे घर में रहें. उन्होंने महादेव से कहा कि शादी के बाद हर औरत अपने पति के घर जाती है, इसलिए, उन्हें भी एक दिव्य घर में रहना चाहिए जहां वे गृहस्थ जीवन बिता सकें. अपनी पत्नी की इस इच्छा को पूरा करने के लिए, भगवान शिव ने अपने त्रिशूल पर एक बहुत ही शानदार और सुंदर शहर बनाया, जिसे काशी (प्रकाश का शहर) के नाम से जाना जाता है. शिव पुराण और स्कंद पुराण के अनुसार, काशी ब्रह्मांड के बनने से पहले से ही मौजूद थी, जिसे महादेव ने अपनी खुशी के लिए बनाया था. ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव और मां पार्वती आज भी वहां निवास हैं, इसलिए, सावन के महीने में काशी विश्वनाथ मंदिर जरूर जाना चाहिए.

सोमनाथ मंदिर

सोमनाथ मंदिर गुजरात के गिर-सोमनाथ जिले में प्रभास पाटन में अरब सागर के तट पर स्थित है. इसे भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से पहला माना जाता है और हिंदू धर्म में इसका बहुत महत्व है. माना जाता है कि पवित्र सावन के महीने में इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा करने से भोलेनाथ का विशेष आशीर्वाद मिलता है. अरब सागर के पास स्थित यह मंदिर शांति और सुंदर नजारों का अनुभव कराता है. सावन के महीने में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने के लिए यहां आते हैं. समुद्र की लहरों की आवाज और मंदिर की घंटियों की गूंज मिलकर एक अनोखा आध्यात्मिक माहौल बनाती है.

महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर अपनी अनोखी 'भस्म आरती' के लिए मशहूर है, जिसे देखने के लिए हजारों भक्त आते हैं. बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के नाते, यह मंदिर अपनी अपार आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए जाना जाता है. सावन के महीने में महाकाल की 'भस्म आरती' का महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि यह महीना भगवान शिव को सबसे प्रिय माना जाता है. इसके अलावा, ऐसी मान्यता है कि सावन के दौरान बाबा महाकाल अपने भक्तों का हाल-चाल जानने के लिए शहर में एक भव्य सवारी निकालते हैं. सावन के दौरान भक्तों के लिए खास इंतजाम किए जाते हैं, लेकिन ज्यादा भीड़ होने के कारण पहले से बुकिंग और प्लानिंग करना जरूरी है. मंदिर में भक्तों को पूजा-पाठ और रस्मों में शामिल होने की इजाजत होती है, जिससे अनुभव और भी खास बन जाता है.

केदारनाथ मंदिर

हिमालय में स्थित केदारनाथ मंदिर भारत में शिव के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मंदिरों में से एक है. इस मंदिर की यात्रा चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ एक सुखद अनुभव भी है. सावन के महीने में, बहुत से भक्त आशीर्वाद लेने और शांतिपूर्ण माहौल का अनुभव करने के लिए केदारनाथ जाते हैं. माना जाता है कि भगवान शिव यहां अपने भक्तों को सीधे दर्शन देते हैं और देवता के दर्शन मात्र से ही सारे पाप धुल जाते हैं. अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए मशहूर यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है.

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले में श्रीशैलम पहाड़ियों के बीच कृष्णा नदी के किनारे है, जहां भगवान शिव और देवी पार्वती (भ्रामराम्बा देवी) एक साथ रहते हैं. इस जगह को बारह ज्योतिर्लिंगों में गिना जाता है और इसे एक प्रमुख शक्तिपीठ माना जाता है. माना जाता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से परिवार में सामंजस्य, वैवाहिक सुख और आध्यात्मिक उन्नति मिलती है. आसपास के जंगल और कृष्णा नदी मंदिर के आध्यात्मिक माहौल को और भी खास बनाते हैं.

नंदी के बिना शिवलिंग को माना जाता है अधूरा

भगवान शिव के किसी भी मंदिर में शिवलिंग के आसपास एक नंदी बैल जरूर होता है क्योंप नंदी के बिना शिवलिंग को अधूरा माना जाता है।इस बारे में पुराणों की एक कथा में कहा गया है शिलाद नाम के ऋषि थे जिन्होंने लम्बै समय तक शिव की तपस्या की थी। जिसके बाद भगवान शिव ने उनकी तपस्यार से खुश होकर शिलाद को नंदी के रूप में पुत्र दिया था।शिलाद ऋषि एक आश्रम में रहते थे। उनका पुत्र भी उन्हींर के आश्रम में ज्ञान प्राप्ता करता था। एक समय की बात है शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नामक दो संत आए थे। जिनकी सेवा का जिम्मार शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को सौंपा। नंदी ने पूरी श्रद्धा से दोनों संतों की सेवा की। संत जब आश्रम से जाने लगे तो उन्होंरने शिलाद ऋषि को दीर्घायु होने का आर्शिवाद दिया पर नंदी को नहीं।

इस बात से शिलाद ऋषि परेशान हो गए। अपनी परेशानी को उन्होंनि संतों के आगे रखने की सोची और संतों से बात का कारण पूछा। तब संत पहले तो सोच में पड़ गए। पर थोड़ी देर बाद उन्होंने कहा, नंदी अल्पायु है। यह सुनकर मानों शिलाद ऋषि के पैरों तले जमीन खिसक गई। शिलाद ऋषि काफी परेशान रहने लगे।

एक दिन पिता की चिंता को देखते हुए नंदी ने उनसे पूछा, 'क्या बात है, आप इतना परेशान क्यों हैं पिताजी।' शिलाद ऋषि ने कहा संतों ने कहा है कि तुम अल्पायु हो। इसीलिए मेरा मन बहुत चिंतित है। नंदी ने जब पिता की परेशानी का कारण सुना तो वह बहुत जोर से हंसने लगा और बोला, 'भगवान शिव ने मुझे आपको दिया है। ऐसे में मेरी रक्षा करना भी उनकी ही जिम्मेदारी है, इसलिए आप परेशान न हों।'

नंदी पिता को शांत करके भगवान शिव की तपस्या करने लगे। दिनरात तप करने के बाद नंदी को भगवान शिव ने दर्शन दिए। शिवजी ने कहा, 'क्याह इच्छात है तुम्हानरी वत्स'. नंदी ने कहा, मैं ताउम्र सिर्फ आपके सानिध्य में ही रहना चाहता हूं। नंदी से खुश होकर शिवजी ने नंदी को गले लगा लिया। शिवजी ने नंदी को बैल का चेहरा दिया और उन्हें अपने वाहन, अपना मित्र, अपने गणों में सबसे उत्तसम रूप में स्वीकार कर लिया।इसके बाद ही शिवजी के मंदिर के बाद से नंदी के बैल रूप को स्था पित किया जाने लगा।

नंदी कैसे बनें भगवान शिव की सवारी?

पौराणिक कथा के अनुसार, शिलाद नाम के ऋषि थे। वह महादेव की भक्ति में लीन रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। ऐसे में उनसे एक बार पितरों ने कहा कि उनका वंश समाप्त हो रहा है। इसलिए संतान प्राप्ति के लिए कोई उपाय करें। इसके लिए उन्होंने महादेव की तपस्या की। महादेव उनकी भक्ति से प्रसन्न हुए और पुत्र की प्राप्ति का वरदान दिया। कुछ समय के बाद उन्हें भूमि को जोत रहे थे, तब उन्हें एक बालक मिला और उन्होंने उसका नाम नंदी रखा।

एक बार महर्षि शिलाद में आश्रम में 2 संतों का आगमन हुआ और उन्होंने बताया कि नंदी की आयु बेहद काम है। वह 8 वर्ष ही जीवित रहेंगे। इस बात को सुनकर शिलाद परेशान हुए। तब बाद नंदी ने पिता से कहा कि पिता जी आपने मुझे महादेव की कृपा से पाया है। इसके बाद नंदी महादेव की तपस्या करने लगे।

यह वीडियो भी देखें

उनकी भक्ति को देख महादेव प्रसन्न हुए और नंदी के सामने भगवान शिव प्रकट हुए। प्रभु ने नंदी से कहा कि तुम तो मेरे ही अंश हो, तुम्हें मृत्यु का भय कैसे हो सकता है? उन्होंने अजर-अमर होने का वरदान दिया। उसी दिन से नंदी भगवान शिव के अभिन्न अंग बनें और शिवलिंग के सामने विराजमान हुए। इसलिए हर शिव मंदिर में शिवलिंग के सामने नंदी की मूर्ति को विरजामन किया जाता है।

नंदी पूजा का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नंदी की पूजा के बिना महादेव की पूजा अधूरी मानी जाती है। इसलिए शिव पूजा के दौरान नंदी की पूजा जरूर करें। नंदी की साधना करने से साधक की सभी मुरादें पूरी होती हैं और शुभ फल की प्राप्ति होती है। जीवन में सुख-शनि बनी रहती है।

शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए?

सावन माह में शिवलिंग जलाभिषेक का विशेष महत्व होता है। शिवलिंग पूजा और दर्शन करने से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर हो जाता है। तो यहां जानिए कि शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए और पूजा का सही नियम क्या है।

कर्पूरगौरं करुणावतारं
संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्। सदा
वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं
नमामि॥....

सावन का महीना महादेव की कृपा पाने का सबसे पावन अवसर होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन माह में भगवान शिव और माता पार्वती धरती पर भ्रमण करने के लिए आते हैं। इसलिए हर भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाता है। सावन में शिवलिंग का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है। तो अगर आप भी भगवान शिव की खास कृपा पाना चाहते हैं तो पूरे सावन माह शिवजी की आराधना करें और सोमवार का व्रत भी करें। आइए जानते हैं कि शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए और जलाभिषेक सही विधि क्या है। वहीं बता दें कि सावन में सोमवार व्रत करने के साथ ही इस पूरे माह में भी उपवास रखने का विधान है। तो अगर आप भी सावन माह में व्रत रख रहे हैं तो इन नियमों का ध्यान रखें।

शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाएं (शिवलिंग पूजा विधि)

जल : सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल धीर-धीरे चढ़ाएं। जल चढ़ाने के लिए तांबे या पीतल के लोटे का इस्तेमाल करें। जल चढ़ाते समय '? नम: शिवाय' मंत्र का जाप करते रहें।

पंचामृत : जल चढ़ाने के बाद शिललिंग का पंचामृत से अभिषेक करें। पंचामृत दही, घी, शहद और चीनी को मिलाकर बनाया जाता है। पंचामृत चढ़ाने के बाद फिर से शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और

शिवलिंग को हल्के हाथों से पोंछें।

कच्चा दूध : अगर आप शिवलिंग पर पंचामृत नहीं चढ़ा रहे हैं तो फिर कच्चा दूध चढ़ाएं। शिवलिंग पर जल अर्पित करने के बाद गाय का कच्चा दूध चढ़ाएं। दूध चढ़ाने के बाद फिर से शुद्ध जल या गंगा जल चढ़ाएं।

चंदन : जल चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर सफेद या पीला चंदन का लेप लगाएं।

बेलपत्र, धतूरा और फूल : चंदन के बाद शिवलिंग पर महादेव की प्रिय चीजें बेलपत्र, धतूरा, भांग और मदार के फूल अर्पित करें। इसके साथ ही शमी के पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

अक्षत और जनेऊ : इसके बाद शिवलिंग पर अक्षत यानी बिना टूटे हुए चावल चढ़ाएं। फिर भगवान शिव को जनेऊ अर्पित करें।

भोग : अब शिवलिंग पर पान का पत्ता, सुपारी और इलायची चढ़ाएं। इसके साथ ही भगवान शिव को फल और मिठाई का भोग लगाएं।

आरती : धूप-दीप जलाकर कपूर से भगवान शिव की आरती करें। आप चाहे तो आरती से पहले शिव चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

इन बातों का ध्यान रखें

शिवलिंग पर हमेशा उत्तर दिशा की ओर मुंह करके खड़े हों और जल अर्पित करें।

जल हमेशा धीरे-धीरे और पतली धार बनाकर चढ़ाएं। शिवलिंग पर कभी भी एक साथ पूरा जल न चढ़ाएं।

शिवलिंग पर हल्दी, तुलसी, केतकी का फूल, सिंदूर नहीं चढ़ाएं। ये सभी चीजें शिवजी की पूजा में वर्जित है।

शिवलिंग पर कभी भी शंख से जल न चढ़ाएं।

शिवलिंग पर कटा-फटा या धारीदार वाला बेलपत्र नहीं चढ़ाना चाहिए।

बेलपत्र को हमेशा उलटा चढ़ाएं, जिससे कि बेलपत्र का चिकना हिस्सा शिवलिंग को स्पर्श करें।